RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-12 अंक:63 ता. 26 अगस्त 2023, शनिवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

भगवान को भी धोखा? 100 करोड़ का चेक, लेकिन बैंक अकाउंट में मिले सिर्फ 22 रुपये

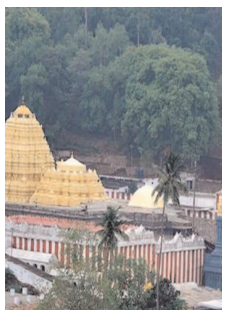

विशाखापट्टनम। दक्षिण भारत के मंदिरों को काफी दान मिलते हैं। हालांकि, कुछ भक्तों ने भगवान को भी धोखा दे दिया। मंदिर के दानपात्र में एक भक्त ने 100 करोड़ का चेक डाल दिया। जब मंदिर प्रबंधन ने चेक को कैश कराने के लिए बैंक से संपर्क किया तो अकाउंट में सिर्फ 22 रुपये थे। यह पहला मामला नहीं है। कुछ खातों में 17 रुपये भी मिले हैं। ताजा घटना विशाखापत्तनम की है। सिम्हाचलम देवस्थानम के अधिकारियों को उस समय आश्चर्य हुआ जब उन्हें बुधवार को हुंडी संग्रह की गिनती के दौरान मंदिर को दान किए गए 100 करोड़ रुपये का चेक मिला। एक कॉर्पोरेट बैंक के चेक पर किसी बोड्डेपल्ली राधाकृष्ण द्वारा हस्ताक्षर किए गए हैं। अधिकारी चेक को मंदिर के कार्यकारी अधिकारी (ईओ) त्रिनाधा राव के पास ले गए। त्रिनाधा राव ने कहा, ÷अंकों और शब्दों में राशि सही है। एक छोटा सा सुधार है। अगर चेक कैश हो जाती है तो हम बहुत भाग्यशाली होंगे।÷ उन्होंने कहा कि चेक को मंदिर की बैंक शाखा में भेज दिया गया है। मंदिर के सूत्रों ने कहा कि भक्त के बैंक खाते के वेरिफिकेशन से पता चला कि राधाकृष्ण के खाते में केवल 22 रुपये थे। हालांकि, उसका पता नहीं मिल सका है। सिम्हाचलम ईओ ने कहा, ÷यह मंदिर के लिए कोई नई बात नहीं है। पहले भी भक्तों द्वारा फैंसी राशि के चेक हुंडी में डाले गए हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या मंदिर ऐसे मामलों में चेक बाउंस का मामला दर्ज करता है, मंदिर के एक अधिकारी ने कहा कि सिम्हाचलम प्रशासन ऐसे मामलों को नजरअंदाज कर देता है, क्योंकि ये दान के रूप में दिए जाते हैं।

बनना चाहता था कांग्रेस अध्यक्ष लेकिन...;

अशोक गहलोत को मौका चूक जाने का मलाल; पहली बार बताई मन की बात

जयपुर। राजस्थान में इस साल के अंत में बेहद दिलचस्प चुनावी मुकाबला होने जा रहा है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत राजस्थान में सत्ता परिवर्तन वाले दशकों पुराने रिवाज को बदलना चाहते हैं। इसके लिए उन्होंने मुफ्त बिजली, मोबाइल और 25 लाख रुपए तक का कैशलेस इंश्योरेंस तक का ऐलान किया है, जिसके बाद भाजपा भी उनके अजेंडे पर चलने को मजबूर हो गई है। हिन्दुस्तान टाइम्स को दिए इंटरव्यू में गहलोत ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि वह 2008 जैसी बड़ी जीत हासिल कर पाएंगे जब कांग्रेस को 153 सीटें हासिल हुई थीं। उन्होंने पिछले पांच सालों तक सचिन पायलट के साथ चले टकराव के खत्म हो जाने के संकेत भी दिए।

पायलट के साथ टकराव की वजह से ही वह पिछले साल कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनते-बनते रह गए थे। इंटरव्यू के दौरान गहलोत ने इससे जुड़े एक सवाल में इस बात को खारिज किया कि उन्होंने राष्ट्रीय अध्यक्ष से अधिक मुख्यमंत्री के पद को अहमियत दी। राजस्थान की राजनीति के जादूगर कहे जाने वाले गहलोत को इस बात का मलाल है कि उन्हें जो पद ऑफर किया गया था उसे हासिल नहीं कर पाए। गहलोत ने यहां तक कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष का पद मुख्यमंत्री के मुकाबले 100 गुना ज्यादा बड़ा है। गहलोत से पूछा गया कि क्या कांग्रेस अध्यक्ष बनने के ऑफर को स्वीकार ना करने का पश्चाताप है? उन्होंने कहा, मैं इसके लिए तैयार था। यह बहुत प्रतिष्ठित पद है, कौन कांग्रेस अध्यक्ष नहीं बनना चाहेगा? परिस्थितियां कुछ ऐसी हो गईं कि मैं नहीं बन सका। यह गलत धारणा है कि मैं मुख्यमंत्री बने रहना चाहता था और पार्टी प्रमुख नहीं, या मैंने इसे ठुकरा दिया। यह पूरी तरह गलत है। सोनिया गांधी सच जानती हैं, मैंने उन्हें सब बताया। मैं इसमें नहीं पड़ना चाहता क्योंकि अब हम सभी को एक साथ चुनाव लड़ना चाहिए। हालांकि मैं पार्टी प्रमुख बनना चाहता था और यह मुख्यमंत्री से 100 गुना ज्यादा बड़ा पद है। मैं आज भी महसूस करता हूं कि मैं पार्टी अध्यक्ष बन सकता था। यह पूछे जाने पर कि क्या भविष्य के लिए विकल्प खुला है, गहलोत ने कहा कि भविष्य किसने देखा है।

गौरतलब है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए चुनाव से पहले गहलोत को पद छोड़ना पड़ता और प्रदेश में पायलट को मुख्यमंत्री बनाए जाने की अटकलें थीं। मौजूदा अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और अजय मकान को आलाकमान ने इसको लेकर जयपुर भेज दिया था। लेकिन ऐन वक्त पर गहलोत कैंप ने इस्तीफे का दांव चल दिया। इसके बाद चीजें पूरी तरह पलट गईं।

गंगासागर के लिए विशेष ट्रेन 8 सितंबर को उदयपुर से होगी रवाना

उदयपुर। वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना 2023 अन्तर्गत विशेष रेलगाड़ी राणा प्रतापनगर (उदयपुर) से गंगासागर ट्रेन आगामी सितंबर को राणा प्रतापनगर (उदयपुर) रेलवे स्टेशन से रवाना होगी।

देवस्थान आयुक्त प्रज्ञा केवलरमानी ने बताया कि इस यात्री गाड़ी में राणा प्रताप नगर उदयपुर रेलवे स्टेशन से 270 एवं अजमेर रेलवे स्टेशन से 350 कुल 620 यात्री सवार होंगे। उदयपुर संभाग के यात्रियो को राणा प्रतापनगर उदयपुर रेलवे स्टेशन पर प्रातः 7 बजे तथा अजमेर व कोटा संभाग के यात्रियों अजमेर रेलवे स्टेशन पर प्रातः 10 बजे से रिपोर्ट करना होगा।

इस रेलगाड़ी में सभी चयनित तीर्थ यात्रियों को व्यक्तिशः दूरभाष एवं संदेश के माध्यम से सूचित किया जा रहा है। यात्री अपने साथ ऑनलाइन भरे गये आवेदन-पत्र की हार्ड कॉपी मय प्रमाणित चिकित्सकीय प्रमाण-पत्र, मूल जनआधार, आधार कार्ड, दो पासपोर्ट साईज फोटो साथ लेकर आना अनिवार्य होगा। वहीं दैनिक उपयोग की सामग्री यथा आवश्यक औषधियां, व्यक्तिगत आवश्यकता हेतु नकदी, कपड़े साथ लाने होंगे। ट्रेन में 7 दिन तक यात्रियों के आवास, भोजन आदि समस्त व्यवस्थाएं देवस्थान विभाग द्वारा की जाएगी फलतः यात्रियों हेतु यात्रा पूर्णतः निःशुल्क रहेगी

12, तुगलक लेन से हुआ राहुल गांधी का मोहभंग!

कमेटी को नहीं दिया जवाब, अब यह हो सकता है नया पता

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी अपने पुराने बंगले यानी 12, तुगलक लेन में लौटेंगे या नहीं? इसे लेकर कयासों का दौर जारी है। इसी बीच बुधवार लोकसभा की हाउसिंग कमेटी को भी इस संबंध में राहुल की तरफ से जवाब दिए जाने की 15 दिनों की मियाद खत्म हो गई है। फिलहाल, वायनाड सांसद ने आधिकारिक तौर पर बंगले में वापसी को लेकर कुछ नहीं कहा है। सांसदी बहाल होने के बाद राहुल को बंगला दोबारा आवंटित कराने के लिए लोकसभा हाउसिंग कमेटी को 15 दिनों के भीतर जवाब देना था। बुधवार को यह समय सीमा खत्म हो चुकी है। अब एक मीडिया रिपोर्ट में पार्टी सूत्रों के हवाले से कहा जा रहा है कि कांग्रेस नेता ने आवंटन को पूरी तरह से अस्वीकार नहीं किया है।

साथ ही पार्टी सूत्रों ने इन संभावनाओं से भी इनकार नहीं किया है कि राहुल बंगले में न लौटें। दरअसल, रिपोर्ट के मुताबिक, इसकी वजह उनके खिलाफ की गई कार्रवाई का तरीका बताया जा रहा है, जिसके तहत उनकी लोकसभा की सदस्यता गई और साथ ही उन्होंने बंगला खाली करने के लिए कहा गया। खास बात है कि राहुल इस बंगले में साल 2005 से रह रहे थे।

छोटे बंगले में शिफ्ट होंगे राहुल-फिलहाल, राहुल लद्दाख की यात्रा पर हैं। कहा जा रहा है कांग्रेस नेता अपने नए बंगले के तौर पर छोटी जगह की भी तलाश कर रहे हैं। अटकलें लगाई जा रही हैं कि वह सफदरजंग लेन, 7 बंगले में भी शिफ्ट हो सकते हैं। हालांकि, अब तक पार्टी की तरफ से इसे लेकर आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है।

क्या था मामला

साल 2019 लोकसभा चुनाव के दौरान एक चुनावी रैली में राहुल ने मोदी सरनेम को लेकर टिप्पणी कर दी थी, जिसके बाद भारतीय जनता पार्टी के नेता पूर्णेश मोदी ने उनके खिलाफ आपराधिक मानहानि का केस किया था। 2023 में सूरत की एक कोर्ट ने राहुल को इस मामले में दोषी माना था। बाद में गुजरात हाईकोर्ट की तरफ से भी दोषसिद्धि को बरकरार रखा गया। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने उनकी सजा पर रोक लगा दी थी।

बिहार में दर्दनाक हादसा, नहर में गिरी स्कॉर्पियो; श्राद्ध से लौट रहे 5 लोगों की मौत

छपरा। बिहार के छपरा में गुरुवार देर रात दर्दनाक सड़क हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई। मशरक में एक स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर कर्कुदरिया नहर में गिर गई। गाड़ी पुल से 20 फीट गहरे पानी में चली गई। स्कॉर्पियो सवार 5 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। सभी बसंतपुर के बगही से श्राद्ध कार्यक्रम में शामिल होकर लौट रहे थे। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से सभी शवों को गाड़ी से बाहर निकाला। जानकारी के मुताबिक यह हादसा गुरुवार देर रात मशरक में हुआ। स्थानीय मुखिया प्रतिनिधि अशरफ अली ने पुलिस को हादसे की सूचना दी। इसके बाद गाड़ी में फंसे पांच लोगों के शवों को बाहर निकाला गया। मृतकों में चार गोपालगंज जिले के रहने वाले थे और एक सारण जिले का है। बताया जा रहा है कि गाड़ी में सवार सभी गोपालगंज के बैकुंठपुर से सीवान जिले के बसंतपुर स्थित बगही में एक श्राद्ध कार्यक्रम से लौट रहे थे। मृतकों में हमीदपुर पंचायत के सोनवलिया गांव के मुखिया के पिता और भतीजा भी शामिल हैं।

एकनाथ शिंदे और 15 विधायकों ने 6500 पन्नों में दिया अयोग्यता के नोटिस का जवाब

मुंबई। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के विधायकों ने महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर द्वारा जारी अयोग्यता नोटिस पर अलग-अलग हजारों पन्नों के जवाब दाखिल किए हैं। शिवसेना विधायक और पार्टी प्रवक्ता संजय शिरसाट ने कहा कि प्रत्येक विधायक ने 6,000 से 6,500 पृष्ठों का जवाब दाखिल किया है। उन्होंने कहा, यह कोई संयुक्त वक्तव्य नहीं है। हर विधायक ने 6,000 से 6,500 पृष्ठों का अलग-अलग जवाब दाखिल किया है। शिरसाट उन 16 विधायकों में से एक हैं जिनके खिलाफ जून 2022 में तत्कालीन मुख्यमंत्री और अविभाजित शिवसेना के प्रमुख उद्धव ठाकरे के खिलाफ विद्रोह करने के बाद अयोग्यता नोटिस जारी किए गए थे। ठाकरे समूह ने उन्हें अयोग्य घोषित करने के लिए विधानसभा अध्यक्ष के समक्ष याचिका दायर की थी। शिरसाट ने कहा, जवाबों को एक टेंपो में भेजा गया है। संपर्क करने पर, शिवसेना विधायक सदा सरवनकर और बालाजी किनिकर ने कहा कि उन्हें इस बात की जानकारी नहीं है कि नोटिस के जवाब कितने लंबे हैं। महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि वह फिलहाल इस विषय पर चर्चा नहीं करना चाहेंगे। उन्होंने कहा, अयोग्यता मुद्दे पर निर्णय लेते समय स्पीकर एक अर्ध न्यायिक प्राधिकारी होता है। मैं अब इस पर चर्चा नहीं करूंगा और हम प्रक्रिया के अनुसार आगे बढ़ेंगे। आपको बता दें कि स्पीकर ने 16 विधायकों को 7 जुलाई 2023 को जवाब देने के लिए नोटिस जारी किया था। विधायकों को अपना जवाब देने के लिए सात दिन का समय दिया गया था। विधायकों ने अपना जवाब देने के लिए स्पीकर से और समय मांगा था। उद्धव गुट ने पहले ही सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है और मांग की है कि महाराष्ट्र स्पीकर को 15 दिनों के भीतर अयोग्यता पर आदेश देने का आदेश दिया जाए। सुप्रीम कोर्ट ने मई में अपने आदेश में कहा था कि महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष को अयोग्यता की कार्यवाही पर उचित समय के भीतर निर्णय लेना होगा।

हिमाचल में एकल खिड़की की बैठक में 1483 करोड़ के 29 प्रस्तावित निवेशों को स्वीकृति

शिमला। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू की अध्यक्षता में आज यहां राज्य एकल खिड़की स्वीकृति एवं अनुश्रवण प्राधिकरण की 27वीं बैठक में 1483 करोड़ के 29 प्रस्तावित निवेशों को मंजूरी दी गई।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री सुक्खू ने कहा कि राज्य सरकार पर्यावरण के संरक्षण के लिए प्रदेश में हरित उद्योगों को प्रोत्साहित कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य पर इस बरसात के दौरान आई प्राकृतिक आपदा को देखते हुए जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न चुनौतियों को कम करने के लिए आवश्यक कदम उठाने का उपयुक्त यह समय है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है और इसे सर्वोच्च प्राथमिकता प्रदान की जा रही है।

प्राधिकरण द्वारा अनुमोदित नए प्रस्तावों में कास्टिंग प्लेट और फिलिंग, इन्वर्टर-बैटरी इत्यादि के निर्माण के लिए मैसर्ज ईस्टमैन ऑटो एंड पावर लिमिटेड यूनिट-3, गांव नंदपुर, तहसील बद्दी, जिला सोलन, रोटावेटर ब्लेड और फोर्ज्ड पार्ट्स के निर्माण के लिए मैसर्ज एम्मफोर्स मोबिलिटी साल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड ईपीआईपी चरण-1, झाड़माजरी, तहसील बद्दी, जिला सोलन, कॉस्मेटिक्स और टॉयलेटरीज के निर्माण के लिए मैसर्स आरएसएच वेलनेस प्राइवेट लिमिटेड बद्दी, जिला सोलन, सोडा, पैक्ड पानी के निर्माण के लिए

मैसर्स क्लीन वॉटर एंड अलाइड प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड गांव अदुवाल जंदोरी, तहसील नालागढ़, जिला सोलन, टैबलेट, कैप्सूल, तरल बोतलें, मलहम, ड्राई सिरप के निर्माण के लिए मैसर्स हिंदुस्तान फार्मास्यूटिकल्स, आई.ए., प्लास्डा, तहसील नालागढ़, जिला सोलन, तहसील नालागढ़, जिला सोलन, टेबलेट, कैप्सूल, तरल पदार्थ, मलहम, ड्राई सिरप के निर्माण के लिए मैसर्ज नेरी मास्टर एंटीबायोटिक्स प्राइवेट लिमिटेड आईए प्लास्डा, तहसील नालागढ़, जिला सोलन, टेबलेट, कैप्सूल, तरल बोतलें, मलहम, ड्राई सिरप के निर्माण के लिए मैसर्ज मास्टर फार्मास्यूटिकल्स इंडस्ट्रीज, आईए, प्लासडा, तहसील नालागढ़, जिला सोलन, नमूना परीक्षण, एपीआई आदि के लिए फॉर्मूलेशन विकास इत्यादि के लिए मेसर्ज वेल्जो रिसर्च एंड डेवलपमेंट प्राइवेट लिमिटेड, एचपीएसआईडीसी, आईए, बद्दी, जिला सोलन, इंजेक्शन के लिए स्टेराइल वॉटर और शीशियों के निर्माण के लिए मैसर्ज कोलश फार्मा, ईपीआईपी चरण-2, थाना बद्दी, जिला सोलन, टैबलेट, कैप्सूल, ओरल ऑयल, क्रीम आदि के निर्माण के लिए मैसर्ज आदिरा लैब्स प्रा. लिमिटेड, ईपीआईपी, चरण-2, थाना, तहसील बद्दी, जिला सोलन, ट्यूबलर इनवर्टर बैटरी, प्लास्टिक बफर, वेट स्क्रबर आदि के निर्माण के लिए मैसर्ज केसीसीएस एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड आईए, अंब, तहसील अंब, जिला ऊना, हाइड्रोजन और इथेनॉल के निर्माण के लिए मैसर्ज ओआरकेए, औद्योगिक क्षेत्र, गगरेट, जिला ऊना, इंटीग्रेटेड कोल्ड एटमॉस्फेयर और पल्प प्रोसेसिंग यूनिट के निर्माण के लिए मैसर्ज पीआरसी एग्रोफ्रेश, मोहाल गजेडी, तहसील ठियोग, जिला शिमला, इम्प्यूजन बीएफएस, कांच की बोतल, कोटिड और अनकोटेड टैबलेट तथा हार्ड जिलेटिन कैप्सूल के निर्माण के लिए मैसर्स हेटविक हेल्थकेयर एलएलपी, आईए, भांगला, तहसील नालागढ़, जिला सोलन और कार्बोनेटेड शीतल पेय, पैकेज्ड पेयजल, पेय पदार्थ आधारित सिरप (बीआईबी), सौर ऊर्जा के निर्माण के लिए मैसर्स वरुण बेवरेजेज लिमिटेड, औद्योगिक क्षेत्र कंदरोड़ी, चरण-2 जिला कांगड़ा शामिल हैं।

मुंबई पुलिस को आया विमान में बम होने का कॉल

मुंबई । मुंबई पुलिस को एक विमान में बम होने की कॉल मिली है। कॉल के बाद मुंबई पुलिस जांच में जुटी है। इसके बाद मुंबई एयरपोर्ट से विमान की जांच की जा रही है। मुंबई पुलिस ने कहा है इंवेस्टीगेशन की जा रही है। विमान की सघन तलाशी ली जा रही है। विमान में बम होने की जो कॉल मुंबई पुलिस को मिली है। वह कॉल एक लड़के से सतारा से की है। मुंबई पुलिस ने एहतियात के तौर पर इस कॉल के बाद एयरपोर्ट अथॉरिटी और दूसरी एजेसियों को अलर्ट करके जांच शुरू की है। मुंबई पुलिस को इस महीने में यह बम होने की तीसरी-चौथी कॉल में मिली है। दो हफ्ते पहले भी मुंबई पुलिस के कंट्रोल रूम में धमकी भरी कॉल आई थी। इसमें कहा गया था कि मुंबई लोकल में बम है। फोन पर सीरियल ब्लास्ट की धमकी भी दी गई थी। बाद में पुलिस ने आरोपी को अरेस्ट किया था। इस कॉल में कहा गया है कि सीरियल ब्लास्ट हो वाला है। तब भी फोन आते ही पुलिस जांच में जुट गई थी। तब यह कॉल गलत पाई गई थी।

कर्मचारी के पहली पत्नी के रहते दूसरी शादी करने पर नौकरी नहीं जा सकती

प्रयागराज । इलाहाबाद हाईकोर्ट ने महत्वपूर्ण आदेश में कहा है कि अगर किसी सरकारी कर्मचारी ने पहली बीवी के रहते हुए दूसरी शादी कर ली है, तब भी उस कर्मचारी को नौकरी से बर्खास्त नहीं किया जा सकता। इसके साथ कोर्ट ने याची प्रभात भटनागर की याचिका को स्वीकार कर सेवा बर्खास्तगी के आदेश को रद्द कर एक माह में बहाली के आदेश दिए। याचिका की सुनवाई कर जस्टिस क्षितिज शैलेंद्र की सिंगल बेंच ने कहा कि कर्मचारी ने दूसरी शादी की है, विभाग इस बात को साबित करने में नाकाम रहा। कोर्ट ने कहा कि याची ने भले ही दूसरी शादी कर ली है, केवल इस आधार पर उसकी बर्खास्तगी नहीं की जा सकती, क्योंकि, यूपी सरकारी सेवक आचरण नियमावली के नियम 29 के तहत सरकारी कर्मचारी की दूसरी शादी के मामले में केवल मामूली सजा का प्रावधान है। दरअसल, याची प्रभात को बरेली जिला विकास अधिकारी कार्यालय में प्रशिक्षु के रूप में नियुक्त किया गया था। आरोप लगाए गए कि उसने एक पत्नी के रहते दूसरी शादी कर ली है। जिस पर याची के खिलाफ विभागीय जांच की गई। जांच के दौरान याची ने दूसरी शादी करने के आरोप को नकार दिया, इसके बावजूद उस दोषी करार देकर बर्खास्त कर दिया गया। याची की विभागीय अपील भी सरसरी तौर पर खारिज की गई। याचिका की सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि स्वघोषणा शादी का पर्याप्त सबूत नहीं है। खासकर द्विविवाह जैसे आरोपों के लिए पर्याप्त सबूत होने ही चाहिए।

मणिपुर में भारी मात्रा में गोला-बारूद बरामद

इंफाल । मणिपुर में फिर सुरक्षा बलों ने भारी मात्रा में गोला-बारूद बरामद किए हैं। सुरक्षा बलों को तलाशी अभियान के दौरान इंफाल पूर्व और इंफाल पश्चिम जिलों से चार आग्नेयास्त्र, 38 गोला-बारूद और आठ बम मिले हैं। मणिपुर पुलिस नियंत्रण कक्ष द्वारा कहा गया कि इंफाल पूर्व, इंफाल पश्चिम, काकचिंग, कांगपोकपी और थौबल जिलों के सीमांत और संवेदनशील इलाकों में तलाशी अभियान चलाया गया, जिसके दौरान सुरक्षा बलों ने आग्नेयास्त्र, गोला-बारूद और बम बरामद किए। बयान में कहा गया, पिछले 24 घंटों के दौरान, प्रदर्शनकारियों के एकत्र होने की छिटपुट घटनाओं से राज्य में स्थिति तनावपूर्ण थी। मणिपुर के पहाड़ी और घाटी दोनों जिलों में कुल 123 नाके (चौकियां) स्थापित किए गए और पुलिस ने राज्य के विभिन्न जिलों में उल्लंघन के सिलसिले में 1,581 लोगों को हिरासत में लिया। पुलिस ने आम जनता से अफवाहों पर विश्वास न करने और झूठे वीडियो से सावधान रहने की अपील की है। पुलिस ने जनता से लूटे गए हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटकों को निकटतम सुरक्षा बलों को तुरंत लौटाने की भी अपील की।

वाराणसी में गंगा का जलस्तर बढ़ा, नाविक और पुराहितों के बीच चिंता

वाराणसी । उत्तर प्रदेश के वाराणसी में गंगा का जलस्तर अब तीसरी बार उफान पर है। बढ़ते जलस्तर के कारण फिर घाट किनारे रहने वाले लोगों में दशहत पैदा हो गई है। गंगा घाट किनारे पूजा अनुष्ठान कराने वाले पुरोहित से लेकर नाविक भी लगातार तीसरी बार जलस्तर बढ़ता देख हैरान और परेशान है। गंगा के बढ़ते जलस?तर के कारण नाविकों के माथे पर भी चिंता की लकीरें हैं। दरअसल नाव संचालन पर रोक के साथ उनकी रोजी रोटी पर ब्रेक लग जाएगा। बात दें कि हाल में ही गंगा का पानी कम होने के बाद पुलिस ने शर्तों के साथ गंगा में नाव संचालन की अनुमति नाविकों को दी थी। अस्सी घाट पर नाव संचालन करने वाले नाविक आकाश निषाद के मुताबिक, जलस्तर बढ़ने के साथ नाविकों की आफत इसकारण बढ़ जाती है कि उन्हें लगातार नावों को ठीक से बांधना होता है, ताकि बाढ़ में उनकी नाव बह न जाए। इसके अलावा वहां रात पर नावों पर रहकर इसकी देखभाल भी करते हैं। वहीं दूसरी तरफ पंडित और पुरोहितों के आजीविका पर भी आफत आती है। घाटों के डूबने के कारण गंगा स्नान और नियमित पूजा करने वाले भक्तों की संख्या भी कम होती है। स्थानीय निवासी अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि गंगा में बाढ़ के कारण सभी लोगों को मुश्किलों का सामना करना पड़ता है।

कावेरी जल छोड़ने की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट से स्टालिन सरकार को झटका

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने कर्नाटक के बांधों से कावेरी जल छोड़ने की मांग को लेकर तमिलनाडु द्वारा दायर याचिका पर कोई अंतरिम निर्देश देने से शुक्रवार को मना कर दिया। न्यायमूर्ति बी.आर.गवई, न्यायमूर्ति पी.एस. नरसिम्हा और न?यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा की पीठ ने सीडब्ल्यूएमए (कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण) से 1 सितंबर तक रिपोर्ट मांगी है। पीठ ने आदेश दिया, हमारे पास मामले में कोई विशेषज्ञता नहीं है, यह उचित होगा कि सीडब्ल्यूएमए अपनी रिपोर्ट सौंपे कि पानी छोड़े जाने के निर्देशों का पालन किया गया है या नहीं। अपने आवेदन में, तमिलनाडु ने 2018 में सुप्रीम कोर्ट द्वारा संशोधित कावेरी ट्रिब्यूनल के फैसले के अनुसार अगस्त और सितंबर के लिए पानी की निर्धारित रिलीज सुनिश्चित करने के लिए शीर्ष अदालत से कर्नाटक को निर्देश देने की मांग की है। दूसरी ओर, कर्नाटक सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि कावेरी नदी से पानी छोड़ने की मांग वाली तमिलनाडु की अर्जी पूरी तरह से गलत है, क्योंकि यह गलत धारणा पर आधारित है कि यह जल वर्ष एक सामान्य जल वर्ष है न कि संकटग्रस्त जल वर्ष। राज्य के जल संसाधन विभाग द्वारा दायर एक हलफनामे में कहा गया है कि कर्नाटक सामान्य वर्ष के लिए निर्धारित पानी सुनिश्चित करने के लिए बाध्य नहीं है, क्योंकि दक्षिण पश्चिम मानसून की विफलता के कारण कावेरी बेसिन में संकट की स्थिति पैदा हो गई है।

भारत में कोविड के 73 नए मामले

नई दिल्ली । केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि भारत में पिछले 24 घंटों में 73 नए कोविड मामले दर्ज हुए हैं, जिससे कुल मामलों की संख्या 4,49,96,859 हो गई है। मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, कोविड से एक और व्यक्ति की मौत होने से मरने वालों की संख्या बढ़कर 5,31,927 हो गई। अड़तालीस लोग वायरस से ठीक हो चुके हैं, जिससे ठीक होने वालों की कुल संख्या 4,44,63,424 हो गई है। रिकवरी दर 98.91 प्रतिशत और सक्रिय केसलोड 1,508 है। मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, अब तक कोविड-19 वैक्सीन की 220.67 करोड़ से अधिक खुराकें दी जा चुकी हैं।

झारखंड में आदिवासी युवती से तीन दिनों तक गैंगरेप

रांची । झारखंड के जलडेगा में एक आदिवासी युवती से तीन दिनों तक गैंगरेप हुआ। मामले में युवती की शिकायत पर त्वरित कार्रवाई कर पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। रेप के आरोपियों में से एक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का ड्रेसर नीलकमल सिंह है। युवती एक गांव में रिश्तेदार के यहां आई थी। साप्ताहिक बाजार में घूमने गई। यहां से वापस लौटते समय सूरज नायक ने युवती को अपने ऑटो में बिठा लिया। इसके बाद गांव के खाली पड़े एक मकान में विक्की नायक के साथ मिलकर उसके साथ दुष्कर्म किया। अगली सुबह सूरज ने लड़की के संबंध में ड्रेसर के तौर पर कार्यरत नीलकमल सिंह को जानकारी दी। नीलकमल ने लड़की को मेडिकल क्वार्टर में ले जाकर रखा। इसके बाद सुमित लुगुन और एक अन्य ने उसके साथ मंगलवार और बुधवार को दुष्कर्म किया। इसके बाद आरोपियों ने लड़की को विलियम चौक के निकट छोड़कर भाग गये। सामूहिक दुष्कर्म के बाद लड़की बदहवास गेट के पास बैठी थी। इसी दौरान आरोपी सुमित लुगुन अपने दोस्त की बाइक लेकर होटल कुछ खरीदने आया।

पवार ने फिर फेंकी गुगली, अजित को अपना नेता बताया

-एनसीपी में फूट होने की बात से किया इंकार

मुंबई (एजेंसी)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के सुप्रीमो शरद पवार की राजनीति को कोई समझ नहीं सकता हैं। अब पवार ने एक और राजनीतिक गुगली फेंकी है, इससे महाविकास अघाड़ी में असमंजस की स्थिति पैदा हो सकती है। कल तक जो शरद पवार भतीजे अजित के लिए तल्खी दिखा रहे थे, वहीं अब अचानक भतीजे को दुलारने लगे हैं। पवार ने एक इंटरव्यू में अजित को अपना नेता बताया और एनसीपी में किसी भी फूट से इनकार किया। दरअसल, पवार अपनी बेटी सांसद सुप्रिया सुले के उस बयान पर पत्रकारों के सवालों का जवाब दे रहे थे, जिसमें उन्होंने कहा था, 'अजित दादा हमारे नेता हैं।

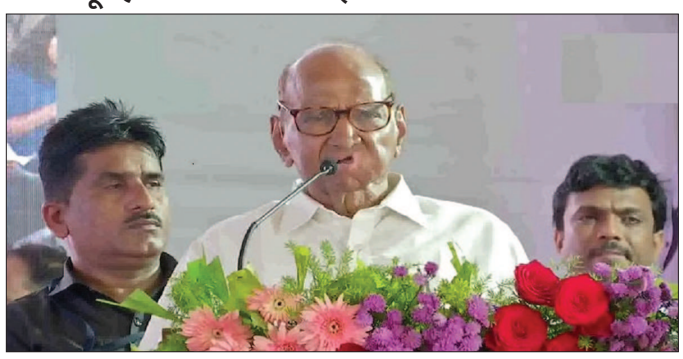

जब शरद पवार से सुले के बयान के बारे में पूछा गया तब उन्होंने कहा, 'इसमें कोई मतभेद नहीं है कि वह (अजित पवार) हमारे नेता हैं, एनसीपी में कोई विभाजन नहीं है। किसी पार्टी में फूट कैसे पड़ती है? ऐसा तब होता है जब राष्ट्रीय स्तर पर कोई बड़ा समूह पार्टी से अलग हो जाता है। लेकिन आज एनसीपी में ऐसी कोई स्थिति नहीं है। हां, कुछ नेताओं ने अलग रुख अपनाया लेकिन इस रुख को पार्टी में फूट नहीं कहा जा सकता। वे लोकतंत्र में ऐसा कर सकते हैं। शरद पवार ने स्पष्ट किया कि उन्होंने (अजित पवार) अलग निर्णय लिया, इसलिए यह नहीं कहा जा सकता कि विभाजन हुआ है।

बता दें कि अजित के भाजपा-शिंदे गुट वाली सरकार में शामिल होने के बाद से शरद पवार उनसे नाराज बताए जा रहे थे। लेकिन कुछ दिन पहले ही शरद और अजित पुणे में उद्योगपति अतुल चोरडिया के घर पर मिले थे। चोरडिया और पवार फैमिली के पुराने ताल्लुकात हैं। अतुल ने शरद और अजित को लंच पर आमंत्रित किया था। इसके बाद चर्चा छिड़ गई थी कि एनसीपी में कुछ पक रहा है। वहीं अब शरद पवार का बयान सामने आया है, जो उन चर्चाओं को ताकत दी है।

शरद से जब पूछा गया कि उपमुख्यमंत्री अजित बीड में बैठक करने वाले हैं, तब उन्होंने इस पर भी अपनी प्रतिक्रिया दी। शरद पवार ने कहा, 'लोकतंत्र में किसी की बैठकें करने में कोई दिक्कत नहीं है। सभी को अधिकार है। इसकी कोई चिंता नहीं।

औवेसी का तंज, पीएम मोदी को सैनिकों पर भरोसा नहीं क्या

हैदराबाद । सांसद ओवैसी ने ब्रिक्स सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की शी जिनपिंग संग मुलाकात को लेकर निशाना साधकर चीन के सामने मोदी सरकार का समर्पण करार दिया है। ओवैसी ने कहा कि चीन के सामने सरकार का समर्पण शर्मनाक है। ओवैसी ने कहा कि सीमा विवाद राष्ट्रीय सुरक्षा का मामला है। पीएम मोदी सैनिकों पर भरोसा नहीं कर सकते क्या? एआईएमआईएम नेता ने पूछा कि आखिर मोदी क्या छिपाना चाहते हैं। दरअसल ब्रिक्स की शिखर वार्ता हुई थी और अनऔपचारिक तौर पर शी जिनपिंग और नरेंद्र मोदी की मुलाकात हुई। शी चिनफिंग ने इस बात पर जोर दिया कि चीन और भारत के संबंधों में सुधार साझा हितों को पूरा करता है और यह क्षेत्र एवं दुनिया में शांति और स्थिरता लाने में सहायक होगा। भारतीय सूत्रों ने कहा कि द्विपक्षीय बैठक को लेकर चीनी पक्ष की ओर से एक अनुरोध लंबित है। उन्होंने बताया कि ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान दोनों नेताओं ने 'नेताओं के लाउंज' में अनौपचारिक बातचीत की थी। बताया जा रहा हैं कि पहली बार है कि पीएम मोदी ने सीधे शी के सामने सीमा मुद्दा उठाया है।

राहुल का मोदी सरकार पर हमला, चीन ने एक इंच नहीं बल्कि हजारों एकड़ जमीन पर कब्जा किया

-मन की बात नहीं दिल की बात सुनने आया हूं

लद्दाख(एजेंसी)। कांग्रेस नेता और पूर्व पार्टी अध्यक्ष राहुल गांधी लद्दाख दौरे पर हैं। शुक्रवार को राहुल गांधी ने फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बयान पर निशाना साधा। राहुल गांधी ने कहा, एक भी इंच जमीन पर किसी ने कब्जा किया है, यह कहना झूठ है कि चीन ने भारत की हजारों किलोमीटर जमीन पर कब्जा किया है। उन्होंने कहा, लद्दाख का हर व्यक्ति जानता है कि चीन ने भारत की जमीन ले ली है और प्रधानमंत्री बोलने को तैयार नहीं हैं।

राहुल गांधी ने कारगिल के लोगों की तारीफ कर कहा कि जब भी बॉर्डर पर जंग हुई तब आप लोग एक आवाज पर भारत के साथ खड़े हुए। ऐसा आपने एक बार नहीं बल्कि कई मौकों पर किया है। 30 जनवरी को जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में समाप्त हुई अपनी भारत जोड़ो यात्रा पर चर्चा करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि यात्रा का उद्देश्य नफरत को खत्म करना था। हम नफरत के बाजार में हम मोहब्बत की दुकान खोलने निकले हैं नारे के साथ प्यार फैलाकर इस खत्म करने की कोशिश की। और ये आपकी सोच है पिछले कुछ दिनों में मैंने इस देखा है। उन्होंने कहा कि यात्रा श्रीनगर में समाप्त नहीं होनी थी और यात्रा को लद्दाख आना था लेकिन उस समय सर्दी थी और भारी बर्फबारी हुई थी और यहां तक कि प्रशासन ने भी हमें यहां न आने की सलाह दी थी। इसके बाद हम सहमत हुए। उन्होंने कहा, लेकिन लद्दाख पहुंचना हमारा मकसद था, हमने एक कदम उठाया और मैं लद्दाख के सभी कोनों में गया, पदयात्रा पर नहीं बल्कि बाइक के जरिए। राहुल गांधी ने कहा, उन्होंने लद्दाख में कई लोगों से बात की और उनके दिल की बात समझने की कोशिश की

प्रधानमंत्री के मासिक रेडियो प्रसारण कार्यक्रम मन की बात को लेकर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा, एक और नेता हैं, जो अपने मन की बात के बारे में बात करते रहते हैं, लेकिन मैंने सोचा कि आपकी दिल की बात सुनूं। उन्होंने कहा, एक बात स्पष्ट है, महात्मा गांधीजी और कांग्रेस की विचारधारा लद्दाख के लोगों के खून और डीएनए में है। उन्होंने कहा कि वह लद्दाख क्षेत्र के सभी कोनों में गए और भारत के विभिन्न राज्यों में काम करने वाले कई लोगों से मिले और सभी ने कहा कि वे घर और परिवार से हजारों किलोमीटर दूर हैं, लेकिन उन्हें लगता है कि लद्दाख उनका दूसरा घर है। राहुल गांधी ने कहा, हम यहां जो भी कठिनाई महसूस करते हैं, लद्दाख के लोग हमारी मदद करते हैं और जब हम किसी भी मदद के लिए उनके पास जाते हैं, तब वे हमारी मदद करते हैं। यह आपके डीएनए में है। आप पूरे सम्मान के साथ रहते हैं, नफरत के साथ नहीं और कांग्रेस की विचारधारा आपके दिल में है।

लेह, लद्दाख क्षेत्र के मुद्दों पर चर्चा कर राहुल गांधी ने कहा, आप सभी ने मुझे बताया कि आपका प्रतिनिधित्व और आपकी आवाज़ और स्थानीय सरकार के नेताओं को दबाया जा रहा है।आप केंद्र शासित प्रदेश बन गए, लेकिन आपको अपना अधिकार नहीं मिल रहा है, यही आपने मुझसे कहा था। आप लोगों ने यह भी कहा कि आपसे किया गया रोजगार का वादा झूठा था और अगर हम लद्दाख में किसी भी युवा से बात करें तब वे कहते हैं कि लद्दाख बेरोजगारी का केंद्र है। आप लोगों ने क्षेत्र में कमजोर मोबाइल कनेक्टिविटी पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि लद्दाख के लोगों ने उन्हें स्थानीय हवाई अड्डे की उपस्थिति के बारे में भी बताया लेकिन यहां कोई हवाई जहाज नहीं आता है।

उन्होंने कहा कि लद्दाख में कई प्राकृतिक संसाधन हैं और 21वीं सदी में हम सौर ऊर्जा की बात करते हैं और लद्दाख में सौर ऊर्जा की कोई कमी नहीं है। कांग्रेस नेता ने कहा, भाजपा के लोग यह जानते हैं और वे समझते हैं कि यदि आपको प्रतिनिधित्व मिलेगा तब वे आपकी जमीन नहीं छीन पाएंगे। बीजेपी के लोग आपकी जमीन हड़पना चाहते हैं।

चांद के बाद अब मंगल पर यान उतारने की है हमारी योजना : एस.सोमनाथ

-इसरो प्रमुख ने दिया वैज्ञानिकों को श्रेय, बताया पीढ़ियों की मेहनत का नतीजा

बेंगलुरु (एजेंसी)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) प्रमुख एस.सोमनाथ ने चंद्रयान-3 की सफलता का श्रेय सभी वैज्ञानिकों को दिया है। उन्होंने मिशन पूरा होने पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि हमने इस उपलब्धि को हासिल करने के लिए बेहद कष्ट और पीड़ा सही। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले वर्षों में इसरो का यान इसी तरह मंगल ग्रह पर भी उतरेगा। इसरो प्रमुख सोमनाथ ने कहा कि चंद्रयान-3 की सफलता इसरो नेतृत्व और वैज्ञानिकों की पीढ़ियों की मेहनत का नतीजा है और यह सफलता 'बहुत बड़ी और 'प्रोत्साहित करने वाली है। उन्होंने कहा कि चंद्रमा की यात्रा कठिन है और प्रौद्योगिकी क्षमता हासिल करने के बावजूद आज किसी भी देश के लिए किसी खगोलीय पिंड पर यान को सफलतापूर्वक उतारना मुश्किल कार्य है। इसरो प्रमुख ने कहा कि भारत ने यह सफलता केवल दो मिशन में हासिल कर ली है। चंद्रमा पर यान उतारने की पहली कोशिश मिशन चंद्रयान-2, अंतिम समय में असफल रहा था जबकि चंद्रयान-3 मिशन पूरी तरह से सफल हुआ। चंद्रयान-1 का उद्देश्य केवल मानव रहित अंतरिक्ष यान को चंद्रमा की कक्षा में स्थापित करना था।

सोमनाथ ने कहा कि यह चंद्रयान-3 मिशन की सफलता हमारा न केवल चंद्र मिशन के लिए आत्मविश्वास बढ़ाएगी बल्कि यह मंगल तक जाएगी। एक समय मंगल ग्रह पर सॉफ्ट लैंडिंग होगी और हो सकता है कि भविष्य में शुक्र ग्रह और अन्य ग्रहों पर भी, यह कोशिश हो। उन्होंने कहा कि चंद्रयान-3 कठिन मिशन है और हम इसके लिए बहुत ही पीड़ा और कष्ट से गुजरे। इसरो प्रमुख ने बताया कि चंद्रयान-2 के लिए काम करने वाले अहम वैज्ञानिक चंद्रयान-3 की टीम का भी हिस्सा थे। उन्होंने कहा ज्यादातर लोग जो चंद्रयान-2 के साथ थे, वे हमारे साथ हैं और चंद्रयान-3 में हमारी मदद कर रहे हैं। वे इसका हिस्सा हैं, वे इतनी पीड़ा से गुजरे हैं। इसरो प्रमुख सोमनाथ बताया कि यह वैश्विक स्तर के उपकरणों के साथ पूरी तरह से 'मेक इन इंडिया मिशन था।

लालू प्रसाद यादव को सुप्रीम कोर्ट से राहत, अक्टूबर में सुनवाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने चारा घोटाला मामले में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता लालू प्रसाद यादव को दी गई जमानत को चुनौती देने वाली केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की अपील पर सुनवाई के लिए अक्टूबर की तारीख तय की है। फिलहाल चारा घोटाला मामले में लालू प्रसाद यादव की जमानत के खिलाफ याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई टल गई है। कोर्ट ने कहा है कि वह 17 अक्टूबर को सुनवाई करेगा। सीबीआई की अपील पर सुनवाई के दौरान लालू प्रसाद यादव का प्रतिनिधित्व कर रहे कपिल सिब्बल ने कहा कि लालू ने 42 महीने जेल में बिताए हैं और उनका किडनी ट्रांसप्लांट हुआ है। लालू प्रसाद यादव ने जमानत रद्द करने की सीबीआई की याचिका का विरोध किया और सीबीआई की याचिका खारिज करने का अनुरोध किया है।

इसके जवाब में लालू यादव ने कहा है कि सजा टालने के हाई कोर्ट के फैसले को चुनौती सिर्फ इस आधार पर नहीं दी जा सकती कि सीबीआई फैसले से असंतुष्ट है. उच्च न्यायालय के निर्णय में हस्तक्षेप करने की कोई आवश्यकता नहीं है, क्योंकि यह सामान्य सिद्धांतों और स्थापित मानदंडों पर आधारित है। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री ने अपने बिगड़ते स्वास्थ्य और बढ़ती उम्र का हवाला देते हुए कहा कि उन्हें हिरासत में रखने से सीबीआई का उद्देश्य पूरा नहीं होगा। दरअसल, केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने लालू प्रसाद यादव को दी गई जमानत को रद्द करने के लिए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। सीबीआई ने सुप्रीम कोर्ट से त्वरित सुनवाई का अनुरोध किया है। सीबीआई ने दुमका, धोरंडा, चाईबासा और देवघर मामले में जमानत आदेश को चुनौती दी है।

हिमाचल में बारिश से 370 लोगों की मौत, 40 लोग अभी लापता

8570 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश से काफी ज्यादा नुकसान हुआ है। हालात ये हैं कि सैंकड़ों की संख्या में लोग बेघर हो गए हैं। प्रदेश के कई जिलों में जनजीवन बेपटरी हो गया है। सूबे में 63 दिन के भीतर है 370 लोगों की मौत बारिश की वजह से हुई है। साथ ही 12 हजार करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। प्रदेश में मॉनसून सीजन के इतिहास में यह सबसे बड़ी त्रासदी है। राज्य आपदा प्रबंधन की रिपोर्ट के अनुसार, 24 अगस्त शाम छह बजे तक हिमाचल प्रदेश में कुल अब तक 367 लोगों की मौत हुई है। साथ ही 8570 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। हालांकि, सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू 12000 हजार करोड़ के नुकसान की बात कह रहे हैं। प्रदेश में सबसे अधिक पीडब्ल्यूडी विभाग को 2800 करोड़ रुपये अधिक का नुकसान हुआ है। साथ ही जल शक्ति विभाग की भी कमर टूट गई है और 2 हजार करोड़ की चपत लगी है।

अहम बात यह हैं कि अब भी प्रदेश भर में 40 लोग लापता हैं, जिनकी तलाश की जा रही है। रिपोर्ट में जानकारी दी गई है कि मॉनसून सीजन में कुल 2346 घर पूरी तरह से ध्वस्त हो गए हैं। इस तरह 10135 घरों को आंशिक तौर पर नुकसान पहुंचा है। लैंडस्लाइड और फ्लैश फ्लड में 303 दुकानें गिर गई हैं, जबकि 5048 गौशालाएं धराशाई हो गई हैं।

मानसून सीजन में सबसे अधिक मौतें 65 शिमला जिले में हुई हैं। फिर कुल्लू में 40 लोगों की जान गई है। मंडी में 29, कांगड़ा में 18, चंबा में 22, सोलन और सिरमौर में 17-17 लोगों की जान आपदा की वजह से गई है। मंडी में 300 साल पुराना शिव मंदिर भी लगभग पानी में डूब गया था।

हिमाचल प्रदेश में बारिश से सबसे पहले 8 से 11 जुलाई को आफत बरसी थी। यहां पर कुल्लू और मनाली में बादल फटने के बाद ब्यास नदीं में बाढ़ आ गई थी। ब्यास नदी ने कुल्लू से मंडी तक नेशनल हाईवे को पूरी तरह से क्षतिग्रस्त कर दिया था। जो कि अब तक खुल नहीं पाया है। डेढ़ महीने बाद भी कुल्लू मनाली में जीवन बेपटरी है। शिमला में हाल ही में 14-15 अगस्त को हुई बारिश से काफी ज्यादा जानमाल का नुकसान हुआ। 550 से अधिक पेड़ टूट गए हैं। शिमला शहर में कई इमारतें ध्वस्त हुई और कईयों में दरारें आ चुकी हैं।

मुख्यमंत्री सुक्खू का कहना है कि इस बरसात में बाढ़एवं भू-स्खलन के कारण प्रदेशभर में जान-माल की भारी क्षति हुई है। आपदा में अभी तक 350 से अधिक लोगों की दुःखद मृत्यु हुई है और राज्य को 12000 करोड़ रुपये से अधिक की क्षति का अनुमान है।

'सरकार सूर्य पर एक मिशन भेज सकती है', उद्धव गुट ने तंज कसते हुए कहा- प्याज का मुद्दा भी सुलझाना चाहिए

मुंबई (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर ताजा हमला करते हुए शिवसेना (यूबीटी) ने शुक्रवार को कहा कि सरकार सूर्य पर एक मिशन भेज सकती है, लेकिन उसे पहले देश में प्याज के मुद्दे पर ध्यान देना चाहिए। शिवसेना (यूबीटी) के मुखपत्र सामना के संपादकीय में पार्टी ने प्याज पर 40 प्रतिशत निर्यात शुल्क लगाने के केंद्र के फैसले पर कटाक्ष किया। किसानों का एक समूह प्याज पर 40 प्रतिशत आयात शुल्क लगाने के केंद्र के इरादे का विरोध कर रहा है। उन्होंने कहा, 'आप सूर्य पर एक मिशन भेजते हैं, लेकिन उससे पहले आपको यह सुनिश्चित करना चाहिए कि प्याज का मुद्दा सुलझ जाए, अन्यथा 2024 (लोकसभा चुनाव) के लिए आपका मिशन गड़बड़ा जाएगा और आपको इसका एहसास भी नहीं होगा।'

उद्धव गुट की आलोचना

चंद्रमा पर चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग के बाद भारत ने बुधवार को इतिहास रच दिया। इसके साथ ही भारत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर उतरने वाला पहला और चंद्रमा पर उतरने वाला चौथा देश बन गया। शिवसेना (उद्धव ठाकरे) ने प्याज पर 40 प्रतिशत निर्यात शुल्क लगाने के फैसले को लेकर केंद्र की आलोचना करते हुए कहा कि सरकार की नीति न तो किसानों और न ही उपभोक्ताओं के लिए फायदेमंद है। पार्टी की ओर से कहा गया कि केंद्र की मोदी सरकार किसानों की आय दोगुनी करने का आश्वासन देती है, लेकिन इस तरह से काम करती है कि उन्हें अपेक्षित आय भी नहीं मिलती है। केंद्र सरकार ने 19 अगस्त को खरीफ उत्पादन घटने की आशंका और खुदरा कीमतों में मजबूती के संकेतों के बीच स्थानीय उपलब्धता बढ़ाने के लिए प्याज के निर्यात पर 40 प्रतिशत शुल्क लगाने की घोषणा की थी।

विरोध प्रदर्शन

इस फैसले के कारण महाराष्ट्र के विभिन्न हिस्सों, विशेषकर नासिक जिले में किसानों और व्यापारियों ने विरोध प्रदर्शन किया। नासिक प्याज उत्पादन के लिए देश भर में मशहूर है। सामना के संपादकीय में कहा गया, सरकार की नीति न तो किसानों के लिए फायदेमंद है और न ही उपभोक्ताओं के लिए। जब भी किसानों के लिए थोड़ा अधिक पैसा कमाने का मौका आता है, सरकार या तो निर्यात शुल्क का सहारा लेती है या निर्यात पर प्रतिबंध लगा देती है। शिवसेना (उद्धव ठाकरे) ने कहा कि प्याज पर 40 प्रतिशत निर्यात शुल्क लगाने का यह फैसला अचानक घोषित किया गया और देश के बंदरगाहों पर हजारों टन प्याज फंसा हुआ है।

दो साल के बाद एक्स पर लौटे ट्रम्प, किया पोस्ट

सैन फांसिस्को । पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आखिरकार दो साल से अधिक समय के बाद एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर वापसी की। जनवरी 2021 में यूएस कैपिटल दंगों के बाद विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर उन पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। ट्रम्प ने गुरुवार देर रात अपने मगशॉट के साथ एक्स पर अपना पहला ट्वीट पोस्ट किया, इसमें कहा गया कि चुनाव में हस्तक्षेप, कभी आत्मसमर्पण नहीं। मस्क ने भी एक पोस्ट के साथ ट्रम्प पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि अगला स्तर। कई अनुयायियों ने एक्स पर पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति का स्वागत किया, जिसका स्वामित्व अब एलन मस्क के पास है। ट्विटर, फेसबुक और अन्य प्लेटफॉर्म पर प्रतिबंध झेलने के बाद ट्रंप ने ट्रुथ सोशल नाम से अपना खुद का सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म शुरू किया था। 18 नवंबर, 2022 को मस्क ने एक पोल चलाकर ट्विटर उपयोगकर्ताओं से पूछा कि क्या उन्हें ट्रम्प को बहाल करना चाहिए। लगभग 1.5 करोड़ प्रतिक्रियाएं आईं, इनमें 51.8 प्रतिशत ने हां और 48.2 प्रतिशत ने ना कहा। 8 जनवरी, 2021 को ट्विटर ने राष्ट्रपति ट्रम्प पर स्थायी रूप से प्रतिबंध लगा दिया, जब ट्रम्प समर्थक भीड़ ने यूएस कैपिटल पर हमला किया, जिसमें पांच लोग मारे गए।

पुलिस ने करोड़ों का फॉड करने वाले आरोपी को धरदबोचा

न्यूयॉर्क । पुलिस ने करोड़ों डॉलर का फॉड करने वाले एक शख्स को धर दबोचा है। बताया जाता है कि वह बीते करीब एक साल से फरार चल रहा था। वो पहले एक किसान के तौर पर काम करता था। उसकी जिस गलती ने उसे पकड़वाया, वो है उसका डेटिंग एप पर अकाउंट बनाना। मामला इंग्लैंड के सफोल्क का है, उसने मैच डॉट कॉम नाम की साइट पर अपनी प्रोफाइल बनाई थी। जब पुलिस को इस बारे में पता चला तो वो भी हैरान रह गई। न्यूयॉर्क पोस्ट ने अपनी रिपोर्ट में जेम्स प्रेस के हवाले से लिखा है, 35 साल के इस अपराधी को बीते साल अक्टूबर महीने में लोगों से 970,000 डॉलर लूटने के मामले में दोषी ठहराया गया था। ये पैसा सप्लायर्स का था। उसे फरवरी में सजा सुनाई जानी थी लेकिन वो कोर्ट में मौजूद नहीं था। पुलिस तभी से उसकी तलाश कर रही थी लेकिन वो कहीं नहीं मिल रहा था। मगर जब उसने अपने लिए भागीदार ढूंढने के लिए डेटिंग एप पर प्रोफाइल बनाई, तो उसे पकड़ना आसान हो गया। सफोल्क काउंटी काउंसिल के प्रवक्ता का कहना है कि ऐसा माना जाता है कि फरार होने के बाद वायने पार्कर नाम का अपराधी डेटिंग वेबसाइट का इस्तेमाल कर रहा था। सफोल्क ट्रेडिंग स्टैंडर्स के एक अधिकारी का कहना है कि वो गाड़ियां किराए पर ले रहा था, ताकि पुलिस से बचकर भागता रहे। वो कहता था कि वापस सफोल्क लौट आएगा और अपने किए की सजा भुगतेगा लेकिन कभी लौटता ही नहीं था। वो जानता था कि उसे पुलिस कभी न कभी गिरफ्तार कर ही लेगी।

वैज्ञानिकों ने खोजी एक नई प्रजाति...एलियन जैसी

वॉशिंगटन। समुद्र में अक्सर रहस्यमयी चीजों की खोज होती रहती है, हाल ही में वैज्ञानिकों ने एक नई प्रजाति के अस्तित्व की पुष्टि की है। इस एलियन जैसा बताया जा रहा है, जिसकी 20 भुजाएं हैं। वैज्ञानिकों ने इसका नाम अंटार्कटिक स्ट्रॉबेरी फेदर स्टार नाम बताया है। लेकिन यह बिल्कुल भी स्ट्रॉबेरी जैसा नहीं दिखता है। यह समुद्र के तल में रहता है, अपने पंजे के बल पर वह वहीं टिका रहता है। जीव का वैज्ञानिक नाम प्रोमाचोक्रिनस फ्रैगेरियस है इस नई प्रजाति की खोज अंटार्कटिक महासागर में खोजी अभियान के दौरान हुई थी, जहां वैज्ञानिक एक खोजी यात्रा पर गए थे। शोधकर्ता समुद्र से अपना जाल निकाल रहे थे तभी उनकी नजर इस असाधारण जीव पर पड़ी। जर्नल के अनुसार, वर्ष 2008 से 2017 के दौरान, वैज्ञानिक टीम ने एक इन्वेस्टीगेशन सीरीज आयोजित की, जिसमें उनका ध्यान 'अंटार्कटिक पंख वाले सितारे' जीव पर गया। जलीय प्रजातियां समुद्र की सतह के नीचे लगभग 65 फीट से 65,000 फीट तक की गहराई में पाई जाती हैं। वहीं, अंटार्कटिक स्ट्रॉबेरी पंख वाले तारे अक्सर लगभग 215 फीट से लेकर लगभग 3,840 फीट तक की गहराई में पाए जाते हैं। हालांकि, ये नई पायी गई प्रजातियां समुद्री सितारों की तरह अकशेरुकी हैं, लेकिन दोनों के बीच कई असमानताएं हैं।

पति की मौत के लिए जिम्मेदार टेस्ला की कार

-मस्क के खिलाफ महिला ने किया मुकदमा

न्यूयॉर्क । अमेरिका में एक महिला ने पति की मौत मामले में टेस्ला पर मुकदमा दायर किया है। महिला के पति की मौत मॉडल 3 वाहन से हुई दुर्घटना के कारण हुई थी। न्यूयॉर्क में 12 मार्च 2022 को खराबी आने के कारण 46 वर्षीय जियोंग वू हान की टेस्ला कार पेड़ से टकराई और वाहन में आग लग गई। इस दुर्घटना में हान की मौत हो गई। अब, यून ने कार को अनुचित रूप से खतरनाक डिजाइन, निर्माण, वितरण और बिक्री में भूमिका और हैन की मौत का कारण बनने के लिए अमेरिकी जिला न्यायालय में टेस्ला पर मुकदमा दायर किया है। हैन न्यूयॉर्क के रॉकलैंड काउंटी में पैलिसेड्स इंटरस्टेट पार्कवे पर टेस्ला चला रहा था। मुकदमा कानून द्वारा वसूली योग्य सभी क्षति के लिए टेस्ला के खिलाफ फैसले की मांग कर रहा है। जिसमें आर्थिक क्षति, कमाई की क्षमता, मानसिक पीड़ा, दर्द, दंडात्मक क्षति, लागत और ब्याज शामिल हैं। मुकदमा तब आया जब इलेक्ट्रिक कार निर्माता के इंजीनियरों ने कथित तौर पर स्वीकार किया कि टेस्ला ने 2016 में अमेरिका में दुर्घटना के बाद ऑटोपायलट सिस्टम को ठीक नहीं किया था, जिसमें एक ड्राइवर की मौत हो गई थी। टेस्ला अपने ऑटोपायलट और पूर्ण स्व-ड्राइविंग (एफएसडी) ड्राइवर असिस्टेंस फीचर्स के लिए गहन जांच के दायरे में है। अमेरिकी प्रतिभूति और विनिमय आयोग (एसईसी) भी मस्क द्वारा किए गए सेल्फ-ड्राइविंग दावों की जांच कर रहा है।

बच्चों ने स्कूल किया बंक तो माता-पिता को होगी जेल, इस अरब देश ने लागू कर दिया सख्त कानून

सऊदी अरब के शिक्षा मंत्रालय ने कहा कि जो छात्र बिना किसी बहाने या कारण के 20 दिनों तक स्कूल से अनुपस्थित रहते हैं, उनके माता-पिता को अधिकारियों द्वारा जेल में डाला जा सकता है। सऊदी अरब स्थित समाचार संगठन मेक्का न्यूजपेपर ने एक रिपोर्ट में कहा कि यदि कोई छात्र 20 दिनों तक स्कूल नहीं जाता है, तो यह स्कूल की जिम्मेदारी है कि वह छात्र के अभिभावक को लोक अभियोजन कार्यालय में भेजे, जो राज्य के बाल संरक्षण कानून के तहत आता है। लोक अभियोजन कार्यालय फिर जांच को अंतिम रूप देगा और फिर मामले को आपराधिक न्यायालय में भेज देगा। यदि यह साबित हो जाए कि छात्र की स्कूल में अनुपस्थिति अभिभावक की लापरवाही के कारण थी, तो न्यायाधीश को अभिभावक को उचित समय के लिए जेल की सजा जारी करने का अधिकार होगा। रिपोर्ट के अनुसार, यदि ऐसी स्थिति उत्पन्न होती है तो स्कूल के प्रिंसिपल को शिक्षा मंत्रालय को सूचित करना होगा जो जांच शुरू करेगा और छात्र को पारिवारिक देखभाल में स्थानांतरित करने का आदेश देगा। इसके बाद फैमिली केयर छात्र को अपने पास रखेगी और मामले की जांच करेगी। स्कूल अभिभावक की जांच के लिए उसे लोक अभियोजन कार्यालय में भी भेजेगा। इसके बाद आपराधिक न्यायालय मामले पर विचार करेगा। इसके बाद न्यायाधीश बच्चे की देखभाल में लापरवाही के कारण अभिभावक को उचित अवधि के लिए कारावास का फैसला सुनाएगा। प्रक्रिया के अनुसार, यदि कोई छात्र 3 दिन की छुट्टी लेता है, तो एक प्रारंभिक चेतावनी जारी की जाएगी और इसे छात्र संरक्षक को स्थानांतरित कर दिया जाएगा। छात्र द्वारा 5 दिन की छुट्टी लेने के बाद, दूसरी चेतावनी जारी की जाएगी और अभिभावक को सूचित किया जाएगा। 10 दिनों की अनुपस्थिति के बाद, तीसरी चेतावनी जारी की जाएगी और अभिभावक को बुलाया जाएगा और प्रतिज्ञा पर हस्ताक्षर करना होगा। 15 दिनों की अनुपस्थिति के बाद छात्र को शिक्षा विभाग के माध्यम से दूसरे स्कूल में स्थानांतरित कर दिया जाएगा।

टोक्यो में लोग परमाणु संयंत्र का पानी समुद्र में छोड़े जाने का विरोध करते हुए।

ब्रिक्स में पीएम मोदी ने चीनी राष्ट्रपति को एलएसी पर तनाव कम करने को कहा

जोहानिसबर्ग। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से इतर बातचीत के दौरान चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग को पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर तनाव कम करने की भारत की चिंताओं से अवगत कराया। विदेश सचिव विनय क्वात्रा ने इसकी जानकारी दी। क्वात्रा के मुताबिक प्रधानमंत्री ने रेखांकित किया कि सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति बनाए रखना और एलएसी का सम्मान भारत-चीन संबंधों को सामान्य बनाने के लिए आवश्यक है। विदेश सचिव ने कहा कि इस संबंध में, दोनों नेता अपने संबंधित अधिकारियों को सैनिकों की शीघ्र वापसी और तनाव कम करने के प्रयासों को तेज करने का निर्देश देने पर सहमत हुए। क्वात्रा ने कहा कि मोदी ने जोहानिसबर्ग में ब्रिक्स के शिखर सम्मेलन से इतर समूह के नेताओं के साथ बातचीत की। क्वात्रा ने कहा कि पीएम मोदी ने शिखर सम्मेलन से इतर शी से बातचीत की और संबंधों को सामान्य बनाने के लिए वास्तविक नियंत्रण रेखा का सम्मान करने की महत्ता के साथ ही भारत की चिंताओं से उन्हें अवगत कराया। राष्ट्रपति शी चिनफिंग से बातचीत में प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति एवं सामंजस्य बनाए रखना तथा एलएसी का सम्मान करना भारत-चीन संबंधों को सामान्य बनाने के लिए आवश्यक है। मई, 2020 में पूर्वी लद्दाख में सीमा पर गतिरोध शुरू होने के बाद भारत और चीन के बीच संबंध में तनाव पैदा हो गया। भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच पूर्वी लद्दाख में कुछ स्थानों पर गतिरोध बना हुआ है। विदेश सचिव ने इसका जवाब नहीं दिया कि क्या प्रधानमंत्री मोदी ने जी20 शिखर सम्मेलन के लिए शी चिनफिंग को आमंत्रित किया है।

पीएम मोदी ने भाई शेख मोहम्मद अल नहयान के लिया उठाया यह कदम

-खुश हुआ मुस्लिम देश

दुबई (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका में हुए ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में 6 नए देशों को संगठन में शामिल करने पर सहमति बनी है। भारत ने ब्रिक्स के विस्तार का पूरा नेतृत्व कर चीन की अपने समर्थक देशों को शामिल कराने की चाल को विफल कर दिया। भारत ने नए सदस्यों की संख्या और उनके मानदंड तय करने में अहम भूमिका निभाई। इसका नतीजा हुआ कि मिस्र, यूएई, अर्जेंटीना, ईरान, सऊदी अरब और इथोपिया को ब्रिक्स में स्थायी सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। भारत की अहम भूमिका पर संयुक्त अरब अमीरात या यूएई खुश हो गया है। यूएई सहित सभी देशों ने भारत के भूमिका जमकर तारीफ की है।

यही नहीं ब्रिक्स के विस्तार के ऐलान के ठीक पहले पीएम मोदी ने यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नहयान से बात कर उन्हें चंद्रयान-3 की सफलता पर शुभकामनाएं देने के लिए धन्यवाद दिया। पीएम मोदी ने अपने ट्वीट में यूएई के राष्ट्रपति को अपना भाई करार दिया। यही नहीं यूएई के भारत में राजदूत अब्दुलनासेर अलशाली ने कहा, यूएई और भारत के रिश्तों के लिए यह एक मौका है ताकि रणनीतिक सहयोग और आर्थिक भागीदारी को विस?तृत और मजबूत किया जा सके।

बताया जा रहा है कि विस्तार के दौरान जहां चीन ने सऊदी अरब और ईरान को लेकर ज्यादा जोर दिया था, वहीं भारत ने अरब देशों में इनके साथ-साथ यूएई को शामिल करने बल दिया था। यूएई और भारत के बीच रिश्ते बहुत मजबूत हो गए हैं। पीएम मोदी अब तक गई बार यूएई की यात्रा पर जा चुके हैं। यूएई में 3,860,000 भारतीय काम करते हैं। दोनों के बीच व?यापार आसमान छू रहा है।

भारत की भूमिका की एक और मुस्लिम देश मिस्र ने जमकर तारीफ की है। मिस्र के राजदूत ने कहा कि हम भारत और ब्रिक्स के सभी देशों के आत्मविश्वास की तारीफ करते हैं जिनके साथ हमारे बहुत अच्छे संबंध हैं। उन्होंने मिस्र को शामिल करके पष्ट संदेश दिया है। इससे पहले ब्रिक्स देशों के नेताओं ने अर्जेंटीना, मिस्र, इथियोपिया, ईरान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात को समूह के नए पूर्णकालिक सदस्यों के रूप में शामिल करने का फैसला किया, जिससे एक लंबी प्रक्रिया पर मुहर लग गई।

पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप ने फुल्टन काउंटी जेल में सरेंडर किया

-20 मिनट बाद रिहा हो गए

जॉर्जिया (एजेंसी)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चुनाव में धोखाधड़ी के मामले में अटलांटा की फुल्टन काउंटी जेल में सरेंडर किया है। ट्रंप के सरेंडर को देखकर जेल के बाहर सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। हालांकि सरेंडर करने के 20 मिनट बाद ही ट्रंप बाहर आ गए। उनका काफिला अटलांटा के हर्ट्सफील्ड-जैक्सन एयरपोर्ट की ओर बढ़ गया। जहां वह निजी जेट न्यू जर्सी गोल्फ क्लब के लिए रवाना हो गए।

ट्रंप के सरेंडर करने के बाद शेरिफ ऑफिस ने कहा कि ट्रंप को औपचारिक रूप से गिरफ्तार किया गया है। वहीं अधिकारियों ने कहा कि उन्हें फुल्टन काउंटी जेल में ट्रंप के मग शॉट लेने की उम्मीद है। ट्रंप की चौथी गिरफ्तारी के बाद फुल्टन काउंटी जेल ने एक मग शॉट जारी किया है। ट्रंप अमेरिका के पहले पूर्व राष्ट्रपति बन गए हैं, जिन्होंने अपना मगशॉट लिया है। ये तस्वीर ट्रंप के जॉर्जिया में सरेंडर करने के बाद जारी की गई थी। इसमें ट्रंप नीला ब्लेजर और लाल टाई पहने हुए कैमरे की ओर घूरते हुए देख रहे हैं। ट्रंप के जेल पहुंचते ही दर्जनों समर्थक ट्रंप के बैनर और अमेरिकी झंडे लहराते हुए उनकी एक झलक पाने के लिए खड़े हो गए। बाहर एकत्र हुए ट्रंप समर्थकों में जॉर्जिया के अमेरिकी प्रतिनिधि मार्जोरी टेलर ग्रीन भी थे, जो पूर्व राष्ट्रपति के सबसे भरोसेमंद सहयोगियों में से एक हैं। अटलांटा क्षेत्र में विमानन उद्योग से जुड़े 49 वर्षीय लाइल रेवर्थ गुरुवार सुबह से ही जेल के पास 10 घंटे से इंतजार कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मुझे उम्मीद है कि वह मुझे झंडे लहराते हुए, समर्थन दिखाते हुए देखे। ट्रंप ने जॉर्जिया (अटलांटा) के लिए रवाना होने से पहले अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अभियोजक फानी विलिस पर निशाना साधा। साथ ही दावा किया कि वह अटलांटा में अपराध की दर के लिए जिम्मेदार हैं। विलिस वहीं अधिकारी हैं जिन्होंने ट्रंप के खिलाफ चौथा केस दर्ज कराया था। बता दें कि 2020 के अमेरिकी चुनाव के परिणामों को पलटने के ट्रम्प के प्रयासों की जांच कर रहे विशेष वकील ने 45 पेज की चार्जशीट दायर की थी।

राष्ट्रपति पद के नामांकन की बहस में पहली बार झगड़ पडे दो भारतीय मूल के दावेदार

- दोनों 30 सेकंड से अधिक समय तक एक-दूसरे पर चिल्लाते रहे

वाशिंगटन (एजेंसी)। विदेश नीति के मुद्दों पर रिपब्लिकन पार्टी की पहली प्राथमिक बहस के दौरान दो भारतीय-अमेरिकी राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार निक्की हेली और विवेक रामास्वामी के बीच तलवारें खिंच गईं। यह इतनी तीखी नोकझोंक थी कि एक समय पर, दोनों 30 सेकंड से अधिक समय तक एक-दूसरे पर चिल्लाते रहे और चिल्लाते हुए अपनी उंगलियां लहराते रहे। अमेरिकी इतिहास में यह पहली बार है कि दो भारतीय मूल के उम्मीदवारों ने राष्ट्रपति पद की प्राथमिक बहस के दौरान मंच साझा किया और झगड़ पड़े। दक्षिण कैरोलिना की पूर्व गवर्नर निक्की हेली ने विदेशी मामलों में उनकी क्षमता की कमी और रूस के प्रति उनके रुख के लिए करोड़पति उद्यमी विवेक रामास्वामी की आलोचना की। बहस से पहले सोशल मीडिया पर उनकी बातचीत से विदेश नीति पर उनके मतभेद स्पष्ट हो गए। हेली ने मिल्वौकी, विस्कॉन्सिन में प्राथमिक बहस के दौरान रामास्वामी पर अमेरिका के दुश्मनों का पक्ष लेने और अपने सहयोगियों को छोड़ने का आरोप लगाया। यह आलोचना रामास्वामी के इस दावे के जवाब में थी कि रूस के साथ लड़ाई में यूक्रेन को बहुत कम समर्थन मिला था। संयुक्त राष्ट्र में पूर्व अमेरिकी राजदूत हेली ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का समर्थन करने के लिए दर्शकों के सामने रामास्वामी की तीखी आलोचना की। उन्होंने अपनी काल्पनिक सरकार के तहत अमेरिका की सुरक्षा के लिए भी चिंता व्यक्त की। जब निक्की हेली झूठा, झूठ बोल रही थीं तो विवेक रामास्वामी उन्हें टोकते और जवाब में कहते नजर आएं कि वो उनके खिलाफयह झूठ फैला रही। पूर्व राष्ट्रपति के आठ प्राथमिक प्रतिस्पर्धियों ने भाग न लेने का निर्णय लेने के बाद 2024 रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद की प्राथमिक बहस में दूसरे स्थान की स्थिति के लिए लड़ाई लड़ी। पिछले दो चुनावों में से प्रत्येक में भारतीय-अमेरिकी विरासत वाले व्यक्ति राष्ट्रपति पद के लिए दौड़े हैं। 2016 में बॉबी जिंदल पहले स्थान पर आए और उनके बाद 2022 में उपराष्ट्रपति कमला हैरिस आईं। लेकिन यह पहली बार है कि अमेरिकी राष्ट्रपति के इतिहास में दो भारतीय-अमेरिकी एक ही प्राथमिक बहस मंच पर दिखाई दिए हैं।

रिपब्लिकन पार्टी से राष्ट्रपति पद के दावेदार रामास्वामी ने खींचा सबका ध्यान

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका में 2024 में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव को लेकर नेताओं में वार-पलटवार तेज है। रिपब्लिकन पार्टी से राष्ट्रपति पद के नामांकन के लिए आठ दावेदारों ने पार्टी की पहली बहस में वोटरों का ध्यान अपनी तरफ खींचा, जबकि सबसे आगे चल रहे पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कार्यक्रम को नजरअंदाज किया।

अपनी पहली राजनीतिक बहस में 38 साल के विवेक रामास्वामी से की वाइल्ड कार्ड की उम्मीद की जा रही थी। उन्होंने जल्दी ही यह जान लिया है कि आग ही आग को अपनी तरफ आकर्षित करती है। बिना किसी राजनीतिक अनुभव वाले व्यवसायी रामास्वामी पिछले कुछ जनमत सर्वेक्षणों में उभर कर सामने आए हैं। उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वियों को पेशेवर राजनेता करार दिया और खरीदा और भुगतान किया कहा। इसका मंच पर मौजूद अन्य लोगों ने विरोध किया। विवेक रामास्वामी ने 44 साल के फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डेसेंटिस को सुपर पीएसी कठपुतली भी कहा। वहीं, 64 साल के माइक पेंस ने ट्रंप के राष्ट्रपति के रूप में अपने चार साल के रिकॉर्ड का बचाव कर रामास्वामी को छोटा करार दिया। पेंस ने कहा, हमें किसी नौसिखिए को लाने की जरूरत नहीं है, हमें बिना अनुभव वाले लोगों को लाने की जरूरत नहीं।

हालांकि, दर्शकों में माइक पेंस की तुलना में बाहरी उम्मीदवार रामास्वामी के समर्थक ज्यादा दिखाई दे रहे थे, जो दर्शाता है कि उनकी उम्मीदवारी को समर्थन जुटाने में कितनी कठिनाई हुई है। इसके अलावा न्यू जर्सी के पूर्व गवर्नर 60 साल के क्रिस क्रिस्टी ने किसी को नहीं रोका, लेकिन उन्होंने भी रामास्वामी को रोकने की की कोशिश की। क्रिस क्रिस्टी ने कहा, मैं पहले ही आज रात एक व्यक्ति को देख चुका हूं जो चैटजीपीटी जैसा लगता है। क्रिस्टी ने कहा, और इन बहसों में से एक में आखिरी व्यक्ति... जो मंच के बीच में खड़ा हुआ और उसने कहा, अजीब उपनाम वाला एक पतला आदमी यहां क्या कर रहा है, वह डेमोक्रेट के बराक ओबामा थे। मुझे डर है कि हम आज रात मंच पर उसी तरह के शौकिया प्रदर्शन से निपट रहे हैं। ट्रंप ने इस बहस से दूरी बनाई।

इमरान खान को नहीं राहत, मामले की सुनवाई 28 अगस्त को

इस्लामाबाद । पाकिस्तानी उच्च न्यायालय ने तोशखाना भ्रष्टाचार मामले में अपनी दोषसिद्धि को चुनौती देने वाली पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की अपील पर सुनवाई शुक्रवार को 28 अगस्त तक के लिए स्थगित कर दी है। इस्लामाबाद की एक ट्रायल कोर्ट ने पाकिस्तान चुनाव आयोग (ईसीपी) द्वारा दायर मामले में इमरान खान को दोषी ठहराकर तीन साल जेल की सजा सुनाई। फैसले का मतलब था कि उन्हें पांच साल के लिए आम चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य घोषित कर दिया गया। आईएचसी के मुख्य न्यायाधीश आमिर फारूक और न्यायमूर्ति तारिक महमूद जहांगीरी की खंडपीठ ने सुनवाई की अध्यक्षता की। सुनवाई के दौरान, ईसीपी के वकील, एडवोकेट अमजद परवेज से अपनी दलीलें समाप्त करने की उम्मीद थी। हालांकि, वह बेहद अस्वस्थ होने के कारण उपस्थित नहीं हो सके। उनके टीम के सदस्य ने इसकी जानकारी कोर्ट में दी, जिसके बाद आईएचसी ने सुनवाई 28 अगस्त तक के लिए स्थगित कर दी। आईएचसी 22 अगस्त से खान की अपील पर सुनवाई कर रही है।

कोरोना के नए वेरिएंट्स ने अमेरिका में बढ़ाई टेंशन, डब्ल्यूएचओ की निगरानी में तीन नए स्ट्रेन

जिनेवा (एजेंसी)। अमेरिका में इन दिनों कोरोना के नए वेरिएंट्स ने चिंता में डाल दिया है। यहां पर लगातार नए मामले बढ़ते जा रहे हैं। हालांकि डब्ल्यूएचओ ने तीन नए स्ट्रेन को अपनी निगरानी में लिया है। बता दें कि दुनियाभर में तबाही मचाने वाले कोरोना वायरस के मामले अभी भी सामने आ रहे हैं। बीते कुछ दिनों में इस वायरस के एक नहीं, बल्कि तीन नए स्ट्रेन सामने आ चुके हैं। ऐसे में सभी के मन में एक ही सवाल उठ रहा है कि नए वेरिएंट के साथ क्या संयुक्त राज्य अमेरिका में कोविड-19 एक नई लहर के रूप में वापस आ रहा है? हाल ही में सामने आए कोरोना के तीन नए स्ट्रेन ईजी.5, एफएल.1.5.1 और बीए.2.86 के मामले तेजी से फैल रहे हैं। ऐसे में कोरोना के बढ़ते मामलों के बीच लोग एक बार फिर उस वायरस के बारे में सावधान हो गए हैं, जिसने एक महामारी के रूप में दुनिया भर में हजारों लोगों की जान ली थी। कोरोना का ईजी.5 वेरिएंट, जिसे एरिस के नाम से भी जाना जा रहा है, वर्तमान में अमेरिका में इसके मामले सबसे ज्यादा सामने आ रहे हैं।

इसे बारे में 18 अगस्त को, सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रीवेंशन (सीडीसी) ने अनुमान लगाया कि 20.6 प्रतिशत नए संक्रमण के मामलों के लिए ईजी.5 जिम्मेदार था। वहीं, एफएल.1.5.1 वेरिएंट अमेरिका में सबसे प्रमुख स्ट्रेन के रूप में दूसरे स्थान पर है। सीडीसी के अनुसार, यह देश में 13.3 प्रतिशत नए संक्रमणों के लिए जिम्मेदार है। विशेष रूप से, ईजी.5 और एफएल.1.5.1 दोनों एक्सबीबी वेरिएंट के सबवेरिएंट हैं। एफ456एल नामक म्यूटेशन के कारण, ये अन्य वायरस वेरिएंट की तुलना में ज्यादा फैलते हैं।

वहीं बीए.2.86 वेरिएंट की बात करें तो वर्तमान में वह छोटे पैमाने पर नए संक्रमण का कारण बन रहा है। हालांकि, बड़ी संख्या में म्यूटेशन के कारण यह अत्यधिक जोखिम भरा वेरिएंट बन सकता है। ऐसे में ईजी.5 और बीए.2.86 के बीच अंतर जानने के लिए हमने नोएडा के मेट्रो हॉस्पिटल के इंटरनल मेडिसीन के वरिष्ठ सलाहकार डॉ. सैबल चक्रवर्ती से बात की। डॉक्टर ने बताया कि साल 2019 के बाद से कोविड-19 में कई म्यूटेशन हुए हैं। एरिस और बीए.2.86, दोनों एक्सबीबी के सबवेरिएंट हैं। ये दोनों वेरिएंट वर्तमान में डब्ल्यूएचओ की निगरानी में हैं और संयुक्त राज्य अमेरिका, ब्रिटेन, चीन और अन्य देशों में मामलों में बढ़ रहे कोरोना के मामलों के लिए जिम्मेदार हैं।

संपादकीय

कौशल्या का प्रश्न राम का जवाब

एक सुन्दर कथानक । भगवान राम जब वनवास पूर्ण कर वापिस अयोध्या लौटे तो माता कौशल्या ने अचानक राम से पूछा कि रावण कोमार दिया ? राम माता को प्रणाम ! कर बोले कि मॉ !जो महाज्ञानी, महाप्रतापी , प्रकांड विद्वान , महाबलशाली , महाशिवभक्त आदि थाउसको मैं कैसे मार सकता था। मैंने नहीं मारा उसे 'मैं' ने मारा। वह विद्वान अवश्य था पर विद्या का

मूल पाठ विनय का भूल गया था । इज्जत की सही से कीमत है ईमानदारी और परोपकारिता। जिसको कमाने के लिए विनय औरविवेक हो ।धन तो हाथ की माया हैं उसका काम इधर से उधर जाना हैं । उसका कोई सही ठिकाना नही होता हैं ।इसलिये अपनेअन्तरमन की आवाज़ सुनो । मन के बहकाये में कभी बहको नहीं ।मन की लगाम अपने हाथ में रखो । सतत चित्त ध्यान में लगा हो औरदृष्टि अपने ध्येय पर हो साथ मे अनेकांत का चश्मा पहने रखो जिसका पावर अनासक्ति का हो । मैं और मेरा को कर दो दफ़ा जीवन से। भाग्य से हमको गुरू मिले हैं । उनके इंगित पर चलो सेवा और समर्पण हो विनयवान बन कर । करोगे जो पुरुषार्थ तो देर कहाँ होगी ! योगी , महापुरुष और मुक्त बनने ? अभी देर हुयी नही कर लो आज से ही शुभारंभ । विनयशून्य ज्ञान -ज्ञान नहीं है । वो कोरा अभिमानकहलाता है ।चिंतन की कल-कल बहती धारा में जो कह रही ज्ञान का अंजन बनाये जीवन को संजीवन । तभी तो कहा है जो भूल जाताहै विनय उसमें 'मैं 'पनप जाता है और वो उसके प्राप्त मानव जीवन को क्षय कर देता है।

प्रदीप छाजेड़
(बोरावड़)

आज का राशीफल

मेष गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। व्यर्थ के कार्यों में धन खर्च करने के योग हैं। राजनैतिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे।

वृषभ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मिथुन आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। किसी अभिन्न मित्र या रिश्तेदार से मिलाप की संभावना है।

कर्क बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। पारिवारिक जनों से पीड़ा मिलने के योग हैं। व्यावसायिक क्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। प्रणय संबंध मधुर होंगे।

सिंह व्यावसायिक योजना सफल होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। मकान सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

कन्या रोजी रोजगार की दिशा में सफलता के योग हैं। सृजनात्मक कार्यों में हिस्सा लेना पड़ सकता है। खान-पान में संयम रखें। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। दूसरों से सहयोग लेने में सफल रहेंगे।ड्ड

तुला शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। अपनों का सहयोग मिलेगा। वाणी की सौम्यता आपको धन लाभ करायेगी। व्यर्थ की भागदौड़ होगी।

वृश्चिक व्यावसायिक योजना सफल होगी। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। आर्थिक उन्नति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा।

मकर बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा।

कुम्भ दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। खान-पान संयम रखें। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। विरोधियों का पराभव होगा।

मीन जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। संतान के कारण चिंतित रहेंगे। आपके पराक्रम में वृद्धि होगी। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा।

अनंत संभावनाओं के द्वार खोलेगा चंद्रयान

डॉ. संजय वर्मा

चांदी-सी चमक बिखेरने वाले चंद्रमा को छूने की हसरत हम इंसानों में सदियों से रही है। विज्ञान और अंतरिक्ष संबंधी जानकारियों ने इन आकांक्षाओं को तब नए पंख दिए, जब पता चला कि स्पेस की चारदीवारी पार कर चंद्रमा को छुआ जा सकता है। उस तक यान पहुंचाए जा सकते हैं, उसकी जमीन पर इंसानों को उतारा जा सकता है। पर ये दोनों लक्ष्य आज से करीब साढ़े पांच दशक पहले ही हासिल किए जा चुके थे। अमेरिकी स्पेस एजेंसी- नासा के अंतरिक्ष यात्रियों ने 20 जुलाई, 1969 से चंद्रमा पर उतरने का जो सिलसिला शुरू किया था, वह सफल छह अपोलो अभियानों में कुल 12 यात्रियों को चंद्रमा पर उतारने के साथ खत्म हो गया था। तब दुनिया में चंद्रमा के बारे में कुछ और जानने या उस पर वैज्ञानिकों या यात्रियों को दोबारा उतारने जैसी कोई हसरत नहीं बची थी। लेकिन इक्कीसवीं सदी लगते ही दुनिया में चंद्र-होड़ का नया सिलसिला शुरू हो गया। इसका एक श्रेय भारत को दिया जा सकता है। पहली बार ऐसा तब हुआ, जब अक्तूबर 2008 को प्रक्षेपित उसके चंद्रयान-1 ने चंद्रमा की कक्षा में पहुंचने के बाद ऐसे कई प्रेक्षण दिए जिनसे दुनिया में चांद को फिर पाने-छूने की ललक जग गई। दूसरी बार अब, जबकि भारतीय स्पेस एजेंसी- इसरो का नया मून मिशन चंद्रयान-3 चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सफलतापूर्वक उतरा। यह बेशक एक बड़ी उपलब्धि है, लेकिन इसके साथ ही अब यह सवाल फिर उठ रहा है कि क्या वाकई हम चांद से कुछ नया हासिल करने जा रहे हैं। हाल के वर्षों में भारत ही नहीं, पड़ोसी चीन, जापान, इस्राइल समेत कई देश चंद्रमा के लिए या तो अपने मिशन भेज चुके हैं या ऐसा करने की तैयारी में हैं। सबसे उल्लेखनीय तो अमेरिकी स्पेस एजेंसी- नासा की योजनाएं हैं। नासा एक बार फिर इंसानों को चांद पर उतारने का अपना अभियान शुरू कर चुकी है। वर्ष 2024 या 2025 में उसके तीन यात्री चंद्रमा की सतह पर उतर सकते हैं। इधर, अमेरिका के चिर प्रतिद्वंद्वी रहे रूस ने भी अपना यान लूना-25 चंद्रमा के उसी दक्षिणी ध्रुव वाले इलाके में उतारने की कोशिश की, जहां चंद्रयान-3 ने कदम रखे हैं। 1976 के 47 साल बाद रूस ने चंद्रमा पर अपना स्पेसक्राफ्ट उतारने की यह नई कोशिश की थी। इसके सहारे वह साबित करना चाहता था कि यूक्रेन से सतत जारी जंग के बावजूद वह कहीं से भी कमजोर नहीं हुआ है। लेकिन इसे रूस की बदकिस्मती कहेंगे कि वह अंतर्राष्ट्रीय बिरादरी को कोई सकारात्मक संदेश देने में विफल रहा। 20 अगस्त, 2023 को उसका यान चंद्रमा पर उतरने की कोशिश में नाकाम होकर क्रैश हो गया। हालांकि, भारत या कहें कि इसरो की बात है तो इसकी चंद्रमा संबंधी योजनाओं को भी एक झटका वर्ष 2019 में लग चुका है। सितंबर, 2019 में भेजे गए चंद्रयान-2 के लैंडर 'विक्रम' और रोवर 'प्रज्ञान' की चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सॉफ्ट लैंडिंग नहीं हो पाई थी। इस कारण वह मिशन नाकाम हो गया। लेकिन इससे भारत के हौसले पस्त नहीं हुए। जो मकसद चंद्रयान-2 के थे, उनसे आगे बढ़कर चंद्रयान-3 को बेहद सस्ते में तैयार कर लॉन्च किया गया। अब इसकी कामयाब लैंडिंग के बाद उम्मीद है कि यह मिशन चंद्रयान-2 के अधूरे कार्यों को पूरा करेगा। इससे चंद्रमा संबंधी उन अनुसंधानों व योजनाओं को गति मिलेगी, जिन्हें लेकर पृथ्वी का सबसे नजदीकी खगोलीय पिंड विश्व बिरादरी के आकर्षण का नया केंद्र बना हुआ है। पर बीते पांच दशकों में ऐसा क्या हुआ है जो चंद्रमा पर दुनिया का फोकस बढ़ गया है। असल में, दुनिया के वैज्ञानिकों की नजर अब चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर है। वैज्ञानिकों का मानना है कि चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर हमेशा अंधेरे में दिखने वाले इसके क्रेटर्स (गड्ढों) में पानी जमा हो सकता है। इस पानी का इस्तेमाल भविष्य में रॉकेट ईंधन के रूप में किया जा सकता है। माना जा रहा है कि चंद्रमा के इस हिस्से में मिलने वाला पानी सौरमंडल के विभिन्न हिस्सों में भेजे जाने वाले अभियानों के रॉकेटों के लिए ईंधन उपलब्ध कराने का जरिया बन सकता है। नासा का आकलन है कि चंद्रमा पर 60 करोड़ टन पानी जमी हुई बर्फ के रूप में मौजूद है। चंद्रमा पर मौजूद पानी को विघटित करके उससे मिलने वाली हाइड्रोजन का इस्तेमाल दूसरे ग्रहों को जाने वाले रॉकेटों के ईंधन के रूप में किया जा सकता है। पानी से बना रॉकेट फ्यूल तब ज्यादा काम आ सकता है, जब सुदूर अंतरिक्ष यात्राओं के लिए चंद्रमा को एक पड़ाव की तरह इस्तेमाल किया जाने लगेगा। पृथ्वी से प्रक्षेपित होने वाले रॉकेटों की अधिकतम ऊर्जा इस ग्रह के वायुमंडल और गुरुत्वाकर्षण से बाहर निकलने में ही खर्च हो जाती है। ऐसी स्थिति में चंद्रमा के रिफ्यूलिंग स्टेशन अंतरिक्ष यानों के रॉकेटों को सौरमंडल के ही दूसरे ग्रहों तक पहुंचाने लायक ईंधन दे सके तो करिश्मा अंतरिक्ष के अब तक के प्रेक्षणों को बदलने का चमत्कार कर सकता है। भारत के चंद्रयान समेत अन्य मिशनों से वैज्ञानिकों ने पता लगाया है कि चंद्रमा की सतह के अंदर पानी के विशाल भंडार हैं। खास तौर पर उसके दक्षिणी ध्रुव में, जहां नासा की योजना अपने नए मून मिशन के तीसरे चरण में आर्टेमिस-3 के यान को उतारने की है। इसके अलावा चंद्रमा के कई अन्य आकर्षण भी हैं। जैसे पृथ्वी के इस इकलौते प्राकृतिक उपग्रह पर कई ऐसे दुर्लभ खनिज (रेयर अर्थ) हैं, जिनका इस्तेमाल पृथ्वी पर काफी तेजी से बढ़ा है। चंद्रमा पर हीलियम का विशाल भंडार है। इसका दोहन पृथ्वी की ऊर्जा जरूरतों के मद्देनजर किया जा सकता है। जहां तक भारत की चंद्रमा संबंधी उपलब्धियों का सवाल है तो हमारे देश ने चंद्रयान मिशन की शुरुआत वर्ष 2008 में की थी। भारतीय अंतरिक्ष संगठन- इसरो ने 22 अक्तूबर, 2008 को जब अपना चंद्रयान-1 रवाना किया था, तो सिवाय इसके उस मिशन से कोई उम्मीद नहीं थी कि यह मिशन अंतरिक्ष में भारत के बढ़ते कदमों का सबूत देगा। लेकिन अपने अन्वेषण के आधार पर सितंबर, 2009 में जब चंद्रयान-1 ने चंद्रमा पर पानी होने के सबूत दिए तो दुनिया में हलचल मच गई। चंद्रयान-1 से चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचाए गए उपकरण मून इंपैक्ट प्रोब ने चांद की सतह पर पानी को चट्टान और धूलकणों में वाष्प यानी भाप के रूप में उपलब्ध पाया था। चंद्रमा की ये चट्टानें दस लाख वर्ष से भी ज्यादा पुरानी बताई जाती हैं। यही वजह है कि आज दुनिया के कई देश चांद को पा लेना चाहते हैं। यूं तो चंद्रमा को मंगल ग्रह और सुदूर ब्रह्मांड की खोज के अभियानों के एक पड़ाव के रूप में देखा जा रहा है, लेकिन इसके अलावा भी चांद कई उपयोगिताओं के संदर्भ में फायदेमंद माना जा रहा है। हालांकि ये अभियान बहुत महंगे हो सकते हैं, इसलिए चंद्रमा से बहुत कुछ खोज लेने की संभावनाएं तलाशी जा रही हैं ताकि मून मिशनों के औचित्य को सही ठहराया जा सके। गौरतलब है कि वर्ष 1969 से 1972 के बीच नासा द्वारा संचालित अपोलो अभियानों का कुल खर्च एक संस्था प्लैनेटरी सोसायटी के मुताबिक आज की तारीख में 280 अरब डॉलर ठहरता है। यह खर्च दुनिया के सभी राष्ट्रों की सम्मिलित सकल विकास दर (जीडीपी) का 78 फीसदी है। ऐसे में हर नया चंद्र अभियान खर्च को लेकर आलोचनाओं के केंद्र में रहा है। लेकिन इसरो ने अत्यधिक किफायती तरीकों से जिस प्रकार चंद्रयान-3 चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचाया है, उसके मद्देनजर कहा जा सकता है कि हमारा चंद्रयान चांदी से चमकते अंतरिक्षीय पिंड यानी चांद को उन संभावनाओं की जमीन में बदल सकता है जिनके बल पर भावी अंतरिक्ष अभियानों की ठोस रूपरेखा तैयार होगी। चंद्रमा- जो एक विश्व धरोहर है, तब सही मायने में मानवता का विकास का केंद्र बन सकेगा।

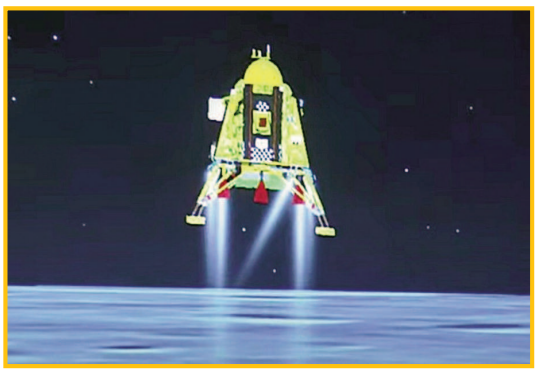

लेखक बेनेट यूनिवर्सिटी में एसोसिएट प्रोफेसर हैं।

हाल के वर्षों में भारत ही नहीं, पड़ोसी चीन, जापान, इस्राइल समेत कई देश चंद्रमा के लिए या तो अपने मिशन भेज चुके हैं या ऐसा करने की तैयारी में हैं। सबसे उल्लेखनीय तो अमेरिकी स्पेस एजेंसी- नासा की योजनाएं हैं। नासा एक बार फिर इंसानों को चांद पर उतारने का अपना अभियान शुरू कर चुकी है। वर्ष 2024 या 2025 में उसके तीन यात्री चंद्रमा की सतह पर उतर सकते हैं। इधर, अमेरिका के चिर प्रतिद्वंद्वी रहे रूस ने भी अपना यान लूना-25 चंद्रमा के उसी दक्षिणी ध्रुव वाले इलाके में उतारने की कोशिश की, जहां चंद्रयान-3 ने कदम रखे हैं। 1976 के 47 साल बाद रूस ने चंद्रमा पर अपना स्पेसक्राफ्ट उतारने की यह नई कोशिश की थी।

परमात्मा शिव ने ही रमा को प्रकाशमणि बनाया!

(लेखक- डॉ श्रीगोपाल नारसन)

(25 अगस्त स्मृति दिवस पर)

दादी प्रकाशमणी प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय आध्यात्मिक विश्वविद्यालय की मुख्य प्रशाशिका रही है।मम्मा यानि जगदम्बा सरस्वती के बाद साकार मे ब्रह्माकुमारीज संस्था की प्रमुख, दादी प्रकाशमणी रही। जिन्होंने सन 1969 से सन 2007 तक संस्था का कार्यभार संभाला। उन्ही के समय मे देश विदेश में संस्था की बहुत सी गीता पाठशाला और राजयोग सेवाकेंद्र खोले गए।

दादी प्रकाशमणि का लौकिक नाम रमा था। रमा का जन्म हैदराबाद, सिंध जो अब पाकिस्तान में है,में 01 सितंबर सन 1922 को हुआ था। उनके पिता विष्णु जी के महान उपासक थे। जबकि रमा का श्रीकृष्ण के प्रति प्रेम और भक्ति भाव रहता था। रमा 15 वर्ष की आयु मे ही ओम मंडली के संपर्क में आ गई थीं। ओम मंडली की स्थापना सन 1936 मे की गई थी। रमा के ओम मंडली मे आने से पहले ही घर बैठे श्रीकृष्ण का साक्षात्कार हो गया था, साक्षात्कार के दौरान उन्हें भगवान शिव का प्रकाशमान स्वरूप भी दिखा था।

रमा की दीवाली के दौरान छुट्टियां चल रही थीं।इस कारण उनके लॉकिक पिता ने रमा से अपने घर के पास सत्संग में जाने के लिए कहा।इस आध्यात्मिक सभा यानि सत्संग को दादा लेखराज जो बाद में ब्रह्मा बाबा कहलाये, के द्वारा किया गया जाता था, जो भगवान शिव पर आधारित था। उनकी संत्संग मंडली को ओम मंडली के नाम से जाना जाता था।दादी प्रकाशमणि ने सत्संग के पहले दिन ही शिव परमात्मा के निमित्त बने ब्रह्माबाबा से दृष्टि ली तो उन्हें एक अलग ही दिव्य अनुभव हुआ। दादी प्रकाशमणी ने एक विशाल शाही बगीचे में श्रीकृष्ण साक्षात्कार देखा था। दादा लेखराज यानि ब्रह्माबाबा को देखकर उन्हें वही दृष्टि मिली,जो श्रीकृष्ण के साक्षात्कार से मिली थी। उन्हें विश्वास हो गया कि ब्रह्माबाबा कोई साधारण मानव रूप में काम नहीं कर रहा है बल्कि यह केवल और केवल परमात्मा का ही कार्य हो सकता है।ब्रह्माबाबा ने ही रमा को प्रकाशमणी नाम दिया, जो उनके अलौकिक जन्म की शुरुआत थी। सन 1939 मे पूरा ईश्वरीय परिवार यानि ओम मंडली कराची (पाकिस्तान) मे आकर बस गई थी। इसके बाद मार्च सन 1950 मे ओम मंडली भारत के माउंट आबू मे आ गई, जो आज भी प्रजापिता ब्रह्मा कुमारीज का मुख्य केंद्र है। सन 1952 से मधुबन - माउंट आबू से उनके द्वारा अन्य भाई बहनों के साथ ईश्वरिया सेवा शरु की गयी। ब्रह्मा कुमारी बहने व ब्रह्माकुमार भाई जगह कगाह जाकर ईश्वरीय ज्ञान सुनाते थे और जनसाधारण को उक्त ज्ञान की धारणा करवाते थे । दादी प्रकाशमणि भी इस ईश्वरीय सेवा मे जुट गई थी। ज्यादा तर वे मुंबई मे रहती थी।

प्रजापिता ब्रह्मा बाबा के अव्यक्त होने बाद से दादी प्रकाशमणी मधुबन यानि माउंट आबू में संस्था की जिम्मेदारी संभालने लगी थी। दादी प्रकाशमणि के कुशल नेतृत्व में ब्रह्माकुमारीज संस्था निरंतर वृद्धि करती रही और उनके अथक प्रयासों से कई देशों में राजयोग सेवा-केंद्र खोले गए।

दादी प्रकाशमणि का स्वभाव बहुत मधुर, सहनशील और सहयोगी था। दादी प्रकाशमणि अपना अधिकांश समय ईश्वरीय सेवाओं में व्यतीत करती थी।वे आध्यात्मिक संगोष्ठियों में भाग लेने, व्याख्यान देने, राजयोग सेवा केंद्र खोलने और यहां तक कि मधुबन में आने वालो के लिए भोजन तैयार करने में मदद करने की सेवा करती रहती थी। वे सभी को एक माँ, एक बहन, एक मार्गदर्शक और एक मित्र के रूप में सबसे से अच्छा व्यवहार करती थी। दादी प्रकाशमणि की खासियत थी कि ब्राह्मण परिवार यानि ब्रह्माकुमारीज को अपना परिवार मानकर संस्था के सभी भाई बहनों की पालना करती थी। वे कहती थी, कोई भी अजनबी नहीं है, हम सभी एक पिता के बच्चे हैं। दादी प्रकाशमणि के शब्दों में,सारा विश्व हम सभी आत्माएँ एक बाप के बच्चे है। कोई भी पराया नहीं है। जैसे एक परिवार में होता है, इस संगठन का आधार प्रेम है, और यह परिवार फलता-फूलता है क्योंकि यह प्रेम और सम्मान के साथ पोषित है। केवल एक शक्तिशाली आत्मा ही प्रेम दे सकती है। केवल एक शक्तिशाली आत्मा विनम्र होने का बल रखती है। अगर हम कमजोर हैं, तो हम स्वार्थी हो जाते हैं। अगर हम खाली हैं, हम लेते हैं; लेकिन अगर हम भरे हुए हैं, तो हम स्वचालित रूप से सभी को देते हैं। यही हम शिव बाबा के बच्चे ब्राह्मणों की प्रकृति है। अगर आप मानते हो की आप सभी के हैं, और एक ट्रस्टी के रूप में हर किसी की देखभाल करते हैं, तो आप श्रेष्ठ ईश्वरीय कार्यों को करने में सक्षम हैं। लगाव होने के बजाय निस्वार्थ प्रेम होना चाहिए। स्वपरिवर्तन से विश्व परिवर्तन की संकल्पता के साथ संस्था की आध्यात्मिक क्रांति के अभियान से जुड़ते हुए स्वयं को ईश्वरीय कार्य हेतु समर्पित करने वाली दादी प्रकाशमणि को देश-विदेश में ईश्वरीय संदेश देने का सुअवसर प्राप्त हुआ। सही मायनो में इस धरा पर देवदूत के रूप में उभरीं दादी प्रकाशमणि ने सन 1969 में ब्रह्मा बाबा के अव्यक्त होने पर संस्था की प्रशासिका के रूप में कार्यभार संभाला था।अपनी नैसर्गिक प्रतिभा, दिव्य दृष्टि, सहज वृत्ति और मन-मस्तिष्क के विशेष गुणों के बलबूते पर दादी ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस संस्था की न केवल पहचान स्थापित कीबल्कि इसके अद्भूत विकास का करिश्मा भी कर दिखाया।

दादीजी सदैव स्वयं को ट्रस्टी और निमित्त समझकर चलती थीं।उन्हें शांतिदूत पुरस्कार तथा मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय द्वारा डॉक्टरेट की मानद उपाधि प्रदान की गई। दादी प्रकाशमणि जीवन मूल्यों के साथ-साथ स्वस्थ एवं स्वच्छ प्रकृति की भी पक्षधर थीं।

(लेखक ब्रह्माकुमारीज मिडियाविंग के आजीवन सदस्य व वरिष्ठ पत्रकार है)

विचार मंथन

बदलते परिवेश में एकल परिवार बुजुर्गों को घर की दहलीज से दूर कर रहें

(लेखक-विजय गर्ग)

घर के बुजुर्गों को परिवार की नींव कहा जाता है, बुजुर्गों के अनुभव को ध्यान में रखते हुए उनसे सलाह लेनी चाहिए। उनका स्नेह और प्यार अनमोल है। हमारे देश में बुजुर्ग तेजी से बढ़ते जा रहे हैं, लेकिन उनके लिए उपलब्ध संसाधन कम होते जा रहें हैं। ऐसे में हम सबकी जिम्मेवारी बनती है कि उन्हें एक तरफ रखने के बजाय उनकी शारीरिक और मानसिक देखभाल करने के लिए समुदायों के जीवन में एकीकृत किया जाना चाहिए, जहां वे सामाजिक परिस्थितियों को सुधारने में पर्याप्त योगदान दे सकते हैं। बुजुर्गों की 'समस्या' को 'समाधान' में बदलने का प्रयास करना बेहद जरूरी है। देश में बुजुर्ग जनसंख्या और स्वास्थ्य चुनौतियां उभर कर सामने आई है, भारत में उम्रदराज हो रही आबादी के स्वास्थ्य, आर्थिक तथा सामाजिक निर्धारकों और परिणामों की वैज्ञानिक जांच का देश में सबसे बड़ा व्यापक राष्ट्रीय सर्वे किया गया हैं। यह भारत का पहला तथा विश्व का अब तक का सबसे बड़ा सर्वे है जो सामाजिक, स्वास्थ्य तथा आर्थिक खुशहाली के पैमानों पर वृद्ध आबादी के लिए नीतियां और कार्यक्रम बनाने के उद्देश्य से लान्जिटूडनल डाटाबेस प्रदान करता है। इसमें देश तथा राज्यों का प्रतिनिधि सैम्पल सामाजिक आर्थिक परिदृश्य, व्यापक, प्रासंगिक फोकस, लान्जिटूडनल डिजाइन, डाटा संग्रह, गुणवत्ता नियंत्रण तथा भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस) के लिए कम्प्यूटर असिसटेड पर्सनल इंटरव्यूइंग (सीएपीआई) टेक्नॉलॉजी का उपयोग शामिल है। इससे विभिन्न राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों में तालमेल होगा। देश में जनसांख्यिकीय, सामाजिक-आर्थिक और अन्य प्रासंगिक क्षेत्रों में उभरते रुझानों को ध्यान में रखते हुए, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय वरिष्ठ नागरिकों के लिए एक राष्ट्रीय नीति बना रहा है, जिसमें वित्तीय और खाद्य सुरक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और पोषण जैसे मुद्दों को शामिल किया गया है, विकसित होते भारत में भविष्य में जनसंख्या स्वस्थ होगी और अधिक समय तक जीवित रहेगी। अनुसंधान इंगित करता है कि भारत की 12ब्न आबादी 2030 तक 60 वर्ष की आयु और संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या निधि के अनुसार होगी; यह 2050 तक बढ़कर 19।4ब्न होने की उम्मीद है। 60+ आयु वर्ग के पुरुषों की तुलना में अधिक महिलाएं होने जा रही हैं। लंबी उम्र बढ़ने से 80 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों की संख्या में वृद्धि हुई है, जो लगभग 1।1 करोड़ लोगों के लिए जिम्मेदार है। 100 वर्ष से अधिक आयु के लगभग 6 लाख लोगों के साथ, भारत में 2050 तक सबसे अधिक संख्या में लोग होंगे। 2011 में वरिष्ठ नागरिकों की संख्या 10।38 करोड़ से बढ़कर 2026 में 17।3 करोड़ और 2050 में 30 करोड़ हो गई। ऐसे में उनके कल्याण के लिए कार्यक्रमों की आवश्यकता बढ़ जाती है। जीवन प्रत्याशा में वृद्धि, परिवारों के नाभिकीयकरण, उनके दिन-प्रतिदिन के रखरखाव और उम्र से संबंधित कठिनाइयों के लिए दूसरों पर निर्भरता; बुजुर्ग लोगों के जीवन के लिए एक कठिन चुनौती है। अधिक आर्थिक निर्भरता के कारण बुजुर्ग महिलाओं के लिए समस्या बढ़ जाती है। ग्रामीण क्षेत्रों में, जहाँ 70ब्न बुजुर्ग रहते हैं, आर्थिक कारणों और चिकित्सा सेवाओं की खराब गुणवत्ता के कारण गंभीर स्थिति की ओर जाता है, विशेष रूप से 80 वर्ष से अधिक आयु वालों के लिए। 5।1 करोड़ बुजुर्ग आबादी गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन कर रही है और वरिष्ठ नागरिकों के खिलाफ बढ़ते अपराधों के कारण, बुजुर्ग लोगों की स्थिति दयनीय है। भारत के वरिष्ठ नागरिकों का प्रतिशत हाल के वर्षों में बढ़ती दर से बढ़ रहा है और इस प्रवृत्ति के जारी रहने की संभावना है। स्टेट ऑफ वर्ल्ड पॉपुलेशन 2019 की रिपोर्ट के अनुसार भारत की छह प्रतिशत आबादी 65 वर्ष और उससे अधिक की थी। जीवन प्रत्याशा में वृद्धि, हालांकि वांछनीय है, लेकिन इस से आधुनिक दुनिया के लिए नई चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। बढ़ती आबादी की समस्या आज कई देशों के लिए चिंता का विषय बन गई है। पेंशन और स्वास्थ्य सेवा के लिए प्रावधान बजट में कमी कर रहे हैं। 100 मिलियन से अधिक बुजुर्गों के घर और अगले तीन दशकों में संख्या में तीन गुना वृद्धि की उम्मीद के साथ भारत के लिए कई चुनौतियों का सामना करना होगा। बदलते परिवेश में एकल परिवार बुजुर्गों को घर की दहलीज से दूर कर रहें है। बच्चों को दादी- नानी कि कहानी की बजाय पबजी अच्छा लगने लगा है, बुजुर्ग अपने बच्चों से बातों को तरस गए है। वो घर के किसी कोने में अकेलेपन का शिकार हो रहें है। ऐसे में इनकी मानसिक-आर्थिक-सामाजिक समस्याएं बढ़ती जा रही है।महंगाई के आगे पेंशन कम होती जा रही है। आयुष्मान योजना में बुजुर्गों को शामिल कर उनके स्वास्थ्य देखभाल के साथ बुजर्गों के लिए अलग से योजनाएं लाने की सख्त जरूरत है।

सरसों में रोग अनेक उपाय एक

तोरिया और तारामीरा भारत की प्रमुख तिलहनी फसलें हैं। इसमें 25 बीमारियां लगती हैं। इन रोगों से बचाव कर सरसों का उत्पादन बढ़ाने का एकमात्र उपाय सरसों का फसल में समन्वित रोग प्रबंधन प्रणाली अपनाना ही है। सरसों के मुख्य रोग एवं उनका समन्वित प्रबंधन इस प्रकार है :-

सरसों

तोरिया और तारामीरा भारत की प्रमुख तिलहनी फसलें हैं। इसमें 25 बीमारियां लगती हैं। इन रोगों से बचाव कर सरसों का उत्पादन बढ़ाने का एकमात्र उपाय सरसों का फसल में समन्वित रोग प्रबंधन प्रणाली अपनाना ही है। सरसों के मुख्य रोग एवं उनका समन्वित प्रबंधन इस प्रकार है :-

सफेद रोली

यह रोग एल्बूगो कैन्डिडा कवक द्वारा उत्पन्न होता है। जड़ को छोड़कर पौधों के सभी भागों पर रोग के लक्षण दिखाई देते हैं। रोग का प्रभाव पौधे पर दो प्रकार से होता है :

1. स्थानीय 2. सर्वांगी

स्थानीय संक्रमण में पत्तियों और तनों पर फफोले बनते हैं। यह फफोले कुछ उभरे हुए, चमकीले सफेद, अनियमित गोलाकार होते हैं। अधिक पास-पास होने पर यह फफोले मिलकर बड़े धब्बों का रूपधारण कर लेते हैं। फफोले बड़े होने पर बाहरी त्वचा फट जाती है तथा अंदर से कवक के बीजाणुओं का समूह पाउडर के रूप में निकलता है। तरूण तनों तथा पुष्पक्रम पर इस रोग का सर्वांगी असर होता है। उत्तकों की अतिवृद्धि होने से पुष्प अंग फूल जाते हैं। इन सभी अतिवृद्धि अंगों में फफूंद के स्पोर भरे रहते हैं। फलियों के स्थान पर गुच्छे दिखते हैं।

आल्टरनेरिया पर्ण दाग और अंगमारी

यह रोग आल्टरनेरिया ब्रैसिकी और आल्टर ब्रैसिसिकोला कवक से होता है। सर्वप्रथम यह बीमारी बीज पत्रीय पर्णों पर छोटे-छोटे हल्के भूरे रंग के चकत्तों के रूप में दिखाई देते हैं जो कि बाद में काला रूप धारण कर लेते हैं। पत्तियों पर संक्रमण भूरे या गहरे भूरे रंग के दागों से आरंभ होता है और बढ़कर शीघ्र ही यह तनों और फलियों में फैल जाता है। आर्द्र मौसम में दाग मिलकर पत्तियों को झुलसा देते हैं। जिससे पत्तियां झड़ने लगती हैं। फलियों पर दाग आगे बीज का संक्रमण करते हैं। बीमारी वाले बीज छोटे आकार के व सिकुड़े हुए स्लेटी या भद्दा रंग धारण कर लेते हैं। जिन वर्षों में पौधे या तो पहले नष्ट हो जाते है या फलियां बनने या पकने के पहले पूर्ण रूप से खत्म हो जाती है।

छाछिया रोग (पाउडरी मिल्ड्यू):

यह रोग ऐरीसाइफी क्रुसीफेरेरम कवक द्वारा होता है। संक्रमित पौधों में प्रायः जमीन के सम्पूर्ण हिस्सों पर यह रोग देखा जा सकता है। प्रारंभ में यह रोग पौधों के तनों पत्तियों एवं फलियों पर श्वेत, गोल चूर्णित धब्बों के रूप में दिखाई पड़ता है। तापमान की वृद्धि के साथ-साथ में धब्बे आकार में बड़े हो जाते हैं और समस्त पौधों को ढ़क लेते है। ऐसे पौधों की बढ़वार बहुत कम होती है और फलियां भी कम लगती हैं। रोगग्रस्त फलियां आकार में छोटी हो जाती हैं और उनमें सिकुड़े हुए कुछ ही बीज बन पाते हैं।

तना गलन

यह रोग स्क्लेरोटिनिया स्क्लेरोटियोरम कवक से होता है। रोग के लक्षण के आधार पर इसे श्वेत-अंगमारी, तना विगलन, शाखा विगलन, शिखर विगलन तथा कैंकर कई नामों से जाना जाता है। तने के निचले भाग में मटमैले या भूरे रंग के फफोले दिखाई देते हैं। प्रायः यह फफोले रूई जैसे सफेद जाल से ढ़के रहते हैं। पत्तों पर इसके लक्षण कम दिखाई देते हैं। इसी कारण जब तक कि पूरा का पूरा पौधा अंदर से गल न जाए, रोगग्रस्त पौधे आसानी से पहचान में नहीं आता। ये फफोले तने व पत्तों को इस तरह ढ़क लेते हैं कि पौधा मुरझाकर लटक जाता है अंत में सूख जाता है। इस रोग के प्रभाव से पौधा बोना हो जाता है और समय से पहले ही पक जाता है। रोग के बीजाणु काले उड़द के दानों की तरह तने के भीतरी भाग में पनपते हैं जिससे कि बाहर से देखने पर उसका आभास ही नहीं हो पाता। कई बार ये बीजाणु तने की ऊपरी सतह पर भी दिखाई देते हैं।

औरोबंकी या आग्या

सरसों, तोरिया, राया फसलों पर औरोबंकी इलिप्टिका परजीवी का प्रकोप होता है। औरोबंकी से ग्रस्त पौधे सरसों के छोटे रह जाते है और कभी-कभी मर भी जाते हैं। औरोबंकी के चूषकांग (हॉस्टोरिया) सरसों की जड़ो में घुसकर पोषक तत्व प्राप्त करते हैं। सावधानी से उखाड़ कर देखें तो पता चलता है कि औरोबंकी की जड़े सरसों की जड़ों के अंदर घुसी हुई दिखती है। सरसों के पौधे के नीचे मिट्टी से निकलते हुए औरोबंकी परजीवी दिखाई पड़ते है।

सरसों में समन्वित रोग प्रबंध

- सरसों में सफेदरोरी, झुलसा तथा डाऊनी मिल्ड्यू रोग लगता है। उन क्षेत्रों में एपरॉन 35 एसडी का बीजोपचार करें।
- जिन क्षेत्रों में तना गलन का प्रकोप होता है वहां कार्बेण्डाजिम 2 ग्राम प्रति किलो से बीजोपचार करें या थायोफिनेट मिथाईल 2 ग्राम प्रति किलो से बीजोपचार करें।
- फसल की सिंचाई आवश्यकतानुसार करें तथा खेत में जल निकास की उचित व्यवस्था करें।
- बुवाई समय पर यानि अक्टूबर माह के अंत तक पूरी कर देनी चाहिये देरी से बुवाई में अधिक रोग लगते है।
- पौधों में फूल आने पर 0.1 प्रतिशत पर से कार्बेन्डाजिम अथवा थायोफिनेट मिथाइल को 20 दिन के अंतराल में दो बार (बुवाई के 50 एवं 70 दिन बाद) पत्तियों पर छिड़काव करने से सरसों में तना गलन को नियंत्रित किया जा सकता है।
- सरसों में सफेदरोरी, झुलसा एवं डाऊनी मिल्ड्यू का प्रकोप जहां होता है वहां इन रोगों के लक्षण दिखाई देते ही रिडोमिल एम जेड या मेन्कोजेब 0.2 प्रतिशत घोल का छिड़काव करें आवश्यकतानुसार पुनः 15 दिन बाद दोहरावें।
- जिन क्षेत्रों में छाछिया रोग का प्रकोप होता है वहां रोग नियंत्रण के लिए केराथेन 0.1 प्रतिशत या घुलनशील गंधक 0.2 प्रतिशत घोल का छिड़काव करें या गंधक चूर्ण 25 किलो प्रति हेक्टेयर का भुरकाव करें।
- जहां औरोबंकी का प्रकोप अधिक होता है वहां औरोबंकी परजीवी को हाथ से उखाड़कर या सावधानी से कसी से निराई-गुड़ाई द्वारा जमीन के ऊपर के तने को काटकर बीज बनने से पहले ही नष्ट कर देना चाहिये।
- औरोबंकी के पौधों पर दो बूंद सोयाबीन के तेल का डाल देने से भी पौधा मर जाता है। यदि रसायनों का प्रयोग करना है तो सावधानी से औरोबंकी पर ग्लाइफोसेट 0.4 प्रतिशत घोल का छिड़काव करें ध्यान रहे सरसों पर न गिरे।
- जहां सफेदरोरी का प्रकोप अधिक होता है वहां बेसिका अल्बा, ब्रेसीका केरीनेटा, ब्रेसीका नेपस का जातियां सफेदरोरी व अन्य रोगों से रोधी है उपयोग में लावें।
- तना गलन का प्रकोप होता है वहां धान व मक्का का फसल चक्र अपनावें, औरोबंकी ग्रसित क्षेत्रों में अरंडी का फसल चक्र अपनावें। उड़द एवं सरसों की क्रमवार बुवाई से भी तना गलन कम होता है।
- नए क्षेत्रों में औरोबंकी या अन्य रोगी खेत से बीज का प्रवेश नहीं होने देना चाहिये तथा परजीवी के बीज रहित सरसों के शुद्ध बीज का उपयोग करना चाहिये।

अरहर फसल को कीटों के प्रति अधिक सावधानियां रखनी होती है क्योंकि इस फसल में भी अन्य फसलों की तरह अंकुरण से लेकर पकने तक की अवस्था में विभिन्न प्रकार के कीटों का आक्रमण होता है परंतु फूल एवं फली वाली अवस्था में प्रकोप होने पर उत्पादन में कमी आ जाती है। इन अवस्थाओं में आर्थिक रूप से हानि पहुंचाने वाले प्रमुख कीटों को मुख्य रूप से दो भागों में विभाजित किया जा सकता है-

अरहर में एकीकृत कीटनाशी प्रबंधन

भेदक कीट

हरी रोंयेदार इल्ली या पिच्छकी शलभ (प्लूम मॉथ), चने की इली (हेलिकोवर्पा आर्मीजेरा), फली मक्खी (पॉड फ्लाई), चित्तीदार फली भेदक (स्पाटेड पॉड बोरर) आदि।

रसचूसक कीट

भूरा फली बग (क्लेवीग्रेला गिब्बोसा) आदि।

समन्वित कीट प्रबंधन की विभिन्न विधियों का विवरण इस प्रकार है-

- फसल अवशेषों को नष्ट तथा ग्रीष्मकालीन गहरी जुताई करना चाहिये।
- अरहर की जल्दी पकने वाली जातियों का चुनाव करें जैसे- प्रगति, जाग्रति, उपास 120, प्रभात आदि।
- जिन क्षेत्रों में चित्तीदार फली भेदक का प्रकोप अधिक होता है वहां पर मध्यम अवधि की किस्मों की खेती करें जैसे आशा, नं. 148 आदि। इन जातियों में कीट प्रकोप कम होता है।
- प्रारंभिक अवस्था में हरी रोयेंदार इल्ली (पिच्छकी शलभ) की हरे या भूरे रंग की इल्लियों तथा शंखियों को इकट्ठा कर नष्ट कर दें।
- चने का फली भेदक प्रकोपित क्षेत्रों में फेरोमेन प्रपंच का उपयोग करें तथा हर दिन सुबह इनमें इकट्ठी पंखियों को नष्ट कर दें। एक हेक्टेयर में 5 फेरोमेन प्रपंच लगाना चाहिए। इन प्रपंचों में प्रयुक्त सेप्टा को 15 दिन बाद बदल दें।
- प्रकाश प्रपंच का उपयोग करें तथा सुबह इनमें इकट्ठा प्रौढों को नष्ट कर दें।
- खेत के अन्दर 4 से 5 मीटर की दूरी पर टी आकार की बांस की खूंटियों को, जिसकी लगभग ऊंचाई फसल से 30 से.मी. अधिक हो, लगा दें।
- अरहर की फसल में हानिकारक कीटों के साथ-साथ विभिन्न प्रकार के परभक्षी मित्र जीव (मकड़ी, बड़ा पतंगा, मेन्टिड, काक्सीनेला, रिजूविड बग, क्रायसोपा आदि) परजीवी मित्र कीट (एपेन्टेलिस, ब्रेकान, ग्रायन, डायडिगमा, केम्पोलेटिस आदि) तथा रोगाणु पाये जाते हैं। अतः कीटनाशकों का प्रयोग बहुत सोच समझकर करें ताकि मित्र जीवों का संरक्षण एवं संवर्धन फसल के अंदर होता रहे।
- हानिकारक कीटों के सर्वेक्षण के अंतर्गत फसल पर फूलने एवं फली भरने की अवस्था पर हानिकारक कीट एवं उनके प्राकृतिक शत्रु (मित्र कीट) की संख्या के आकलन हेतु सामान्य नजरिया आकलन सप्ताह में दो बार करना चाहिये।
- अरहर में फूल आने की अवस्था में जब कीड़े आर्थिक हानि स्तर पर पहुंचने लगे या हानिकारक कीटों एवं लाभदायक जीवों का अनुपात 1: 05 होने पर सतर्क हो जायें तथा कम अनुपात होने पर कीटनाशकों का उपयोग करें। पहला छिड़काव 10 दिनों के अंतराल पर एन. पी. वी.(न्यूक्लियर पालीहाइड्रोसिस वायरस) का 250-500 एल.ई. या नीम तेल का 2.5 लीटर प्रति हेक्टेयर छिड़काव करें। यह नव विकसित इल्लियों के नियंत्रण के लिये काफी कारगर होता है।
- कीटों के अधिक प्रकोप होने की स्थिति में रसायनिक नियंत्रण के लिए प्रथम छिड़काव मेलाथियान 50 ई.सी. 35 ई.सी. एक लीटर प्रति हेक्टेयर के हिसाब से एवं उसके 15 दिन बाद दूसरा छिड़काव इसके बाद भी आवश्यकता पड़ने पर फिर से 15 दिन बाद तीसरा छिड़काव क्लोरोपायरीफॉस 20 ई.सी. एक लीटर प्रति हेक्टेयर के हिसाब से करें। हमेशा अदल-बदल कर कीटनाशकों का उपयोग करें।

उक्त समन्वित विधियों को अपनाकर किसान भाई अरहर के हानिकारक कीटों

का प्रभावशाली ढंग से प्रबंधन कर अपनी आर्थिक स्थिति सुधार सकते हैं। साथ ही कीटनाशकों से होने वाली प्रदूषण की समस्याओं को भी कम कर सकते हैं।

सावधानी से करें यूरिया का उपयोग

यूरिया का वर्गीकरण

यूरिया बहुउपयोगी उत्पाद है जिसको निम्न लिखित तीन वर्गों में विभाजित किया गया है.

कृषि ग्रेड यूरिया

कृषि फसलों एवं उद्यानिकी फलों, मसाला, सब्जियों आदि हेतु.

पशु आहार ग्रेड यूरिया

विभिन्न श्रेणी के पशुओं के दूध बढ़ाने फैट की मात्रा बढ़ाने तथा प्रोटीन के प्रमुख स्त्रोत हैं.

टेक्निकल ग्रेड यूरिया

औद्योगिक उत्पाद के लिए पेड़-पौधों को यूरिया की उपलब्धता तथा प्रतिकूल परिस्थितियों में नत्रजन की क्षति - यूरिया का उपयोग मुख्य रूप से दो प्रकार से फसलों की आयु, वृद्धि की स्थिति, खेत की मिट्टी, जल स्तर, मिट्टी की अम्लता एवं क्षारीयता आदि स्थितियों के आधार पर किया जाता है। ठोस गोलियों के रूप में यूरिया को खेत की तैयारी के समय अन्य कार्बनिक खाद, स्फुर, पोटाश, सूक्ष्म तत्वों के साथ डाला जाता है। परंतु यह ध्यान रखें कि यूरिया कम से कम 3 इंच गहराई तक डाला जावे जिससे वह जमीन के अंदर अन्य जैविक स्रोतों, उपस्थित एंजाइम आदि के संयोजन से पौधों को उपलब्ध हो सके। समुचित नमी के अभाव में अथवा आक्सीजन की कमी आदि के कारण यूरिया के नत्रजन की गैस रूप में क्षति होती है। यदि भूमि अम्लीय एवं क्षारीय हो तो यूरिया न डाला जाए क्योंकि यूरिया उर्वरक की विशेषता है कि वह न तो अम्लीयता और न क्षारीयता के रासायनिक क्रिया में न्यूट्रल रहता है। यूरिया की खास विशेषता है कि वह पौधों को नाइट्रेट के रूप में नत्रजन देती है परंतु रासायनिक क्रियाओं में न्यूट्रल रहती है। जल में शीघ्रता से घुल जाती है तथा मिट्टी इसे अपने में सोख लेती है। खड़ी फसल में यूरिया कई बार पौधों की वृद्धि के अनुसार छिड़क कर दिया जाता है परंतु ऊपरी सतह पर सिंचाई करना जरूरी है।

यूरिया घोल के रूप में छिड़कना

यूरिया को ठोस उर्वरक के रूप में उपयोग करने के साथ विपरीत परिस्थितियों में घोल के रूप में देना विशेष लाभप्रद है। क्योंकि उर्वरक की मात्रा कम लगती तथा उसका प्रभाव पत्तियों पर शीघ्र पड़ता है। घोल के रूप में यूरिया छिड़कते समय वायुमंडलीय आर्द्रता, पौधों की आयु, वानस्पतिक वृद्धि, पत्तियों का अच्छा विकास, पत्तियों में संचयित शकर की मात्रा के आधार पर घोल की सांद्रता निर्धारित करें। यूरिया को घोल के रूप में देते समय कीटनाशक दवाओं, फफूंदनाशक दवाओं, खरपतवारनाशक दवाओं के साथ मिलाकर छिड़कने से विशेष लाभ होता है परंतु ऐसे मिश्रण बनाते समय रसायनों का फैलाना आदि किसी कृषि जानकर वैज्ञानिक की सलाह से करना उचित होगा।

यूरिया घोल का छिड़काव किस प्रकार के स्प्रेयर से करें तथा घोल की सांद्रता कितनी रखी जावे

सामान्यतः ग्रामीण क्षेत्रों में नेपसेक स्प्रेयर (हॉइवाल्यूम) आसानी से उपलब्ध होते हैं। उसमें फाइन नोजल रखा जावे तथा 6% घोल 600-800 लीटर पानी में घोलकर छिड़कें। मुलायम, नवीन पत्तियों वाले पौधों पर पतला घोल तथा वयस्क एवं हाई पौधों की सांद्रता वैज्ञानिकों के द्वारा की गयी अनुशंसा के आधार पर करें।

निम्न परिस्थितियों में यूरिया घोल को छिड़काव करना चाहिए -

- जब खेत में आधार या टाप ड्रेसिंग तरीके से उर्वरक देना संभव न हो।
- खेत की तैयारी हेतु समय कम हो।
- क्षारीय एवं अम्लीय मिट्टियां तथा मरुभूमि में।
- फसल प्रतिस्पर्धा तथा भूमि स्थिति ठीक न हो।
- जब पौधे की गुणवत्ता तथा मरम्मत आदि निर्धारित हो।
- जब उर्वरक महंगा एवं अनुपलब्ध हो।
- असिंचित एवं बारानी भूमि।
- जब फसल कमजोर एवं क्षतिग्रस्त हो।

यूरिया का विकार बाइयुरेट

जब यूरिया की प्रिल (गोलियां अधिक (उच्च) तापमान एवं दाब पर बनाई जाती हैं तो समय अधिक लगने से यूरिया में एक अशुद्धि हो जाती है उसे 'बाइयुरेट' कहते हैं। जिन यूरिया में 1-2 प्रतिशत तक बाइयुरेट हो तो उसे आधार खाद या टाप ड्रेसिंग के लिए दिया जाये परंतु घोल के रूप में 0.300-0.4% के बाइयुरेट वाली यूरिया पशु आहार के रूप में उपयोग की जाती है। वह पशु आहार के लिए उपयुक्त है।

यूरिया घोल छिड़कते समय निम्न बातों पर ध्यान दें-

- यूरिया घोल की सांद्रता पौधों की आयु, वृद्धि के आधार पर निर्धारित करें।
- पत्तियों का अच्छा फोलरिज हो।
- हवा एवं वर्षा की स्थिति में छिड़काव न करें.
- दिन के गर्म अवधि में छिड़काव न करें.
- स्प्रेयर का नोजल महीन बूंदें दें।
- यूरिया घोल में कीटनाशक, फफूंदनाशक, खरपतवारनाशक दवाओं का उचित मिश्रण बनाकर ही छिड़काव करें।

मुक्त व्यापार समझौते पर वार्ता बहाल करने के लिए जीसीसी इच्छुक: गोयल

जयपुर । खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) ने संभावित व्यापार समझौते पर चर्चा के लिए बातचीत की मेज पर जल्दी वापस आने की इच्छा व्यक्त की है, उक्त बात वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कही है। पिछले साल दोनों क्षेत्र एफटीए को आगे बढ़ाने और वार्ता फिर से शुरू करने पर सहमत हुए थे। जीसीसी खाड़ी क्षेत्र के छह देशों- सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कतर, कुवैत, ओमान और बहरीन का एक संघ है। परिषद भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक गुट है। गोयल ने कहा कि हमारे पास जीसीसी देशों से बड़े निवेश आ रहे हैं। यूएई के साथ हमारा पहले से ही एक एफटीए है। सऊदी अरब के नेतृत्व वाले जीसीसी देशों ने उनके साथ संभावित समझौतों पर चर्चा करने के लिए जल्दी से बातचीत की मेज पर वापस आने की इच्छा व्यक्त की है। उन्होंने कहा` कि कई जीसीसी सदस्य देशों ने द्विपक्षीय समझौते के अनुरोध के साथ व्यक्तिगत रूप से भी भारत से संपर्क किया है। मंत्री यहां जी-20 की व्यापार और निवेश पर मंत्रिस्तरीय बैठक के लिए आए हैं। आर्थिक क्षेत्रों में, जीसीसी आयात का शीर्ष स्रोत है। सत्र 2022-23 में जीसीसी देशों से आयात 133 अरब डॉलर था, जो सालाना आधार पर 20.3 प्रतिशत अधिक था, जबकि निर्यात 16.7 प्रतिशत अधिक 51.3 अरब डॉलर था। जीसीसी सदस्य देशों को भारत का निर्यात 2021-22 में 58.26 प्रतिशत बढ़कर लगभग 44 अरब डॉलर हो गया, जो 2020-21 में 27.8 अरब डॉलर था। दोनों पक्षों ने 2006 और 2008 में व्यापार समझौते के लिए बातचीत की लेकिन उसके बाद अज्ञात कारणों से बातचीत रुक गई। खाड़ी देशों में भारतीय आबादी बड़ी संख्या में है। लगभग 3.2 करोड़ प्रवासी भारतीयों (एनआरआई) में से लगभग आधे खाड़ी देशों में काम करते हैं।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुक्रवार को रुपया आठ पैसे की गिरावट के साथ ही 82.65 पर बंद हुआ। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में शुरुआती कारोबार में रुपया 12 पैसे फिसलकर 82.68 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। अमेरिकी मुद्रा के मजबूत होने और वैश्विक बाजारों के कमजोर रुख का असर रुपए पर दिखा। विदेश मुद्रा के विशेषज्ञों ने बताया कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी का भी घरेलू मुद्रा पर असर पड़ा, जबकि विदेशी कोष के प्रवाह ने गिरावट को सीमित रखा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 82.60 पर खुला और फिर 82.69 प्रति डॉलर के भाव पर पहुंच गया। इसके बाद वह 82.68 पर कोरोबार कर रहा था। यह पिछले बंद स्तर की तुलना में 12 पैसे की गिरावट है। गुरुवार को रुपया 82.56 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखानेवाला डॉलर सूचकांक 0.22 फीसदी बढ़कर 104.21 पर आ गया।

देश की वृद्धि का सफर दुनिया के भविष्य को आकार देगा: चंद्रशेखरन

नई दिल्ली । बी20 इंडिया के प्रमुख एन चंद्रशेखरन ने कहा कि देश की वृद्धि का सफर दुनिया के भविष्य को आकार देगा। बी20 समिट इंडिया 2023 को संबोधित करते हुए चंद्रशेखरन ने कहा कि भारत की वृद्धि का सफर एक प्रतीक बनकर उभरा है और वैश्विक अर्थव्यवस्था में सकारात्मक रूप से अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहा है। ऐसे समय में जब वैश्विक अर्थव्यवस्था विपरीत परिस्थितियों, दशकों के सबसे कठिन दर चक्र और सार्वजनिक ऋण के रिकॉर्ड स्तर पर होने जैसी चुनौतियों का सामना कर रही हैं। चंद्रशेखरन टाटा संस के चेयरमैन भी हैं। उन्होंने कहा कि दुनिया वर्तमान में तीन महत्वपूर्ण मूलभूत परिवर्तनों से गुजर रही है। पहला डिजिटल व कृत्रिम बुद्धिमत्ता बदलाव, दूसरा ऊर्जा बदलाव और तीसरा वैश्विक मूल्य आपूर्ति श्रृंखला में बदलाव, भारत इन तीनों का नेतृत्व करने के लिए बेहद अच्छी स्थिति में है। चंद्रयान-3 की सफलता पर चंद्रशेखरन ने कहा कि चंद्रमा आकांक्षा के प्रतीक से बदलकर उपलब्धि का प्रतीक बन गया है। हर रात जब हम चांद देखते हैं तो यह इस बात को याद दिलाता है कि एक राष्ट्र के रूप में भारत ने क्या हासिल किया है और वह और क्या हासिल करने में सक्षम है। उन्होंने कहा कि चंद्रमा आज हम चंद्रमा को एक नई रोशनी के तौर पर देखते हैं। लाखों-करोड़ों भारतीयों और दुनिया भर के लोगों ने टेलीविजन पर या ऑनलाइन चंद्रमा की लैंडिंग देखी। उनके लिए चंद्रमा आकांक्षा के प्रतीक से अब उपलब्धि का प्रतीक बन गया है। चंद्रयान-3 का लैंडर 'विक्रम और रोवर 'प्रज्ञान से लैस लैंडर मॉड्यूल चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सॉफ्ट लैंडिंग करने में बुधवार को सफल रहा था।

गुरुग्राम की कई प्रौद्योगिकी कंपनियां लंदन में खुद को स्थापित करने को तैयार

नई दिल्ली । लंदन फॉर बिजनेस के डिप्टी मेयर के कार्यालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि गुरुग्राम की कई प्रौद्योगिकी कंपनियां लंदन में खुद को स्थापित करने को तैयार हैं। बी20 शिखर सम्मेलन के मौके पर लंदन एंड पार्टनर्स के कंट्री डायरेक्टर (भारत) एवं वरिष्ठ नेतृत्व टीम के सदस्य हेमिन भरूचा ने कहा कि उद्यम पूंजी वित्तपोषण की उपलब्धता से लेकर वैश्विक मांग आदि लंदन की ओर आकर्षित होने का प्रमुख कारण हैं। लंदन एंड पार्टनर्स ब्रिटेन की राजधानी की व्यापार व व्यवसाय वृद्धि एजेंसी है जो लंदन के मेयर के तत्वावधान में संचालित होती है। भरूचा ने स्वीकार किया कि स्टार्टअप के लिए कोष पहले की तरह अब आसानी से उपलब्ध नहीं है। हालांकि उन्होंने कहा कि उनकी कंपनी एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु व मध्यम उद्यमों) के साथ काम करती है क्योंकि बड़ी कंपनियों की या तो पहले से ही लंदन में मौजूदगी है, या वे एक बड़ी परामर्श कंपनी का खर्च उठा सकती हैं। भरूचा ने कहा ` कि हम देखते हैं कि गुरुग्राम वास्तव में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी), स्थिरता और प्रौद्योगिकी क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है। ये बहुत बड़े क्षेत्र हैं। हम एआर और वीआर में कुछ रचनात्मक कंपनियां भी देख रहे हैं। उन्होंने कहा कि निवेशकों द्वारा जांच अधिक गहन हो गई है, जिसकी बहुत जरूरत है क्योंकि बहुत सारे निवेशकों ने अपना पैसा खो दिया है। भरूचा ने कहा` कि हम हर कंपनी को लंदन आने के लिए नहीं कहते क्योंकि अगर वे तैयार नहीं हैं, तो वे वहां जाकर असफल हो जाएंगे। यह उनके और हमारे लिए भी एक समस्या है।

त्योहारों पर कंपनियों के उत्पादों की बिक्री 40 से 50 बढ़ने की उम्मीद

खास तौर पर प्रीमियम श्रेणी के लिए त्योहारी सीजन अच्छा रहेगा

नई दिल्ली । अगले सप्ताह ओणम और रक्षाबंधन आ रहे हैं, जिनके साथ त्योहारों का दौर शुरू हो जाएगा। इन त्योहारों पर कंपनियों को उम्मीद है कि इस साल उनके उत्पादों की बिक्री बढ़ेगी। कंज्यूमर ड्यूरेबल कंपनियों को इन त्योहारों पर अपने प्रीमियम उत्पादों की बिक्री 40 से 50 बढ़ने की उम्मीद है। अप्लायंस विनिर्माता भी मान रहे हैं कि इस साल बेमौसम बारिश के कारण कम बिके रेफ्रिजरेटर और एयर कंडीशनर जैसे ठंडे करने वाले उपकरण त्योहारों पर खूब बिकेंगे। गोदरेज अप्लायंसेज के एक प्रमुख अे धिकारी ने कहा` कि अगर ओणम को संकेत माना जाए तो खास तौर पर प्रीमियम श्रेणी के लिए त्योहारी सीजन अच्छा रहेगा। हम सितंबर में कई उत्पाद पेश करने वाले हैं।' उन्होंने कहा कि इस बार के त्योहारों में प्रीमियम उत्पादों की बिक्री पिछले साल के मुकाबले 40 फीसदी बढ़ने के आसार हैं। मगर ज्यादा बिकने वाले उत्पादों की श्रेणियों में बिक्री 20 फीसदी तक ही बढ़ने की संभावना है। टेलीविजन बनाने वाली कंपनी सुपर प्लास्ट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड (एसपीपीएल) ने भी त्योहार पर मांग बढ़ने की उम्मीद में टीवी पैनल का उत्पादन 20 से 30 फीसदी बढ़ा दिया है। कंपनी के एक अे धिकारी ने कहा` कि इस साल त्योहारी सीजन अच्छा रहने की उम्मीद है क्योंकि पूरे साल बाजार में झटके मिलते रहे। क्रिकेट में दो बड़े टूर्नामेंट विश्व कप और एशिया कप भी होने जा रहे हैं, जिनसे टीवी की बिक्री तेज होगी। कंपनी के पास कोडक, थॉमसन, ब्लाउपंक्ट और व्हाइट-वेस्टिंगहाउस जैसे ब्रांडों का लाइसेंस है और वह इन ब्रांडों के टीवी बनाती है। एफएमसीजी क्षेत्र में पारले प्रोडक्ट्स को बिक्री के लिहाज से यह साल बहुत अच्छा दिख रहा है। कंपनी के एक अे धिकारी ने कहा` कि हमें मूल्य के लिहाज से 10 से 11 फीसदी और मात्रा के लिहाज से 4 से 5 फीसदी वृद्धि की उम्मीद है।वाहन कंपनियों को भी त्योहार की वजह से मांग में वृद्धि दिख रही है।

सोने, चांदी की कीमतें घटीं

नई दिल्ली । घरेलू बाजार में शुक्रवार को सोने और चांदी की कीमतें घटीं हैं। दिल्ली सर्राफा बाजार में आज सोना सस्ता होकर 59,600 रुपये पहुंच गया। वहीं एक किलो चांदी की कीमतों में भी गिरावट आई है और अब यह 76,300 रुपये में बिक रही हैं। दिल्ली सर्राफा बाजार में शुक्रवार को सोने के दाम 50 रुपये कम होकर 59,600 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गये। गत कारोबारी सत्र में सोना 59,650 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ था। वहीं इसी तरह दिल्ली में चांदी की कीमत भी 400 रुपये फिसल 76,300 रुपये प्रति किलोग्राम रह गई।

सेंसेक्स 365 , निफ्टी 120 अंक गिरा

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन दुनिया भर के बाजारों से मिले-जुले संकेतों के बीच ही बिकवाली हावी होने से बाजार में ये गिरावट आई है। आज के कारोबार के दौरान तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 365.83 अंक करीब 0.56 फीसदी की गिरावट के साथ ही 64,886.51 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 65,106.00 तक ऊपर जाने के बाद 64,732.57 तक गिरा।

वहीं दूसरी ओर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 120.90 अंक तकरीबन 0.62 फीसदी नीचे आकर बंद हुआ। कारोबार के दौरान निफ्टी 19,339.55 की ऊंचाई तक जाने के बाद 19,229.70 तक फिसला। आज के कारोबार में सेंसेक्स के शेयरों में से केवल 6 शेयर ही लाभ के साथ हरे निशान पर बंद हुए। बजाज फाइनैंस, एशियन पेंट्स, भारती एयरटेल, टाइटन और एक्सिस बैंक के शेयर सबसे अधिक लाभ में आये। बजाज फाइनैंस के शेयर करीब 1.04 फीसदी तक ऊपर आये। इसके अलावा आईसीआईसीआई बैंक के शेयर भी लाभ में रहे।

वहीं, दूसरी ओर सेंसेक्स के शेयरों में 24 नुकसान के साथ ही नीचे आये। इंडसइंड बैंक, जेएसडब्ल्यू स्टील, एलएंडटी, अल्ट्राटेक सीमेंट और जेएफएसएल सेंसेक्स के सबसे अधिक घाटे वाले पांच शेयर रहे। इंडसइंड बैंक के शेयर सबसे करीब 1.89 फीसदी तक गिरे।

इससे पहले आज सुबह बाजार की शुरुआत गिरावट के साथ हुई है। सेंसेक्स 423.52 अंक की गिरावट के साथ 64,828.82 के स्तर पर कारोबार कर रहा था जबकि निफ्टी 121.65 अंक टूटकर 19,265.05 के स्तर पर नजर आ रहा था। प्री-ओपनिंग सत्र मे बाजार में गिरावट देखने को मिली। सेंसेक्स 160.11 अंक की गिरावट के साथ 65,092.23 के स्तर पर कारोबार कर रहा था जबकि निफ्टी 67.90 अंक टूटकर 19,318.80 के स्तर पर नजर आ रहा था। वहीं अमेरिकी बाजार में गिरावट दर्ज हुई। डॉव जोन्स, नेस्डेक कंपोजिट और एसएंडपी 500 सूचकांकों में 1 फीसदी से अधिक की गिरावट आई। शुक्रवार के शुरुआती कारोबार में एशियाई बाजारों में भी गिरावट रही।

रेपो रेट फिर से बढ़ा सकता है रिजर्व बैंक, बढ़ सकती है लोन की ईएमआई

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने तीन बार से रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं किया है लेकिन आने वाले दिनों में इसमें बढ़ोतरी हो सकती है। आरबीआई के गवर्नर शक्तिकांत दास ने इसके संकेत दिए हैं। उनका कहना है कि अगर खानेपीने की चीजों के कीमत में तेजी का महंगाई पर असर पड़ता है तो रेपो रेट में बढ़ोतरी हो सकती है। उनका कहना है कि खानेपीने की चीजों की कीमतों के आगे भी व्यापक महंगाई पर दबाव बनाने और महंगाई बढ़ने को लेकर जो आशंका है, उसे नियंत्रित करने के लिए जोखिम को पहले से ही भांपने तथा उससे निपटने के लिए तैयार रहने की जरूरत है। एमपीसी की आठ से 10 अगस्त तक हुई बैठक के जारी ब्योरे के मुताबिक दास ने खाद्य वस्तुओं के दाम में तेजी से महंगाई पर पड़ने वाले असर की आशंका के चलते नीतिगत दर रेपो को यथावत रखने का विकल्प चुना। इस बैठक में महंगाई संबंधी चिंताओं का हवाला देते हुए रेपो दर को 6.5 प्रतिशत पर बरकरार रखा गया था। एम डी पात्रा, शशांक भिडे, आशिमा गोयल, जयंत आर वर्मा और राजीव रंजन सहित सभी छह सदस्यों ने नीति दर पर यथास्थिति रखने के पक्ष में मतदान किया था। दास ने कहा` कि महंगाई रोकने का हमारा काम अभी पूरा नहीं हुआ है। सब्जियों की कीमतों में उतार-चढ़ाव के मद्देनजर मौद्रिक नीति खुदरा महंगाई पर इसके प्रारंभिक प्रभाव के असर को देख सकती है। आरबीआई की एमपीसी ने अपनी पिछली तीन बैठकों में रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं किया है। इससे पहले पिछले साल मई से रेपो रेट में 2.5 परसेंट की बढ़ोतरी की गई थी। रेपो रेट बढ़कर 6.5 फीसदी हो गई है। इससे होम लोन समेत सभी तरह के लोन महंगे हो गए हैं। हाल में खासकर सब्जियों की कीमत में काफी तेजी आई है। इससे जुलाई में खुदरा महंगाई 15 महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई थी। इससे रेपो रेट में कमी की उम्मीदें भी कम हो गई हैं।

डिजिटल इंडिया कानून पर परामर्श शुरू करेगी सरकार : चंद्रशेखर

नई दिल्ली । सरकार जल्द ही डिजिटल इंडिया कानून पर परामर्श की शुरुआत करेगी, यह बात केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) राज्यमंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कही। यह उभरती प्रौद्योगिकियों के विनियमन की रूपरेखा तैयार करेगी। आईटी राज्य मंत्री चंद्रशेखर ने उन तरीकों का हवाला देते हुए कहा कि भारत दुनिया में सबसे बड़े संबद्ध लोकतंत्र के रूप में अपनी जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक है। उन्होंने हवाला दिया कि भारत ने समावेशन के लिए डिजिटल प्रौद्योगिकियों का लाभ उठाया है। मंत्री ने इकोनॉमिस्ट इम्पैक्ट बी20 फोरम के मौके पर कहा कि हम जल्द ही डिजिटल इंडिया अधिनियम पर अपना परामर्श शुरू करेंगे, जहां हमारे अनुसार उपयोगकर्ता के नुकसान और उभरती प्रौद्योगिकियों को कैसे विनियमित किया जाएगा, इसकी रूपरेखा परामर्श के लिए रखी जाएगी। यह हर किसी के लिए इसमें आने और भाग लेने का एक अच्छा समय है। इससे पहले माइक्रोसॉफ्ट के वाइस चेयरमैन और अध्यक्ष ब्रैड स्मिथ ने एक ब्लॉग में कहा था कि जी-20 के मौजूदा अध्यक्ष के तौर पर भारत कृत्रिम मेधा (एआई) से जुड़े मुद्दों पर वैश्विक चर्चा शुरू करने के लिए अच्छी स्थिति में है।

एक्ज़ोनोबेल इंडिया ने भारत में 'ड्यूलक्स एश्योरेंस' - अपना पहला वॉरंटी प्रोग्राम लॉन्च किया

वर्तमान में हर दो में से एक भारतीय उपभोक्ता, खरीदारी के दौरान सबसे पहले फैक्टर के रूप में क्वालिटी को प्राथमिकता दे रहा है। ड्यूलक्स के नए रिसर्च से पता चलता है कि भारतीय उपभोक्ता अपने घरों को सालों साल अच्छा बनाए रखने के लिए ड्यूलक्स ब्रांड्स और उनके बेहतर क्वालिटी प्रोडक्ट्स पर भरोसा जताते हैं।

2021 में पेंट्स और कोटिंग्स की लीडिंग कंपनी व ड्यूलक्स पेंट्स की निर्माता, एक्ज़ोनोबेल इंडिया लिमिटेड ने ड्यूलक्स एश्योरेंस लॉन्च किया, जो तीन महीने के लिए चुनिंदा ड्यूलक्स प्रोडक्ट्स पर परफेक्ट कलर, फिनिश और कवरेज का आश्वासन देता है। वहीं भारतीय पेंट उपभोक्ताओं की जरुरी अपेक्षाओं को पूरा करने के उद्देश्य से, ड्यूलक्स एश्योरेंस अब और विशाल, बोल्ड व अधिक व्यापक हो गया है। आज लॉन्च किया गया नया ड्यूलक्स एश्योरेंस, भारत में अपने पेंट उपभोक्ताओं के लिए एक्ज़ोनोबेल का पहला वॉरंटी प्रोग्राम है, जो इसे असल में "हर स्ट्रोक में विश्वास का कोट" बनाता है।

इस अवसर पर एक्ज़ोनोबेल इंडिया के प्रबंध निदेशक राजीव राजगोपाल ने कहा, "भारत में पेंट और कोटिंग्स की मांग तेजी से बढ़ रही है और अगले पांच वर्षों में, इस इंडस्ट्री के 62,000 करोड़ से बढ़कर 1 लाख करोड़ तक पहुंचने की उम्मीद है। जहां एक तरफ डेकोरेटिव पेंट्स की उपभोक्ता डिमांड लगातार बढ़ रही है, हम यह भी समझ रहे हैं कि सुनिश्चित परिणाम देने वाले परफेक्ट पेंट्स को चुनना हमेशा आसान नहीं होता है। इसलिए क्वालिटी और इनोवेशन का पर्याय ब्रांड बन चुके ड्यूलक्स में हमने ड्यूलक्स एश्योरेंस वॉरंटी प्रोग्राम लॉन्च किया है। यह महत्वपूर्ण वॉरंटी के साथ बेजोड़ क्वालिटी प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जिसके माध्यम से परिवारों को कॉम्प्लिमेंट पेंट विकल्प चुनने की ताकत मिलती है।"

नए ड्यूलक्स एश्योरेंस के साथ, मन की शांति के साथ-साथ सहूलियत भी मिलती है। फिर चाहे वह निःशुल्क वारंटी के लिए रजिस्टर करना हो या किसी भी स्थिति में क्लेम करना हो, यह पूरी प्रक्रिया महज उनके एक क्लिक पर ही मिलती है। उपभोक्ता व्हाट्सएप, ड्यूलक्स इंडिया वेबसाइट, यहां तक कि फेसबुक मैसेंजर पर ड्यूलक्स इंडिया के ऑफिशियल अकाउंट के जरिए, ड्यूलक्स इंडिया से संपर्क कर सकते हैं।

'मेड इन इंडिया' Galaxy Z Flip5, Z Fold5 की बिक्री हुई शुरू

गुरुग्राम, । सैमसंग के 'मेड इन इंडिया' फोल्डेबल स्मार्टफोन Galaxy Z Flip5 और Galaxy Z Fold5 की बिक्री आज से शुरू होगी। Galaxy Z Flip5 में नई फ्लेक्स विंडो है, और यह पॉकेट में लेकर चलने वाला एक शानदार सेल्फ-एक्सप्रेशन टूल है, जबकि Galaxy Z Fold5 बड़ी स्क्रीन के साथ शानदार प्रोडक्टिविटी पावरहाउस है। ये दोनों स्मार्टफ़ोन ग्राहकों को फोल्डेबल फ़ोन का बेजोड़ अनुभव प्रदान करेंगे।

Galaxy Z Flip5 और Galaxy Z Fold5 दोनों ही की भारत में ज़बरदस्त मांग है। इन स्मार्टफ़ोन को पहले 28 घंटों में 100,000 उपभोक्ता प्रि-बुक कर चुके हैं। सैमसंग की पांचवीं जनरेशन के फोल्डेबल स्मार्टफोन की इस ज़बरदस्त माँग से फोल्डेबल श्रेणी में भारतीय उपभोक्ताओं का बढ़ता विश्वास प्रदर्शित होता है।

Galaxy Z Flip5 पॉकेट-साइज की डिवाइस में अपनी अभिव्यक्ति करने का एक स्टाइलिश और अनोखा फोल्डेबल अनुभव प्रदान करता है। Galaxy Z Flip5 की बाहरी स्क्रीन पहले से 3.78 गुना ज़्यादा बड़ी हो गई है, जिससे पहले से ज़्यादा उपयोगिता मिलती है। Galaxy Z Fold5 बड़ी स्क्रीन के साथ शानदार प्रोडक्टिविटी पावरहाउस है। यह गैलेक्सी ° श्रृंखला में सबसे शक्तिशाली परफ़ॉर्मेंस देता है, और अब तक का सबसे पतला तथा लाइटवेट फ़ोल्डेबल फ़ोन है।

Galaxy Z Flip5 और Galaxy Z Fold5 दोनों में ही IPX8 सपोर्ट के साथ एयरक्राफ्ट ग्रेड आर्मर एल्युमीनियम फ्रेम दिये गये हैं। दोनों फ्लेक्स विंडो और बैक कवर में कॉर्निंग गोरिल्ला ग्लास विक्टस 2 की सुरक्षा है। Galaxy Z Flip5 और Galaxy Z Fold5 में बाहरी धक्कों से बचाने के लिए ड्युअल रेल स्ट्रक्चर के साथ नया इंटीग्रेटेड हिंज मॉड्यूल दिया गया है।

Galaxy Z Flip5 और Galaxy Z Fold5 शुक्रवार से आपके नजदीकी रिटेल स्टोर्स पर मिलेंगे। ये स्मार्टफोन Samsung.com, Amazon और Flipkart से भी ख़रीदे जा सकते हैं।

ओला ने 'शीतयुग के अंत' पार्ट 1 की घोषणा की

भारत । भारत की सबसे बड़ी इलेक्ट्रिक वाहन कंपनी, ओला इलेक्ट्रिक ने आज कृष्णागिरी, तमिलनाडु में ओला फ्यूचर फैक्ट्री में आयोजित अपनी वार्षिक कस्टमर डे इवेंट में 'शीतयुग का अंत' पार्ट 1 की घोषणा की। कंपनी ने विश्व में ऑटोमोटिव के इलेक्ट्रिफिकेशन में भारत के नेतृत्व की शुरुआत करने की ओर अपनी प्रतिबद्धता के बारे में बताया।

ओला इलेक्ट्रिक के फाउंडर एवं सीईओ, भाविश अग्रवाल ने कहा, "पिछले दो सालों में ओला ने भारत में टूव्हीलर के सेगमेंट में इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाए जाने के मामले में अपनी कंपनी को शीर्ष पर स्थापित कर दिया है। हमारी इस उपलब्धि पर मुझे गर्व है, और मैं ओला समुदाय से मिले इस भरोसे व प्यार के लिए उनका आभारी हूँ। हम तेज गति से इलेक्ट्रिफिकेशन में देश का नेतृत्व स्थापित करने के उद्देश्य के लिए काम कर रहे हैं। अपनी मुख्य टेक्नॉलॉजी इनहाउस विकसित करके और विस्तार कीअर्थव्यवस्था, स्थानीय आपूर्ति श्रृंखलाओं एवं मैनुफैक्चरिंग इंजीनियरिंग अपनाकर हम आईसीई वाहनों एवं इलेक्ट्रिक वाहनों के बीच मूल्यों को पूरी तरह से समान बना देंगे। जेन2 प्लेटफॉर्म इस प्रतिबद्धता का प्रमाण है। एस1 प्रो सहित आज लॉन्च किए गए नई रेंज के स्कूटर, एस1 एक्स पोर्टफोलियो और हमारे हाल ही में लॉन्च किए गए एस1 एयर के साथ मेरा विश्वास है कि ग्राहक अब आईसीई वाहन की बजाय हमारे वाहन खरीदना ज्यादा पसंद करेंगे।"

उन्होंने कहा, "मुझे विश्व में ओला इलेक्ट्रिक मोटरसाईकल उतारने की घोषणा करने की खुशी है। यह 2024 के अंत तक बाजार में आ जाएगी। इन-हाउस डिज़ाईन व इंजीनियर की गई, ये मोटरसाईकल मोटरसाईक्लिंग के भविष्य में ओला की एक बड़ी पहल को प्रदर्शित करती हैं।"

ओला इलेक्ट्रिक का फ्लैगशिप उत्पाद, एस1 प्रो की इंजीनियर ओवरहॉलिंग कर इसे ऑल-न्यू जेन-2 प्लेटफॉर्म पर बनाया गया है। इस स्कूटर का मूल्य 1,47,499रु. है, जिसमें रिडिज़ाईन किया गया बैटरी पैक, पॉवरट्रेन एवं एक इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम तथा नया फ्रेम और सस्पेंशन के साथ 11किलोवॉट पीक पॉवर की शक्तिशाली मिड-ड्राईव मोटर है। इन संरचनागत सुधारों से एस1प्रो का वजन 6 किलोग्राम कम हो गया है, और 120 किलोमीटर/घंटा की सर्वोच्च स्पीड के साथ रेंज बढ़कर 195 किलोमीटर हो गई है। यह केवल 2.6 सैकंड में ही 0 से 40 किलोमीटर/घंटा की गति पकड़ लेता है। एस1 एयर और एस1एक्स की तरह ही इसमें फ्रंट में ट्विन-फॉर्क सेटअप और रियर में मोनोशॉक सस्पेंशन के साथ फ्लैट फ्लोरबोर्ड है, जिससे राईड की क्वालिटी और ज्यादा बेहतर हो जाती है।

ईपीएफओ पीएफ के पैसे शेयर बाजार में लगाएगा

नई दिल्ली ।

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) से अपनी सभी रिडेम्प्शन आय को शेयर बाजार में वापस निवेश करने की तैयारी कर ली है। इसके लिए वित्त मंत्रालय के साथ चर्चा भी शुरू हो गई है। आपको बता दें कि इ ईपीएफओ के शीर्ष निर्णय लेने वाले निकाय, केंद्रीय न्यासी बोर्ड ने मार्च के अंतिम सप्ताह में अपनी बैठक में इसकी अनुमति दी थी। रिपोर्ट के मुताबिक ईपीएफओ ने ऐसे उपाय सुझाए हैं जो बाजार की अस्थिरता के बावजूद इक्विटी रिटर्न को ज्यादा करने में मदद कर सकेंगे। अधिकारियों ने बताया कि प्रस्ताव में ईटीएफ रिटर्न को अब 4 साल के मुकाबले सेंसेक्स के औसत 5 साल के रिटर्न पर गणना करना भी शामिल है। इस पर वित्त और श्रम मंत्रालय की मंजूरी के बाद ईपीएफओ आगे की प्रक्रिया बढ़ाएगा। पीएफ खाताधारक के अकाउंट में जमा रकम को ईपीएफओ अलग-अलग तरीके से निवेश करता है। इस निवेश के जरिए होने वाली कमाई का एक हिस्सा ब्याज के तौर पर पीएफ खाताधारकों को दिया जाता है। ईपीएफओ की ओर से सब्सक्राइबर्स को वित्त वर्ष 2022-23 के लिए पीएफ अकाउंट में जमा राशि पर 8.15 फीसदी ब्याज दिया जा रहा है। वित्त मंत्रालय के दिशानिर्देशों के अनुसार ईपीएफओ अपनी आय का 5 फीसदी से 15 फीसदी के बीच इक्विटी और संबंधित फंड्स आदि में निवेश कर सकता है। हालांकि ईपीएफओ ईटीएफ निवेश दिशानिर्देशों में बदलाव की मांग भी कर रहा है।

एशिया कप में भारत-पाक दोनो ही टीमों को जीत का दावेदार मानते हैं गांगुली

कोलकाता (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने कहा है कि एशिया कप में भाग ले ही भारत और पाकिस्तान की टीमें काफी अच्छी हैं। इसलिए वह किसी को भी जीत के लिए अपनी पसंदीदा टीम नहीं मानते। एशिया कप 2023 में भारत और पाक के बीच 2 सितंबर को कैंडी के पल्लेकेले अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में मुकाबला होगा। इसी को लेकर गांगुली ने कहा, दोनो ही टीम अच्छा खेलती हैं, इसलिए उस दिन जो अच्छा खेलेगी जीत उसी को मिलेगी। इसलिए मैं किसी को भी अपना पसंदीदा नहीं मानता हूं। इस मैच में भारतीय टीम में मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की वापसी से गेंदबाजी आक्रमक बेहतर होगा। साथ ही कहा कि टीम के पास तीन स्पिनर हैं जिसमें अक्षर पटेल बल्लेबाजी भी कर सकते हैं। इससे भारतीय टीम को लाभ मिलेगा। इससे पहले उन्होंने कहा था कि इस मुकाबले को लेकर मीडिया में हाइप रहती है पर अब दोनो ही टीमों के बीच पहले जैसी टक्कर नहीं रही। इसका कारण उन्होंने खेल के स्तर में आई गिरावट को बताया।

वहीं इस मुकाबले को लेकर प्रशंसकों में जबरदस्त उत्साह है। इसमें भारतीय टीम को कुछ मामलों में लाभ मिल सकता है। टीम में एक साल से अधिक समय के बाद वापसी कर रहे बुमराह ने आयरलैंड दौरे पर अच्छा पदर्शन कर लय हासिल कर ली है। अब वह एशिया कप से विश्व कप के लिए अपनी फिटनेस दिखाएंगे। उन्हें युवा तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज से सहायोग मिलेगा। गेंदबाजी ऑलराउंडर कुलदीप यादव और अक्षर पटेल भी टीम के लिए लाभ दायक रहेंगे। इसके साथ ही ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या और रवींद्र जडेजा से सभी को बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। गौरतलब है कि एशिया कप में पाकिस्तान, भारत और नेपाल ग्रुप ए में हैं जबकि बांग्लादेश, अफगानिस्तान और श्रीलंका ग्रुप बी में। इस टूर्नामेंट में हाइब्रिड मॉडल अपनाया जाएगा जिसमें पाकिस्तान दो स्थानों पर चार मैचों की मेजबानी करेगा और श्रीलंका शेष खेलों की मेजबानी करेगा।

ट्रैप निशानेबाज राजेश्वरी कुमारी ने भारत को दिलाया 7वां ओलंपिक कोटा

बाकू (एजेंसी)। भारत की ट्रैप निशानेबाज राजेश्वरी कुमारी ने आईएसएसएफ विश्व कप में बृहस्पतिवार को 5वें स्थान पर रहकर देश को पेरिस ओलंपिक के लिए 7वां कोटा दिलाया। देश के शीर्ष खेल प्रशासकों में रहे पूर्व शॉटगन निशानेबाज रणधीर सिंह की बेटी राजेश्वरी ने दिग्गज प्रतिद्वंद्वियों के बीच फाइनल में जगह बनाई लेकिन पदक से चूक गई। वह महिलाओं की ट्रैप स्पर्धा में ओलंपिक कोटा हासिल करने वाली शगुन चौधरी के बाद दूसरी भारतीय बनी।

फाइनल में वह 30 शॉट में 19 अंक ही हासिल कर सकी। फाइनल के बाद उन्होंने कहा कि मुझे बहुत अच्छा लग रहा है। यह अविश्वसनीय है। आखिर कोटा मिल गया। काश मैं पदक भी जीत पाती लेकिन अच्छा लग रहा है। पेरिस....। पांचों क्वालीफिकेशन दौर में उन्होंने शानदार प्रदर्शन करके 125 में से 120 अंक लेकर 6 निशानेबाजों के फाइनल में जगह बनाई थी। भारत की मनीषा कीर और प्रीति रजक क्रमशः 23वें और 58वें स्थान पर रहीं।

भारत की महिला ट्रैप टीम 344 के स्कोर के साथ पांचवें स्थान पर रही जिसमें राजेश्वरी, प्रीति और मनीषा शामिल थे। इटली ने 354 के स्कोर के साथ स्वर्ण पदक जीता जबकि आस्ट्रेलिया को रजत और चीन को कांस्य पदक मिला। पुरुष ट्रैप स्पर्धा में पृथ्वीराज टोंटाइमैन 23वें, ओलंपियन कीनान चेनाई 51वें और जोरावर संधू 70वें स्थान पर रहे। तीनों टीम स्पर्धा में 11वें स्थान पर रहे।

नीरज चोपड़ा ने पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया, विश्व चैम्पियनशिप के फाइनल में पहुंचे

बुडापेस्ट। नीरज चोपड़ा ने यहां विश्व चैम्पियनशिप भालाफेंक स्पर्धा में शुक्रवार को पहले ही प्रयास में 88.77 मीटर का थ्रो फेंककर फाइनल में प्रवेश किया और इसके साथ ही पेरिस ओलंपिक 2024 के लिए भी क्वालीफाई कर लिया। तोक्यो ओलंपिक चैम्पियन चोपड़ा ने कैरियर का चौथा सर्वश्रेष्ठ थ्रो फेंका। वह

क्वालीफिकेशन दौर में ग्रुप ए में थे। पेरिस ओलंपिक का क्वालीफाइंग मानक 85.50 मीटर था। क्वालीफाइंग विंडो एक जुलाई से खुली है। चोपड़ा का सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत थ्रो 89.94 मीटर है जो उन्होंने 30 जून 2022 को स्टॉकहोम डायमंड लीग में फेंका था। रविवार को होने वाले आखिरी दौर के लिए ग्रुप ए और बी से शीर्ष 12 या 83 मीटर से ऊपर थ्रो फेंकने वाले खिलाड़ी क्वालीफाई करेंगे।

रोहित सभी को अपने को साबित करने अवसर देते हैं: शुभमन

मुंबई (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय टीम के युवा सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल हाल के दिनों में कप्तान रोहित शर्मा के सलामी जोड़ीदार के तौर पर सबकी पसंद बने हैं। शुभमन ने पिछले कुछ समय के अंदर रोहित के साथ सलामी जोड़ीदार के तौर पर उतरकर काफी रन बनाये हैं। अभी तक 9 पारियों में 76.11 की औसत से इस जोड़ी ने 685 रन बनाए हैं। शुभमन ने इस साल की शुरुआत से ही सभी प्रारुपों में अच्छी बल्लेबाजी की है। इस युवा बल्लेबाज ने कहा कि रोहित दूसरे खिलाड़ियों को भी अपने को साबित करने का अवसर देते हैं। आगामी एकदिवसीय विश्वकप को देखते हुए टीम को एक अच्छी सलामी जोड़ी की जरुरत थी जो ये जोड़ी पूरी कर रही है।

शुभमन ने कहा, कप्तान के साथ पारी शुरु करना काफी शानदार अनुभव होता है। खासकर ये जानते हुए कि सारा ध्यान उनके ही ऊपर रहने वाला है। वो एक ऐसे खिलाड़ी हैं जो दूसरे बल्लेबाजों को भी खेलने का अवसर देते हैं जिससे कि वह प्रभावित कर सके और अपने तरीके से बल्लेबाजी करे।इस जोड़ी ने अब तक 8 मैचों में 6 बार 50 से अधिक रनों की साझेदारी की है। इसके साथ ही इस जोड़ी ने गुवाहाटी में श्रीलंका के खिलाफ 143 और इंदौर में न्यूजीलैंड के खिलाफ 212 रन की बड़ी साझेदारी निभाई थी। इन दोनो की बल्लेबाजी में आक्रमण और रन बनाने की अलग-अलग योजनाएं होती हैं जिससे विपक्षी गेंदबाजों और कप्तानों के लिए परेशानी खड़ी हो जाती है। वहीं टीम के लिए ये लाभदायक होता है। अब इस जोड़ी को विश्वप कप से पहले श्रीलंका में एशिया कप और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू एकदिवसीय सीरीज से अपनी लय और बेहतर करने का अवसर मिलेगा।

एशिया कप से पहले श्रीलंका क्रिकेट पर मंडराया कोरोना का खतरा, दो श्रीलंकाई खिलाड़ी कोविड पॉजिटिव

खेल डैस्क। एशिया कप 2023 को चंद ही दिन रह गए हैं। लेकिन उससे पहले कोरोना का साया एशिया कप पर मंडरा रहा है। दरअसल, श्रीलंका के दो खिलाड़ियों को कथित रूप से कोविड पॉजिटिव पाया गया है। कोरोना का कहर खत्म होने से क्रिकेट के सभी प्रोटोकॉल हटा दिए गए थे। जिसके बाद सामान्य रूप से खेल शुरु हो गए थे। वहीं अब श्रीलंका और पाकिस्तान में होने वाले एशिया कप जैसे बड़े टूर्नामेंट से पहले कोविड का खतरा सामने आ गया है।

एक रिपोर्ट के अनुसार, सलामी बल्लेबाज अविष्का फर्नांडो और टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज कुसल परेरा कोविड पॉजिटिव पाए गए हैं। दोनों खिलाड़ियों का एशिया कप 2023 शुरू होने से पहले कोविड परीक्षण कराया गया था।

पहले भी हो चुके हैं कोरोना संक्रमित

ऐसा पहली बार नहीं है कि श्रीलंकाई टीम में खिलाड़ी कोरोना संक्रमित पाए गए हैं। फर्नांडो और परेरा पहले भी कोरोना संक्रमित हो चुके हैं। पिछले साल श्रीलंका और जिम्बाब्वे वनडे सीरीज से पहले फरवरी में फर्नांडो का कोविड टेस्ट हुआ था जिसमें वो कोविड वैक्सीन की बूस्टर डोज लेने के बाद भी संक्रमित पाए गए थे। जबकि कुसल परेरा भी साल 2021 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ सीरीज से पहले कोविड पॉजिटिव थे।

हाईब्रिड मॉडल के तहत होगा एशिया कप 2023

एशिया कप की मेजबानी इस बार पाकिस्तान कर रहा है लेकिन टूर्नामेंट इस बार हाईब्रिड मॉडल के तहत खेला जाएगा। जिसके 4 मुकाबले पाकिस्तान में जबकि अन्य मुकाबले श्रीलंका में खेले जाएंगे।

एफआईडीई विश्व कप फाइनल में इतिहास बनाने से चूके प्रज्ञानन्दा , मैगनस कार्लसन बने पहली बार चैम्पियन

बाकू (अजरबैजान)। विश्व के नंबर-1 शतरंज खिलाड़ी और 5 बार के विश्व चैम्पियन मैगनस कार्लसन ने आखिरकार भारत के 18 वर्षीय ग्रैंड मास्टर आर. प्रज्ञानन्दा को विश्व कप फाइनल के टाईब्रेक में पराजित करते हुए विश्व कप जीत लिया। अन्य खेलों से इतर शतरंज में विश्व चैम्पियनशिप का रास्ता विश्व कप से होकर जाता है और कार्लसन 5 बार विश्व चैम्पियन रहे पर कभी विश्व कप नहीं जीत सके थे और अंतत: उन्होंने यह खिताब जीतकर शतरंज के सभी प्रतिष्ठित खिताब जीतने के मामले में भारत के विश्वनाथन आनंद की बराबरी कर ली। अब कार्लसन और आनंद अकेले ऐसे खिलाड़ी है जिन्होंने विश्व चैम्पियनशिप, विश्व कप और फीडे कैंडिडेट तीनों खिताब जीते है। कार्लसन से 2 मैच ड्रॉ खेलने से विश्व रैंकिंग में प्रज्ञानन्दा को फायदा हुआ है। अब वह विश्व रैंकिंग में 9 स्थान सुधार करते हुए 2,727 अंकों के साथ पहली बार टॉप-20 में शामिल हो गए है। प्रज्ञानन्दा ने इसी के साथ कैंडिडेट्स टूर्नामेंट 2024 में अपना स्थान बना लिया। वह मैग्नस कार्लसन और बॉबी फिशर के बाद इस टूर्नामेंट में पहुंचने वाले तीसरे सबसे कम उम्र के खिलाड़ी है।

विश्व कप में सबसे ज्यादा रन बनायेंगे बटलर : कैलिस

जोहांसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर जैक्स कैलिस ने इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह आगामी विश्व कप में सबसे ज्यादा रन बनायेंगे। कैलिस चाहते हैं कि भारत में भी बटलर अच्छा प्रदर्शन करें। उन्होंने साथ ही कहा कि विश्वकप में बटलर इंग्लैंड के प्रमुख खिलाड़ियों में से एक होंगे क्योंकि वह भारत में अपना विश्व कप खिताब बनाये रखना चाहेंगे। उन्होंने पिछले साल इंग्लैंड की टी20 विश्व कप जीत में भी अहम भूमिका निभाई थी। इसके साथ ही उनका प्रदर्शन आईपीएल में भी शानदार रहा है। बटलर ने टी20 लीग में खेले 96 मैचों में अबतक 148.32 की शानदार स्ट्राइक रेट के साथ 3223 रन बनाए हैं। साल 2022 सत्र आईपीएल में बटलर के लिए बेहतरीन रहा क्योंकि उन्होंने 17 मैचों में 57.53 की औसत से 863 रन बनाए थे। और इस दौरान चार शतक भी लगाए थे। उनके प्रदर्शन के बल पर ही राजस्थान रॉयल्स आईपीएल 2022 के फाइनल में पहुंची, हालांकि वह गुजरात टाइटन्स से हार गयी थी। इसके बाद भी भारत में एकदिवसीय प्रारूप के मामले में बटलर का रिकॉर्ड खास नहीं रहा है। उन्होंने 8 मैचों में 11 की औसत से केवल 83 रन बनाए हैं। इसके बाद भी कैलिस का मानना है कि बटलर में सबसे ज्यादा रन बनाएंगे।

भारतीय महिला हॉकी 5 टीम ने मलेशिया पर 7-2 से जीत के साथ विश्व कप क्वालीफायर की शुरुआत की

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारत ने शुक्रवार को ओमान में मलेशिया के खिलाफ 7-2 की शानदार जीत के साथ महिला एशियाई हॉकी 5 विश्व कप क्वालीफायर में अपने अभियान की शुरुआत की। हॉकी 5 में प्रत्येक टीम में पांच-पांच खिलाड़ी होते है और इसका मैदान नियमित फील्ड हॉकी से छोटा होता है। भारत के लिए कप्तान नवजोत कौर (तीसरे, 28वें), अक्षता ढेकाले (चौथे), मरियाना कुजूर (17वें), मोनिका डी. टोप्पो (12वें, 20वें) और महिमा चौधरी (28वें) ने गोल किये। मलेशिया ने वान वान (सातवें) और अजीज जफिराह (11वें) गोल करने में सफल रही। भारतीय टीम ने मैच की शुरुआत से ही दबदबा बनाना शुरू कर दिया था। मैच के तीसरे और चौथे मिनट में नवजोत और अक्षता के गोल से टीम ने 2-0 की बढ़त बना ली। मलेशिया ने वान और जफिराह के गोल से मैच में वापसी करते हुए स्कोर 2-2 कर दिया। भारत ने इसके बाद जवाबी हमला तेज किया और मोनिका के गोल से टीम ने मध्यांतर से पहले 3-2 की बढ़त बना ली। भारत ने मैच के दूसरे हाफ में खेल की गति को बढ़ाने पर ध्यान दिया और टीम को इसका फायदा भी मिला। मरियाना और मोनिका ने तीन मिनट के अंदर दो गोल कर मैच पर भारतीय पकड़ को मजबूत कर दिया। महिमा और नवजोत ने 28 मिनट में दो गोल कर भारतीय टीम की बढ़त को 7-2 कर दिया। भारतीय टीम का अगला मुकाबला शनिवार को जापान से है।

सेरेना विलियम्स फिर बनी मां, एलेक्सिस ओहानियन ने दूसरे बच्चे को दिया जन्म

खेल डैस्क। दिग्गज टेनिस प्लेयर सेरेना विलियम्स दूसरी बार मां बन गई है। सेरेना के पति एलेक्सिस ओहानियन ने सोशल मीडिया पर पूरे परिवार की फोटो साझा कर लिखा है- आपका स्वागत है, आदिरा रिवर ओहानियन। मैं यह बताते हुए आभारी हूं कि हमारा घर प्यार से भर गया है। एक खुश और स्वस्थ नवजात लड़की। एक खुश और स्वस्थ मां यहां हैं। मैं कृतज्ञ महसूस कर रहा हूँ। श्रसेरेनाविलियम्स आपने अब मुझे एक और अतुलनीय उपहार दिया है - आप जीएमओएटी हैं। मेरी पत्नी और हमारी बेटी की देखभाल करने वाले सभी अद्भुत चिकित्सा कर्मचारियों को धन्यवाद। मैं उस पल को कभी नहीं भूलूंगा जब मैंने @olympiaohanian को उसकी छोटी बहन से मिलवाया था। उन्होंने अपनी पोस्ट को एक उद्धरण के साथ समाप्त किया: 'आपकी शांति एक नदी की तरह होती, आपकी भलाई समुद्र की लहरों की तरह होती'। बता दें कि सेरेना और एलेक्सिस अब 2 खूबसूरत छोटी लड़कियों के माता-पिता हैं। दोनों मई 2015 में रोम में नाश्ते पर पहली बार मिले थे। उस समय, टेनिस स्टार ने रेडिट के सह-संस्थापक से उसके और उसके दोस्तों के साथ बैठने के लिए कहा था। इसके बाद एलेक्सिस उन्हें 2015 फ्रेंच ओपन में मिले। इससे पहले वह एक डेट में पेरिस घूम आए थे। अगले कुछ महीनों तक ओहानियन को कई बार स्टैंड से सेरेना के लिए चीयर करते देखा गया।

सात्विक-चिराग विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

-गायत्री और त्रिशा बाहर

कोपेनहेगन (एजेंसी)। भारत के सात्विक साईराज रैंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गयी है। है। रैंकीरेड्डी और चिराग ने तीन गेम तक चले पुरुष युगल मुकाबले में छठी वरीयता प्राप्त इंडोनेशियाई खिलाड़ी लियो रोली कारनांडो और डैनियल मार्थिन की जोड़ी को 21-15, 19-21, 21-9 से हराया।

वहीं भारत की ही महिला युगल जोड़ी गायत्री गोपीचंद और त्रिशा जॉली हार के साथ ही बाहर हो गयी हैं। गायत्री और त्रिशा को प्री-क्वार्टर फाइनल मैच में चीन की चेन किंग चेन और जिया यी फैन की जोड़ी ने 42 मिनट में ही 14-21, 9-21 से हरा दिया।

पुरुष युगल प्री-क्वार्टर फाइनल में सात्विक और चिराग ने पहले गेम में अच्छी शुरुआत करते हुए 17-11 की बढ़त बना ली। उन्होंने मैच में शानदार शुरुआत करते हुए पहला गेम 21-15 से जीत लिया। वहीं दूसरे गेम में भी इनकी शुरुआत अच्छी रही। इस भारतीय जोड़ी ने 8-5 से बढ़त बना ली। इसको आगे बढ़ाते हुए उन्होंने 11-8 तक पहुंचा दिया पर इसके बाद इंडोनेशियाई खिलाड़ियों ने कड़ा मुकाबला करते हुए अंतर घटाने का प्रयास किया।

इसके बाद मुकाबले में वापसी करते हुए सात्विक और चिराग ने स्कोर 17-17 से बराबरी पर ला दिया। इसके बाद सात्विक और चिराग को मौका नहीं मिला और इंडोनेशियाई खिलाड़ियों ने लगातार दो अंक जीतकर गेम 21-19 से अपने नाम कर लिया। निर्णायक मुकाबले में भारतीय जोड़ी ने 3-1 की बढ़त के साथ ही मैच अपने नाम कर लिया।

गंभीर ने 2011 विश्वकप को याद किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया के पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर ने कहा है कि 2011 विश्व कप की जीत में ऑलराउंडर युवराज सिंह, तेज गेंदबाज जहीर खान, सुरेश रैना सहित सभी खिलाड़ियों की अहम भूमिका रही है पर केवल कप्तान को ही हमेशा श्रेय दिया गया। गंभीर ने कहा कि उन्हें फाइनल में शतक पूरा नहीं करने का मलाल नहीं है। गंभीर फाइनल में 97 रनों पर आउट हो गये थे। उन्होंने कहा, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि मैं शतक पूरा करूं या नहीं। मायने यह रखता है कि भारत विश्व कप जीतता है या नहीं। हम कोई व्यक्तिगत खेल नहीं खेलते। यह एक टीम खेल है और व्यक्तिगत उपलब्धियां केवल तभी महत्वपूर्ण होती हैं जब वे टीम के काम आती हैं। गौतम गंभीर ने कहा, यह पारी मेरे लिए कहीं अधिक महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे भारत को फाइनल जीतने में मदद मिली। यह कोई रहस्य नहीं है कि अप्रैल 2011 में श्रीलंका के खिलाफ फाइनल के दौरान गंभीर और धोनी की साझेदारी से टीम को 28 साल बाद विश्व कप जीतने में सहायता की।

उन्होंने कहा, युवराज को वो श्रेय नहीं मिला जिसके वह अधिकारी थे। उन्होंने 2011 विश्व कप में खराब सेहत के बाद भी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। इसके अलावा तेज गेंदबाज जहीर ने फाइनल में शानदार गेंदबाजी की थी। साथ ही कहा कि विश्व कप फाइनल की शुरुआत 4 मेडन ओवरों से करना अविश्वसनीय है और फिर भी उन्हें पर्याप्त श्रेय नहीं दिया गया है। हमने 2011 विश्व कप के लिए युवराज को पर्याप्त श्रेय नहीं दिया है। क्या हम सचिन तेंदुलकर के प्रयासों का पर्याप्त जश्न मनाते हैं? हां, हम उनका और जीत का जश्न मनाते हैं पर कितने लोगों को याद है कि वह विश्व कप में दो शतक के साथ सर्वोच्च स्कोरर थे?

गंभीर ने कहा, मैं आपको एक बात सीधे बताऊंगा। अगर मैं कम स्कोर पर आउट हो जाता और भारत जीत जाता तो भी मुझे उतनी ही खुशी होती। लेकिन अगर मैंने 100 रन बनाए और भारत हार गया, तो 100 का मेरे लिए कोई महत्व नहीं होगा। हम भारत में व्यक्तिगत उपलब्धियों को लेकर बहुत अधिक जूनूनी हैं और ऐसा करने से अवसरों पर ध्यान बड़े लक्ष्य से हट जाता है। आपकी टीम ने कैसा प्रदर्शन किया है इसकी बड़ी तस्वीर कई मौकों पर खो जाती है। गंभीर ने कहा कि युवराज को टीम को विश्वकप फाइनल में ले जाने के लिए पर्याप्त श्रेय नहीं दिया गया क्योंकि मीडिया कप्तान धोनी के खिताब जीतने वाले छक्के को लेकर अधिक व्यस्त था पर सभी को समझना चाहिये की एक पारी से जीत नहीं मिल सकती।

विश्व चैम्पियन बनकर भी स्पेन महिलाओं की फीफा रैंकिंग में दूसरे नंबर पर, जानें कौन है शीर्ष पर

ज्यूरिख। फीफा महिला विश्व कप विजेता टीम स्पेन शुक्रवार को जारी ताजा रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंच गयी जबकि अमेरिका ने छह साल से ज्यादा समय में पहली बार शीर्ष स्थान गंवा दिया। सेमीफाइनल में स्पेन से हारने वाली स्वीडन की टीम रैंकिंग में पहले स्थान पर काबिज है। फीफा ने कहा कि चार पायदान चढ़ने वाला स्पेन पहले स्थान पर पहुंच सकता था लेकिन उसने जापान से ग्रुप चरण में मिली 0-4 की हार से रैंकिंग अंक गंवा दिए। अमेरिकी महिला फुटबॉल टीम तीसरे स्थान पर खिसक गई। दो बार की गत विश्व कप चैम्पियन टीम प्री क्वार्टर में स्वीडन से हार गई थी। यूरोपीय चैम्पियन इंग्लैंड को फाइनल में स्पेन से हार मिली थी, उसने अपना चौथा स्थान बरकरार रखा है। इंग्लैंड ने सेमीफाइनल में फ्रांस को हराया था जो पांचवें स्थान पर है। जर्मनी की टीम विश्व कप के ग्रुप चरण से आगे नहीं बढ़ सकी जिससे दूसरे स्थान से छठे स्थान पर खिसक गई। ओलंपिक चैम्पियन कनाडा तीन पायदान के नुकसान से 10वें स्थान पर खिसक गया जो नॉकआउट दौर में पहुंचने में असफल रहा। विश्व कप का सह मेजबान आस्ट्रेलिया तीसरे स्थान के मैच में स्वीडन से हार गया था जो एक पायदान के नुकसान से 11वें स्थान पर खिसक गया।

सितंबर महीने में राशन कार्ड धारकों को नहीं मिलेगा सस्ता अनाज

अहमदाबाद। आगामी दिनों में त्यौहारों की सीजन शुरू हो रही है और ऐसे में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के दुकादारों ने वितरण नहीं करने का फैसला किया है। दुकानदारों के इस फैसले का गरीबों पर बुरा असर होगा। दुकानदारों ने कमीशन वृद्धि की मांग का अमल नहीं होने पर यह अनाज वितरण नहीं करने का फैसला किया है। साथ ही चेतावनी दी है कि अगर उनकी मांग पूरी नहीं की गई तो आंदोलन करेंगे। फेर प्राइज शोप व्यापारी एसोसिएशन के प्रमुख ने बताया कि विधानसभा के चुनाव से पूर्व सरकार ने सस्ते अनाज के सभी 1। हजार व्यापारियों को कमीनशन के नुकसान के तहत रु. 20 हजार रकम की भरपाई का वादा किया था, जिसका अमल आज तक नहीं हुआ। इसके अलावा सस्ते अनाज की दुकान की जांच की जाए और आपूर्ति कम हो तो एक प्रतिशत तक राहत दी जाती है। एक प्रतिशत से अधिक कमी होने पर ही कानूनी कार्यवाही की जाती है। फिलहाल अनाज के वितरण पर प्रति किलो रु. 1.43 रुपए कमीशन दिया जाता है। जबकि हरियाणा में सरकार प्रति किलो रु. 2 कमीशन दी जाती है। गुजरात की सस्ते अनाज दुकान व्यापारियों की मांग है कि उन्हें प्रति किलो रु. 2 का कमीशन दिया जाए। हाल ही में सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक हुई थी, लेकिन उसमें कोई निष्कर्ष नहीं निकलने पर व्यापारियों ने आपूर्ति स्वीकार करने से इंकार कर दिया। अगर सरकार राशन की दुकान मालिकों की मांग स्वीकार नहीं करती है तो सितंबर महीने में अनाज, चीनी और तेल का वितरण बंद कर देगी।

पीएम मोदी की डिग्री से जुड़े मानहानि केस में केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट से झटका

अहमदाबाद। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की डिग्री विवाद में गुजरात यूनिवर्सिटी ने आम आदमी पार्टी के (आप) चीफ और दिल्ली के मुख्यमंत्री तथा राज्यसभा सांसद संजयसिंह के खिलाफ मानहानि का केस किया है। आज इस मामले में सुप्रीम कोर्ट से आप नेताओं को बड़ा झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने इस मानहानि केस पर रोक लगाने की याचिका पर तुरंत सुनवाई करने से इंकार कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि केजरीवाल की रिवीजन याचिका पहले ही गुजरात हाईकोर्ट में विचाराधीन है। ऐसे में नई याचिका पर सुनवाई करनी की जरूरत नहीं है। दरअसल केजरीवाल ने गुजरात हाईकोर्ट में मानहानि केस में रोक लगाने की अपील की थी। जिसे गुजरात हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया था। हाईकोर्ट से राहत नहीं मिलने पर केजरीवाल ने सुप्रीम कोर्ट को रुख किया और वहां से भी उन्हें झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने केजरीवाल को गुजरात हाईकोर्ट में अपनी बात रखने को कहा है। गौरतलब है पीएम मोदी ने मास्टर्स की डिग्री गुजरात यूनिवर्सिटी और ग्रेज्युएशन की डिग्री दिल्ली यूनिवर्सिटी से प्राप्त की थी। अरविंद केजरीवाल ने पीएम मोदी की डिग्री के बारे में केन्द्रीय सूचना आयुक्त में आवेदन किया था। जिसके आधार पर केन्द्रीय सूचना आयुक्त ने पीएमओ के अधिकारियों को पीएम मोदी की डिग्री की जानकारी केजरीवाल को उपलब्ध कराने का आदेश दिया था। केन्द्रीय सूचना आयुक्त के आदेश से नाराज होकर गुजरात यूनिवर्सिटी ने हाईकोर्ट में रिट याचिका दाखिल की थी।

यात्रा और पर्यटन के हित में SATA (साउथ-गुजरात एसोसिएशन ऑफ ट्रैवल एजेंट्स) द्वारा ट्रैवल एंड टूरिज्म एक्सपो एसटीएफ (दक्षिण-गुजरात ट्रैवल फेयर- 2023) का आयोजन किया गया

सूरत । SATA- साउथ गुजरात एसोसिएशन ऑफ ट्रैवल एजेंट्स, 12ए और 80जी एक प्रमाणित संगठन है जो कई परिणामी घटनाओं और गतिविधियों के साथ हमेशा यात्रा उद्योग और यात्रा बिरादरी की भलाई के लिए प्रयास करता है। एक बार फिर बेहद खुशी के साथ, हम व्यापार की गति बढ़ाने और आगामी त्योहारों और छुट्टियों के दौरान अच्छा व्यवसाय प्राप्त करने के उद्देश्य से ट्रैवल एजेंटों, टूर ऑपरेटरों, पासपोर्ट और आव्रजन विशेषज्ञों, ट्रैकिंग और साहसिक यात्रा विशेषज्ञों या यात्रा/पर्यटन उद्योग से संबंधित किसी भी प्रतिबद्ध पेशेवरों को आमंत्रित करते हैं। सूरत शहर-जिले के छोटे और बड़े ट्रैवल एजेंटों, टूर ऑपरेटरों, आव्रजन, वीजा, पासपोर्ट और अन्य यात्रा व्यापार से संबंधित मित्रों के लाभ के लिए ट्रैवल एंड टूरिज्म एक्सपो एसटीएफ -2023 (दक्षिण-गुजरात यात्रा मेला) प्रदर्शनी है। की योजना बनाई गई है, जिससे सूरत शहर के लोगों को यात्रा योजना के लिए पर्याप्त संसाधन और ज्ञान प्राप्त करने में लाभ होगा। प्रदर्शनी 26-27-28 अगस्त 2023 के दौरान सिटी लाइट-सूरत स्थित साइंस सेंटर की आर्ट गैलरी में सुबह 10.00 बजे से शाम 8.00 बजे तक आयोजित की जाएगी, जहां कुल 7000-8000 यात्रा प्रेमियों के आने की संभावना है।

SATA- साउथ गुजरात एसोसिएशन ऑफ ट्रैवल एजेंट्स के अध्यक्ष श्री मिनेश नायक, मंत्री श्री जिमी व्यास, उपाध्यक्ष श्री मोहन चकलासिया, उप मंत्री श्री विजय शाह, सलाहकार श्री जीतू पटेल और श्री जॉय ठाकर, कोषाध्यक्ष श्री किंजल शाह एवं समिति के उत्साही सदस्य श्री किशन जोशी, श्री मनीष राणा, श्री जयु पटेल एवं अन्य के अनुसार ट्रैवल एंड टूरिज्म एक्सपो एसटीएफ-2023 के साथ, हमारे क्षेत्र का ट्रैवल व्यापार समुदाय कम लागत पर अधिकतम यात्रा प्रेमियों तक पहुंच सकता है। सिर्फ दिवाली ही नहीं, उसके बाद सर्दी के मौसम में भी स्क्वस्त-2023 से काफी फायदा हो सकता है।

सूरत भूमि, सूरत।वीआईपी रोड़ स्थित श्री श्याम मंदिर, सूरतधाम द्वारा श्रावण मास के उपलक्ष में आयोजित तीन दिवसीय श्री श्याम झुलन महोत्सव की शुरुआत शुक्रवार को हुई । इस अवसर पर बाबा श्याम का भव्य श्रृंगार किया गया एवं मंदिर प्रांगण को सजाया गया । झुलन महोत्सव में शाम सात बजे से मंदिर प्रांगण में विशाल भजन संध्या का आयोजन किया गया, जिसमे स्थानीय गायक कलाकार अजित दाधीच के अलावा कोटा से आमंत्रित राजेंद्र अग्रवाल ने भजनों एवं धमाल की प्रस्तुति दी । आयोजन में शनिवार को शाम सात बजे से श्री श्याम भजन संध्या में स्थानीय गायक के अलावा मुंबई से आमंत्रित सारेगामा फेम मनीष भट्ट भजनों की प्रस्तुति देंगे।

बीइंग एक्सपोर्टर द्वारा सूरत में आयोजित नेशनल इवेंट में देशभर के निर्यातकों एक मंच पर आए

सूरत भूमि, सूरत। निर्यात मार्गदर्शन और समर्थन के लिए एक अग्रणी प्लेटफार्म बीइंग एक्सपोर्टर की ओर से सूरत में नेशलन इवेंट का आयोजन किया गया। इस आयोजन का उद्देश स्थानीय निर्यातकों को देशभर के अपने समकक्ष निर्यातकों के साथ जुड़ने और विश्व स्तरीय बंदरगाह (पोर्ट) के संचालन को प्रत्यक्ष रूप से देखने अवसर देने का था।

इस आयोजन में भारत भर के 53 शहरों के 150 से अधिक निर्यातक एक साथ आए। कार्यक्रम में निर्यात व्यवसाय में सफल होने के लिए कई महत्वपूर्ण विषयों को शामिल किया गया था। यह आयोजन भाग लेने वाले निर्यातकों को प्रभावी लक्ष्य निर्धारण, उत्पादन को अंतिम रूप देने, खरीदार की पहचान, बिक्री योजना, बैंकिंग में अंतर्दृष्टि और वित्त पोषण के रास्ते, और निर्यात व्यवसाय के अन्य पहलू प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित करना था।

बीइंग एक्सपोर्टर के संस्थापक, सफल निर्यातक और उद्योग जगत के लीडर भगीरथ गोस्वामी ने सत्र के दौरान प्रतिभागियों के साथ अपनी रणनीतियों और अनुभवों को साझा किया। दिन भर चले कार्यक्रम का एक आकर्षण पैनल चर्चा रही, जिसमें शून्य से सफल एक्सपोर्टर बने स्व- निर्मित उद्यमी शामिल हुए थे। इंटरैक्टिव प्रश्नोत्तर सत्र ने प्रतिभागियों को वक्ताओं की यात्रा और उनके अनुभवों से सीखने का अवसर दिया।

प्रतिभागियों को दक्षिण गुजरात क्षेत्र के सबसे बड़े बंदरगाहों में से एक, हजीरा में अदानी बंदरगाह का दौरा करने का अनूठा अवसर भी मिला। प्रतिभागियों के लिए यह सीखने का एक शानदार अनुभव था क्योंकि उन्होंने प्रबंधन और बंदरगाह संचालन के अन्य पहलुओं को करीब से देखा। बंदरगाह अधिकारियों द्वारा उनके सामने एक प्रस्तुति भी दी गई, जिससे बंदरगाह संचालन और आयात-निर्यात व्यवसाय के बारे में उनकी समझ और गहरी हो सके।

बीइंग एक्सपोर्टर के संस्थापक भगीरथ गोस्वामी ने कहा, "बीइंग एक्सपोर्टर निर्यातकों को ज्ञान और क्षेत्र की 360 डिग्री समझ के साथ सशक्त बनाकर उन्हें सफल बनाने में मदद करने के लिए समर्पित है। यही कारण है कि हमारे सत्रों में हमेशा सैद्धांतिक शिक्षा के साथ- साथ व्यावहारिक शिक्षा भी होती है।" सूरत में हमारे कार्यक्रम के दौरान भी यही स्थिति थी, जो एक अद्वितीय और निर्यात- केंद्रित उद्यमियों और विशेषज्ञों की सबसे बड़ी इवेंट्स में से एक थी। इस इवेंट से प्रतिभागियों को सफल निर्यातकों से सीखने और बंदरगाह संचालन का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त करने का मौका मिला।

श्री गोस्वामी ने दोहराया कि दिन भर चले कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य उद्यमियों को निर्यात में उत्कृष्टता हासिल करने के लिए सही समझ और ज्ञान से लैस करना और देश भर के निर्यातकों के बीच नेटवर्किंग को भी बढ़ावा देना था। प्रतिभागियों के अनुसार, इस कार्यक्रम ने उन्हें निर्यात व्यवसाय की गहरी समझ हासिल करने में मदद की और यह एक शानदार सफलता थी।

टकरामा गांव में केनरा बैंक द्वारा स्वयं सहायता समूह क्रेडिट कैंप का किया गया आयोजन

सूरत भूमि, सूरत। केनरा बैंक, क्षेत्रीय कार्यालय, सूरत ने वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने और महिला उद्यमियों को सशक्त बनाने के लिए टकरामा गांव में एक स्वयं सहायता समूह क्रेडिट कैंप का आयोजन किया गया। कैंप में 300 से अधिक लोगों ने भाग लिया। श्रीमती के.ए.सिंधु, महाप्रबंधक, प्रायोरिटी क्रेडिट विंग, प्रधान कार्यालय, बेंगलुरु और श्री शंभू लाल, महाप्रबंधक, सर्कल कार्यालय, अहमदाबाद और श्रीमती के.एल. सूरती, डीडीएम, नाबार्ड इस अवसर पर मुख्य अतिथि थे। केनरा बैंक, सूरत के क्षेत्रीय प्रमुख श्री सुधांश एस. साहू ने अतिथियों का स्वागत किया। केनरा बैंक के प्रतिनिधि ने वित्तीय साक्षरता, ऋण आवेदन प्रक्रियाओं और भुगतान प्रक्रियाओं पर लोगों का मार्गदर्शन दिया और 50 से अधिक एसएचजी को अनुमोदन पत्र वितरित किए। इसके अलावा, केनरा बैंक ने कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व और केनरा विद्या ज्योति योजना के तहत स्कूली बच्चों को छात्रवृत्ति और पुरस्कार वितरित किए। कार्यक्रम को वहां मौजूद लोगों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली।

सूरत में 1200 से अधिक फ्लिपकार्ट विक्रेता अपने सेलर कॉन्क्लेव के साथ त्योहारी सीजन के दौरान कारोबार को बढ़ावा देने के लिए पूरी तरह तैयार हैं

सूरत। भारत के घरेलू बाजार फ्लिपकार्ट ने सूरत में एक सफल वेंडर कॉन्क्लेव आयोजित किया, जो पूरे भारत के विक्रेताओं को जोड़ने के हिस्से के रूप में आगामी त्योहारी सीज़न कार्यक्रम- द बिग बिलियन डेज़ के दौरान विक्रेताओं की तैयारियों को बढ़ाने के लिए एक चर्चा सत्र था। जिसमें फ्लिपकार्ट मार्केटप्लेस द्वारा ग्राहक मांग अंतर्दृष्टि, खरीदारी के रुझान और अन्य विकास संबंधी योजना पर चर्चा की गई।

फ्लिपकार्ट के वार्षिक फ्लैगशिप इवेंट द बिग बिलियन डेज़ (टीबीबीडी) के 10वें संस्करण में आने वाले सेलर कॉन्क्लेव का उद्देश्य विक्रेताओं को उनकी उद्यमशीलता यात्रा के लिए आवश्यक कौशल, अंतर्दृष्टि और उपकरणों से लैस करना था।

टियर दो और टियर तीन शहरों के लगभग 1200 विक्रेताओं ने इस अत्यधिक इंटरैक्टिव कॉन्क्लेव में भाग लिया ताकि उन्हें अपनी आगामी त्योहार की भीड़ तक पहुंचने के लिए तैयार किया जा सके। कॉन्क्लेव का उद्देश्य विक्रेताओं को उत्सव की भावना का लाभ उठाने और शिक्षा और सहयोग के माध्यम से उनके व्यवसाय के विकास को बढ़ावा देने में मदद करना था।

यह आयोजन इस बात पर केंद्रित था कि कैसे विक्रेता ई-कॉमर्स की शक्ति का प्रभावी ढंग से उपयोग करके और डेटा-संचालित निर्णय लेने के लिए फ्लिपकार्ट के उन्नत विश्लेषणात्मक टूल का उपयोग करके अपनी ऑनलाइन उपस्थिति को अनुकूलित कर सकते हैं। कॉन्क्लेव में फ्लिपकार्ट के वरिष्ठ नेता भी शामिल होते हैं, विक्रेता कॉन्क्लेव त्योहारी सीज़न से पहले एक मंच के रूप में कार्य करता है, जो त्योहारों के दौरान ग्राहकों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए फ्लिपकार्ट के विक्रेता समुदाय को आवश्यक कौशल और क्षमताओं से लैस करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। मौसम।

फ्लिपकार्ट के उपाध्यक्ष और प्रमुख - मार्केटप्लेस, राकेश कृष्णन कहते हैं, 'हमारे विक्रेता समुदाय की सफलता हमारे लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है और विक्रेता कॉन्क्लेव उनकी प्रगति और कल्याण के प्रति हमारे समर्पण को प्रदर्शित करने का एक अवसर है। हमारा उद्देश्य उन्हें अगले व्यावसायिक विकास को आगे बढ़ाने और ई-कॉमर्स पारिस्थितिकी तंत्र में अपनी ब्रांड पहचान बनाने के लिए उपकरणों और सूचनाओं से लैस करना था। हम सूरत में अपने विक्रेता सम्मेलन में मिली सकारात्मक प्रतिक्रिया से बेहद खुश हैं और इस सम्मेलन के हिस्से के रूप में देश भर में अपने विक्रेताओं को शामिल करने के लिए भी उत्साहित हैं।

दिल्ली, जयपुर और सूरत में विक्रेता सम्मेलनों की भारी सफलता के बाद, फ्लिपकार्ट भारत के अन्य शहरों में इस श्रृंखला का विस्तार करने के लिए उत्साहित है। इस कॉन्क्लेव के माध्यम से, फ्लिपकार्ट का लक्ष्य है, उनके विक्रेता पारिस्थितिकी तंत्र को बेहतर क्षमता तैयारी से सुसज्जित किया जाना चाहिए, ताकि वे ई-कॉमर्स परिदृश्य पर सही क्षमता में विकास कर सकें। पिछले कुछ वर्षों में, फ्लिपकार्ट ने अपने संसाधनों को विक्रेताओं के लिए व्यावसायिक अवसरों को बढ़ाने, उद्यमशीलता की भावना को बढ़ावा देने और मंच पर उनकी सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने पर केंद्रित किया है।

बजाज फाइनेंस फिक्स्ड डिपॉजिट 50,000 करोड़ रुपये के पार

पुणे/मुंबई। भारत की लीडिंग और डाइवर्सिफाइड नॉन-बैंकिंग फाइनेंस कंपनियों में शामिल, बजाज फिनसर्व ग्रुप की कंपनी बजाज फाइनेंस लिमिटेड (Bajaj Finance) ने कहा है कि उसकी फिक्स्ड डिपॉजिट बुक ने 50,000 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है।

बजाज फाइनेंस में 5 लाख जमाकर्ता (डिपॉजिटर्स) हैं, हर जमाकर्ता ने 2.87 डिपॉजिट्स रखी हैं, यानी कुल मिलाकर 1.4 मिलियन डिपॉजिट्स हैं।

बजाज फाइनेंस को अपने लॉन्ग् टर्म डेट प्रोग्राम (दीर्घकालिक उधारी कार्यक्रम) के लिए CRISIL (क्रिसिल), ICRA (इकरा), CARE (केयर) और इंडिया रेटिंग्स से हाइएस्ट क्रेडिट रेटिंग AAA/स्टेबल, अपने शॉर्ट टर्म डेट प्रोग्राम (अल्पकालिक उधारी कार्यक्रम) के लिए CRISIL, ICRA और इंडिया रेटिंग्स से A1+ रेटिंग और अपने फिक्स्ड डिपॉजिट प्रोग्राम के लिए CRISIL और ICRA से AAA (स्टेबल) की रेटिंग मिली है।

बजाज फाइनेंस के एग्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट - फिक्स्ड डिपॉजिट एंड इन्वेस्टमेंट , सचिन सिक्का ने कहा कि हमने अपने ग्राहकों के लिए आकर्षक ब्याज दरों पर लॉन्ग् टर्म सेविंग्सन समाधान पेश करने पर ध्यान केंद्रित किया है। हमारे फिक्स्ड डिपॉजिट पोर्टफोलियो की तेज ग्रोथ रही है, जो पिछले 2 सालों में दोगुनी हो गई है। यह बजाज फिनसर्व ब्रांड में ग्राहकों के भरोसे, डिजिटल रूप से फिक्स्ड डिपॉजिट की बुकिंग में आसानी और हमारी देशव्यापी उपस्थिति को दर्शाता है।

बजाज फाइनेंस 44 महीने की अवधि के लिए फिक्स्ड् डिपॉजिट पर सबसे अधिक ब्याज दरों की पेशकश करता है, जो वरिष्ठ नागरिकों के लिए 8.60% और अन्य के लिए 8.35% सालाना है।

10 सालों में, कंपनी ने अपनी डिपॉजिट बुक (जमा बही) को 60% CAGR और जमाकर्ताओं की संख्या को 49% CAGR की दर से बढ़ाया है।

कंपनी फिक्स्ड्CAG डिपॉजिट पर 12 महीने की अवधि के लिए 7.40% और 24 महीने के लिए 7.55% की ब्याज दरें ऑफर कर रही है। 36 से 60 महीनों के लिए ब्याज दरें 8.05% हैं। वरिष्ठ नागरिकों को इन दरों पर अतिरिक्त 0.25% की पेशकश की जाती है।

डेटॉल ने अपनी डेटॉल बनेगा स्वस्थ इंडिया पहल के अंतर्गत भारत के सबसे बड़े हाइजीन ओलंपियाड के दूसरे संस्करण की घोषणा की

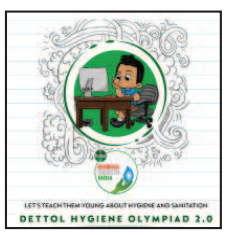

विश्व की जानी-मानी कंज्यूमर हेल्थ। एवं हाइजीन कंपनी रेकिट ने अपनी प्रमुख मुहिम डेटॉल बनेगा स्वस्थ इंडिया के अंतर्गत भारत में सबसे बड़े हाइजीन ओलंपियाड के रूप में डेटॉल हाइजीन ओलंपियाड के दूसरे संस्करण की घोषणा की है। बच्चों को बीमारियों से बचाने में स्वच्छता के महत्व के बारे में जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से, यह अनूठी पहल बच्चों को स्वच्छता और अच्छी आदतों के बारे में सीखने के लिए एक इंटरैक्टिव प्लेटफॉर्म प्रदान करती है।

बीते वर्ष, पूरे भारत में 10 मिलियन बच्चों तक पहुंचने की सफलता से उत्साहित, डेटॉल हाइजीन ओलंपियाड 2.0 अपने मिशन को नए मुकाम पर पहुंचाने के लिए तैयार है। पहली बार, ओलंपियाड देश के सभी 28 राज्यों और 8 केंद्र शासित प्रदेशों में 30 मिलियन से अधिक बच्चों0 तक पहुंचेगा। यह पहल 2500 गुरुकुलों और अन्य धार्मिक शिक्षा स्कूतलों के छात्रों को भी अपनी मुहिम में शामिल करेगी और अलग-अलग भाषा के दर्शकों तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए इसका संस्कृत अनुवाद शामिल किया जाएगा। यह पहल सुनिश्चित करेगी कि भारत के सभी बच्चे हाथ धोने के सबसे अच्छे तरीकों को समझे और सीखें तथा अपनी दिनचर्या में स्वच्छता और अच्छी आदतों को अपनाएं। डेटॉल स्कूल स्वच्छता पाठ्यक्रम के इस स्वाभाविक विस्तार के साथ यह पहल रेकिट के इस भरोसे को और मजबूत करती है कि बेहतर स्वास्थ्य की दिशा में भारत की यात्रा को आगे बढ़ाने के लिए हमें स्वच्छता संबंधी कमियों को दूर करना होगा।

100 से अधिक पार्टनर्स इस डेटॉल हाइजीन ओलंपियाड 2.0 का सपोर्ट कर रहे हैं, जिनमें प्लान इंडिया, MAMTA HIMC, ग्रामालय, जागरण पहल, AJYS, FICCI ISC, ASSOCHAM फाउंडेशन, अपोलो टोटल हेल्थ, SARDS और CARPED शामिल हैं। 4 सितंबर से 15 सितंबर तक ऑफ़लाइन परीक्षा का कार्यक्रम निर्धारित है, जिससे 6 से 16 साल के बच्चे स्वच्छता, स्वास्थ्य और अपने परिवार की सुरक्षा के बीच संबंध की खोज करने के लिए प्रेरित होंगे। प्रत्येक राज्य और केंद्र शासित प्रदेश से एक विजेता की घोषणा की जाएगी और चयनित विजेताओं को डेटॉल बनेगा स्वस्थ इंडिया के 10 वें सीजन के लॉन्चस कार्यक्रम में व्यक्तिगत रूप से सम्मानित किया जाएगा।

गुजरात कॉन्ट्रैक्टर्स एसोसिएशन की सरकार द्वारा मानी गई मांगों को तुरंत लागू नहीं किया गया तो तुरंत कार्रवाई की जाएगी

अहमदाबाद। गुजरात सरकार द्वारा मार्च 2022 में मानी गई मांगों पर पिछले 18 माह से अमल नहीं होने से गुजरात के सभी ठेकेदार 01-08-2023 से अनिश्चित काल के लिए गुजरात राज्य के सभी विभागों के टेंडर न भरने का निर्णय लिया गया है और इस निर्णय को गुजरात कॉन्ट्रैक्टर्स एसोसिएशन के सभी ठेकेदारों द्वारा सख्ती से लागू किया गया है। इस संबंध में पिछले एक महीने में दो बार 25-07-2023 और 13-08-2023 को माननीय मुख्यमंत्री और संबंधित सचिवों और राज्य के विभिन्न जिलों के स्थानीय कलेक्टरों के समक्ष लिखित प्रस्तुतियाँ दी गई हैं। इस संबंध में आवेदन पत्र भी दिए गए। हालांकि अभी तक सरकार की ओर से कोई सकारात्मक जवाब नहीं मिला है।

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, गुजरात राज्य इस समय 8000 करोड़ रुपये के 2400 कार्यों के लिए निविदाओं की घोषणा करने के चरण में है। गुजरात राज्य के ठेकेदारों द्वारा टेंडर नहीं भरने के निर्णय से पूरे राज्य का विकास कार्य बाधित हो गया है। गुजरात कॉन्ट्रैक्टर्स एसोसिएशन द्वारा सरकार को बार-बार अवगत कराने के बावजूद सरकार एसोसिएशन की वाजिब मांगों को लागू करने के प्रति संवेदनशील नहीं दिख रही है।

गुजरात कॉन्ट्रैक्टर्स एसोसिएशन का कहना है कि हमारे प्रतिनिधियों से आमने-सामने चर्चा के बाद कार्यान्वयन को लेकर कोई सकारात्मक कदम नहीं उठाया गया है। इसलिए एसोसिएशन द्वारा शीघ्र ही सभी ठेकेदार बंधुओं की एक बैठक बुलाने की योजना बनाई गई है और इस बैठक में एसोसिएशन की उचित मांगों को लागू करने के संबंध में जल्द से जल्द आगे कदम उठाने का निर्णय लिया जाएगा।

राज्य में अगस्त माह में टेंडर नहीं भरने के निर्णय के कारण लगभग रु. 8000 करोड़ के 2400 विकास कार्य रुके

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)